हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,शुक्रवार | 06 दिसंबर 2024 | वर्ष : 02 | अंक :200 | पृष्ठ -14 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

राघव चड्ढा ने भगत सिंह के लिए की भारत रत्न की मांग, जानें क्या कहा?

एजेंसी

नई दिल्ली: आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद राघव चड्ढा द्वारा स्वतंत्रता संग्राम में शहीद-ए-आजम भगत सिंह के सर्वोच्च बलिदान और योगदान को मान्यता देते हुए उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग की गई है। उन्होंने संसद में सरकार से आग्रह किया कि देश की आजादी में भगत सिंह के बलिदान और योगदान को याद करते हुए उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया जाए। संसद में अपने भाषण के दौरान, आप के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने कहा, भगत सिंह ने अपनी युवावस्था, सपने और जीवन भारत के स्वतंत्रता संग्राम के लिए समर्पित कर दिया। उनकी शहादत के 93 साल बाद भी, हमने उन्हें वह सम्मान नहीं दिया जिसके वे हकदार थे।राघव चड्ढा ने कहा कि महज 23 साल की उम्र में उन्होंने देश के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया।

गति वही है, केवल हमारी भूमिकाएं बदल गई हैं...

शपथ के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री फडणवीस की पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद देवेंद्र फडणवीस ने पुणे के मरीज चंद्रकांत शंकर कुरहाडे को अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण उपचार के लिए मुख्यमंत्री चिकित्सा राहत कोष से 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए

एजेंसी

महाराष्ट्र: भाजपा नेता देवेन्द्र फडणवीस ने गुरुवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। पांच साल बाद मुख्यमंत्री के रूप में फडणवीस की वापसी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आजाद मैदान में समारोह में शामिल हुए। वहीं, एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। शपथ लेने के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस के साथ उनके उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने मंत्रालय में छत्रपति शिवाजी महाराज और डॉ. बीआर अंबेडकर को पुष्पांजलि अर्पित की।महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद देवेंद्र फडणवीस ने पुणे के मरीज चंद्रकांत शंकर कुरहाडे को अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण उपचार के लिए मुख्यमंत्री चिकित्सा राहत कोष से 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए हस्ताक्षर किए। वहीं, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने कोलाबा में शिवसेना के संस्थापक बालासाहेब ठाकरे की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इन तमाम प्रक्रियाओं के बाद फडणवीस ने अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस की। फडणवीस ने कहा कि पिछले 2.5 साल में हमने महाराष्ट्र के विकास के लिए काम किया है और यहां से भी हम महाराष्ट्र के विकास के लिए काम करेंगे और हम अब नहीं रुकेंगे, दिशा और गति वही है, बस हमारी भूमिकाएं बदल गई हैं। उन्होंने कहा कि हम महाराष्ट्र की भलाई के लिए फैसले लेंगे। हम उन कार्यों को पूरा करना चाहते हैं जिनका उल्लेख हमने अपने घोषणा पत्र में किया है। शपथ ग्रहण के बाद राज्य कैबिनेट की पहली बैठक में देवेंद्र फड़नवीस ने प्रशासन को और अधिक तेजी और जोश के साथ काम करने का निर्देश दिया.बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि आइए अब गति बढ़ाएं और गहराई तक जाकर और अच्छे निर्णय लेकर सतत विकास कैसे हासिल किया जाए, इस दृष्टिकोण से काम करें। फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र सामाजिक, बुनियादी ढांचे, औद्योगिक क्षेत्रों में तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ता रहेगा। उन्होंने कहा कि मैं नहीं मानता कि (सरकार बनाने में) ऐसी कोई देरी हुई है। इससे पहले भी 2004 में करीब 12-13 दिन की देरी हुई थी। 2009 में करीब 9 दिन की देरी हुई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें यह समझना होगा कि जब गठबंधन सरकार होती है तो कई फैसले लेने पड़ते हैं। गठबंधन सरकार में परामर्श बहुत बड़े पैमाने पर करना पड़ता है। हमने वह परामर्श कर लिया है और हमने पोर्टफोलियो को भी लगभग अंतिम रूप दे दिया है, कुछ बाकी है, हम वह भी करेंगे। उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे और अजित पवार मेरे साथ हैं। लोग एक स्थिर सरकार चाहते हैं, इसलिए उन्होंने हमें चुना है और हम साथ रहेंगे और काम करेंगे।' हम 'माझी लड़की बहिन योजना' जारी रखेंगे। हम जल्द ही महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव करेंगे क्योंकि कैबिनेट ने 7-8 दिसंबर को एक विशेष सत्र आयोजित करने का फैसला किया है। 9 दिसंबर को राज्यपाल का अभिभाषण होगा।

शपथ के पहले बालासाहेब और आनंद दिघे का नाम, मोदी-शाह का जताया आभार,

एजेंसी

महाराष्ट्र: गुरुवार को मुंबई के आजाद मैदान में आयोजित एक भव्य समारोह में शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। भाजपा के देवेन्द्र फडणवीस के महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद शिंदे ने शपथ ली। इस कार्यक्रम में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ और एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों सहित कई वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति देखी गई। कई केंद्रीय मंत्री और अन्य एनडीए नेता भी शामिल हुए।शपथ लेने से पहले शिंदे ने अपने गुरु बालासाहेब ठाकरे और अपने गुरु आनंद दिघे को श्रद्धांजलि देते हुए पीएम मोदी का आभार व्यक्त किया। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने पीएम मोदी और अमित शाह के नेतृत्व और महाराष्ट्र के 13 करोड़ मतदाताओं के समर्थन को स्वीकार किया। महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन द्वारा शपथ दिलाने से पहले शिंदे ने कहा कि मेरे गुरु, धर्मवीर आनंद दिघे को याद करते हुए, हिंदूहृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे को मेरा शत-शत नमन। पीएम नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के मजबूत नेतृत्व और आशीर्वाद और महाराष्ट्र के 13 करोड़ मतदाताओं के समर्थन से।

एकनाथ शिंदे ने महफिल लूट ली

मैं अपना डीएनए टेस्ट कराने के लिए तैयार, मुख्यमंत्री भी डीएनए की जांच कराएं: अखिलेश यादव

एजेंसी

उत्तर प्रदेश: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के डीएनए वाले बयान पर समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह अपने डीएनए की जांच करवाने के लिए तैयार हैं बशर्ते मुख्यमंत्री भी अपने डीएनए की जांच कराएं।योगी ने अयोध्या में रामायण मेले के उद्घाटन के बाद विपक्षी दलों पर समाज को बांटने का आरोप लगाया और कहा कि अयोध्या व संभल में मुगल शासक बाबर की सेना ने जो किया और आज जो बांग्लादेश में हो रहा है, उसका डीएनए एक ही है।अखिलेश ने कानपुर में संवाददाताओं से कहा, ह्मुझे नहीं पता कि मुख्यमंत्री कितना विज्ञान जानते हैं और उन्होंने कितनी बायोलॉजी पढ़ी है लेकिन मैं उनसे अनुरोध करना चाहता हूं कि उन्हें डीएनए के बारे में बात नहीं करनी चाहिए।उन्होंने कहा, ह्आपके (मीडिया) जरिए मैं यह पूरी जिम्मेदारी के साथ कह रहा हूं कि उन्हें डीएनए के बारे में बात नहीं करनी चाहिए। अगर वह डीएनए के बारे में बात करते हैं तो मैं डीएनए टेस्ट कराने के लिए तैयार हूं और मुख्यमंत्री को भी अपना डीएनए टेस्ट कराना चाहिए।अखिलेश ने कहा, ह्डीएनए की बात करना उन्हें (मुख्यमंत्री योगी को) शोभा नहीं देती। एक संत, भगवा वस्त्र धारण किए एक योगी होने के नाते उन्हें डीएनए के बारे में बात नहीं करनी चाहिए।

पुतिन ने कर दी भारत की इस पहल की तारीफ, खुश हो पीएम मोदी भी

एजेंसी

नई दिल्ली: भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को आगे बढ़ाने के लिए मेक इन इंडिया पहल की शुरूआत की थी। इस पहल के जरिए देश भर में कई लोगों को ना सिर्फ नौकरी मिली है बल्कि इस पहल ने रोजगार के नए आयाम भी खोले है। इसी बीच अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस पहल को उनके दोस्त ने भी काफी पसंद किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दोस्त और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मेक इन इंडिया पहल की तारीफ की है।रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मेक इन इंडिया के जरिए देश में उत्पन्न हुए स्थिर

हालात के पीछे ये नीतियां है, जिसके पीछे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का हाथ है। इसके साथ उन्होंने भारत में रूसी विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने की पेशकश की है। पुतिन ने बुधवार को मॉस्को में 15वें वीटीबी निवेश मंच को संबोधित करते हुए कहा कि आयात प्रतिस्थापन कार्यक्रम के तहत रूसी बाजार से बाहर हो चुके पश्चिमी ब्रांडों की जगह नए रूसी ब्रांडों का उदय हुआ है।उन्होंने रूस के आयात प्रतिस्थापन कार्यक्रम को भारत की मेक इन इंडिया पहल के समान बताते हुए कहा कि भारत का नेतृत्व अपने हितों को प्राथमिकता देने की नीति पर केंद्रित है।

उमर अब्दुल्ला का आरोप, सोची समझी साजिश के तहत हमारी मस्जिदों को बनाया जा रहा निशाना

एजेंसी

नई दिल्ली: नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आज पार्टी के संस्थापक शेख मुहम्मद अब्दुल्ला को उनकी 119वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अब एक सोची समझी साजिश के तहत हमारी मस्जिदों को निशाना बनाने की कोशिश की जा रही है। ये बात मैंने बार-बार कही है। उन्होंने आगे कहा कि आप कहते हैं कि आप मुसलमानों का तुष्टीकरण नहीं करेंगे, तो ऐसा न

करें, हम तुष्टिकरण नहीं चाहते। लेकिन हमें निशाना मत बनाओ। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि हमारी मस्जिदों, दरगाहों और जिस तरह हम अपने धर्म का पालन करते हैं उस पर हमला करके आप हमें प्रताड़ित कर रहे हैं और यह वह भारत नहीं है जिसका जम्मू-कश्मीर हिस्सा था। यह वह भारत नहीं है जिसकी हमारे संस्थापकों ने कल्पना की थी। पूर्व सांसद और एनसी विधायक हसनैन मसूदी ने कहा कि यह सब पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम के खिलाफ है। संभल में जो हुआ और अन्य स्थानों पर जो प्रयास किए जा रहे हैं - ये विभाजनकारी ताकतें हैं...ऐसी ताकतें हैं जो लोगों के बीच दरार पैदा करने का प्रयास कर रही हैं। यह राष्ट्रहित में नहीं है।

संसद में उठा बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार का मुद्दा, केंद्र सरकार से किया पड़ोसी देश में सुरक्षा के लिए हस्तक्षेप का अनुरोध

एजेंसी

नयी दिल्ली: बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार का मुद्दा लोकसभा में गूंजा। भाजपा सदस्यों ने सरकार से पड़ोसी देश में हिंदुओं और इस्कॉन अनुयायियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया। शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए भाजपा की हेमा मालिनी ने कहा कि मैं बेहद दुखी हूं, यह देखकर कि बांग्लादेश में हमारे हिंदुओं और हिंदू मंदिरों, खासकर इस्कॉन और उसके भक्तों के साथ क्या हो रहा है। हिंदू मंदिरों पर लगातार हमले जारी हैं। मालिनी ने उल्लेख किया कि इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा

कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) पूरी दुनिया में स्थापित है और आज इसके लगभग हजार केंद्र हैं। मथुरा लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाली मालिनी ने कहा कि वे पूरी दुनिया में वैदिक संस्कृति फैलाने और कृष्ण चेतना और शांति फैलाने के लिए जाने जाते हैं। मैं भारत सरकार से अपील करता हूं कि यह सुनिश्चित किया जाए कि बांग्लादेश में हिंदुओं और मंदिरों पर हमले तुरंत रोके जाएं और चिन्मय कृष्ण दास सहित सभी इस्कॉन भक्तों को जेल से रिहा किया जाए और देशद्रोह का मामला हटाया जाए। असम में दरांग-उदलगुरी निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले भाजपा सांसद दिलीप सैकिया और उज्जैन के सांसद अनिल फिरोजिया ने भी लोकसभा में इस मुद्दे को उठाया।संतों के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को बांग्लादेश उप उच्चायोग में एक ज्ञापन सौंपा जिसमें पड़ोसी देश (बांग्लादेश) में हिंदुओं और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों पर अत्याचारों को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने की मांग की

समुंदर लौटकर आया...अभिमन्यु ने तोड़ा चक्रव्यूह, कहानी खत्म कहने वालों को फडणवीस ने कैसे दिखाया- पिक्चर अभी बाकी है मेरे दोस्त

एजेंसी

महाराष्ट्र: मी देंवेंद्र सरिता गंगाधर राव फडणवीस...1925 में आरएसएस का गठन हुआ था और 99 साल बाद आरएसएस के गढ़ नागपुर से निकलकर तीसरी बार देवेंद्र फडणवीस ने मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। महाराष्ट्र देश का 14वां ऐसा राज्य बन गया जहां बीजेपी का अपना मुख्यमंत्री बना है। 38 साल की उम्र में शरद पवार ने मुख्यमंत्री की शपथ ली थी। वहीं 42 साल की उम्र में 2014 में पहली बार फडणवीस ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। भाजपा नेता देवेन्द्र फडणवीस ने मुंबई में एक ब्लॉकबस्टर कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। पांच साल बाद मुख्यमंत्री के रूप में फडणवीस की वापसी के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आजाद मैदान में समारोह में शामिल हुए।इसके अलावा एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली देवेंद्र फडणवीस ने सदन में कहा था कि मेरा पानी उतरता देख मेरे किनारे पर घर मत बसा लेना, मैं समंदर हूं लौटकर वापस आऊंगा ! बताया जा रहा है कि जब महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी सरकार बनी थी, तब फडणवीस ने यह शेर विधानसभा में पढ़ा था। गौरतलब है कि महाराष्ट्र की सियासत में पिछले पांच दशक में बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस को छोड़कर कोई भी मुख्यमंत्री अपने पांच साल का कार्यकाल नहीं पूरा कर सका है। आज के अभिमन्यु ने तोड़ा चक्रव्यूह

मैं आधुनिक युग का अभिमन्यु हूं और चक्रव्यूह तोड़ना जानता हूं। बीजेपी नेता ने कहा था कि हमने उस चक्रव्यूह को खत्म कर दिया है, जिसे हमारे खिलाफ रचा गया था।

दिल्ली कूच करने के लिए तैयारी में पंजाब-हरियाणा के किसान, सिंघु बॉर्डर पर दिल्ली पुलिस ने कसी कमर

एजेंसी

पंजाब: पंजाब के किसान 6 दिसंबर को राष्ट्रीय राजधानी में अपने प्रस्तावित मार्च की तैयारी में हैं। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने बताया कि वे सिंघू सीमा पर उत्पन्न होने वाली किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि कल दोपहर एक बजे जत्था यहां से (दिल्ली के लिए) रवाना होगा। मुझे उम्मीद है कि सरकार अच्छा संदेश देगी और हमें नहीं रोकेगी। उन्होंने कहा कि जिस तरह से बैरिकेडिंग की जा रही है, ऐसा लगता है कि यह अंतरराष्ट्रीय सीमा बन गई है। किसान नेता ने आगे कहा कि

हरियाणा के कई किसान नेताओं के घरों पर नोटिस चिपकाए जा रहे हैं। हम केंद्र सरकार को यह कहने का मौका देंगे कि किसान अहंकारी हैं और बात नहीं करना चाहते। जब भी हमें बातचीत का निमंत्रण मिलेगा हम इस पर फैसला करेंगे। हालांकि, फिलहाल सीमा पर सुरक्षा अधिकारियों की कोई अतिरिक्त तैनाती नहीं की गई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि हमने राष्ट्रीय राजधानी की ओर किसानों के मार्च से पहले दिल्ली-चंडीगढ़ राजमार्ग पर सिंघू सीमा पर एक महत्वपूर्ण तैनाती की योजना बनाई है। हम स्थिति का विश्लेषण कर रहे हैं और अगर हमें किसानों के आंदोलन के बारे में कोई खुफिया इनपुट या जानकारी मिलती है, तो उसके अनुसार निर्णय लिया जाएगा।एक अधिकारी ने बताया कि जीआरएपी-4 उपायों के कार्यान्वयन के साथ-साथ कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सिंघू सीमा पर चेक पोस्टों पर पहले से ही स्थानीय पुलिस तैनात है।

उपलब्धियों से भरा रहा डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह का दो साल का कार्यकाल: कांग्रेस

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना. गुरुवार, 5 दिसंबर, 2024 बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह के अध्यक्ष के रूप में दो साल का कार्यकाल पूर्ण होने पर मीडिया एवं पब्लिसिटी विभाग के तत्वावधान में कांग्रेसजनों ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में केक काटकर और मिठाई बांटकर उनका अभिनंदन कर आपस में खुशी बांटी।बिहार कांग्रेस के मीडिया एवं पब्लिसिटी विभाग के सभी प्रवक्ताओं, पैनलिस्टों की एक बैठक चेयरमैन राजेश राठौड़ के अध्यक्षता में आहूत की गई जिसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह के दो साल के सफलतम कार्यकाल में लगातार चलाएं गए जन आंदोलनों, पदयात्रा और कांग्रेस पार्टी की वैचारिक संघर्ष को आमजनों तक पहुंचाने के उनके कार्यशैली और पार्टी की आगामी नीतियों को जन-जन तक मीडिया के माध्यम से पहुंचाने का निर्णय लिया गया। इस दौरान विशेष रूप से उनके कार्यकाल में मंदार पर्वत से 1000 से अधिक किमी की पदयात्रा, भारत जोड़ो न्याय यात्रा, एआईसीसी से निर्देशित कार्यक्रमों पर लगातार क्रियान्वयन, स्मार्ट मीटर पर राज्यव्यापी आंदोलन, राज्य के विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक के खिलाफ आंदोलन, सैंकड़ों ज्वलंत मुद्दों पर पार्टी का सड़क पर संघर्ष और बिहार में गत लोकसभा चुनाव में पार्टी के बेहतर प्रदर्शन में प्रदेश अध्यक्ष का योगदान जिसमें महागठबंधन सहित कांग्रेस पार्टी के सांसदों की संख्या में बढ़ोतरी को गिनाया गया। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने सभी प्रवक्ताओं और पैनलिस्टों से मीडिया में जनहित के मुद्दों को लगातार वृहद रूप से उठाने के लिए भी व्यापक पहल की अपेक्षा की गई।इस अवसर पर बोलते हुए आनन्द माधव ने कहा कि यह चुनावी वर्ष है अतः मीडिया विभाग की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। हमें इसके लिये तैयार रहना होगा। बिहार कांग्रेस के मीडिया एवं पब्लिसिटी विभाग के नवनियुक्त प्रवक्ताओं को नई जिम्मेदारी मिलने पर प्रदेश मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ एवं आनन्द माधव ने पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। इस बैठक में चेयरमैन राजेश राठौड़, प्रवक्ता आनंद माधव, सौरभ कुमार सिन्हां, सूरज सिंहा, डॉ स्नेहाशीष वर्धन पाण्डेय, ज्ञान रंजन, असफर अहमद, निधि पांडेय, ई कमलेश कुमार, सहित सोशल मीडिया की टीम भी बैठक में उपस्थित रही।

बैठक के उपरांत प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह के सफलतम कार्यकाल पर केक काटकर और मिठाई बांटकर वरिष्ठ नेताओं ने मनाया, जिसमें ब्रजेश पांडेय, ब्रजेश प्रसाद मुनन, पूर्व विधान पार्षद लाल बाबू लाल, अमित कुमार, मृणाल अनामय सहित अन्य नेतागण मौजूद रहें।

राज्य स्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन लखीसराय में दिनांक 30 नवंबर से लेकर 2 दिसंबर 2024 तक किया गया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.अबु बकर सिद्दीकी

राज्य स्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन लखीसराय में दिनांक 30 नवंबर से लेकर 2 दिसंबर 2024 तक किया गया ।ज़िले से चुने गये लगभग 48 कलाकारों ने इसमें भाग लिया । *मधुबनी जिला के कलाकारों को " शोभा यात्रा में "द्वितीय" पुरस्कार प्राप्त हुआ ।कलाकारों के द्वारा गाये गये विद्यापति गीत , झिझिया और डोमकच गीतों पर अन्य ज़िलों से आये प्रतिभागी भी झूम उठे ।इसके अलावा मधुबनी ज़िला से "फोटोग्राफी विधा "में पवन कुमार को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया ' मधुबनी के जिला कला संस्कृति पदाधिकारी नीतीश कुमार जी के द्वारा खेल भवन में आयोजित मुलाकात में प्रतिभागियों को ढेर सारी शुभकामनाएं दी गई और साथ ही सभी प्रतिभागियों को भविष्य में भी लगातार प्रतियोगिताओं में भाग लेने हेतु प्रेरित किया गया ।

दरभंगा जिला अन्तर्गत महिला हिंसा उन्मूलन तथा महिला सशक्तिकरण पर जागरूकता अभियान

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

(दरभंगा) :- दरभंगा जिला अन्तर्गत महिला हिंसा उन्मूलन तथा महिला सशक्तिकरण पर जागरूकता अभियान का आयोजन +2 थलवारा हॉई स्कूल दरभंगा में किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के अधिकारों और उनके संरक्षण के लिए उपलब्ध संसाधनों और सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करना था।

उक्त कार्यक्रम में बाल-विवाह मुक्त भारत अभियान, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ,जेन्डर भेद-भाव न करने, बच्चियों का शिक्षा,स्वास्थ्य पर विस्तृत जानकारी दी गई एवं महिला हेल्प लाईन न0-181, 112, चाईल्ड हेल्प लाईन नं0-1098 के बारे में सभी लोगों को बताया गया। जिला परियोजना प्रबंधक जयवंती सिन्हा द्वारा कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न अधिनियम (ढडरल्र अूइ), 2013 के तहत महिलाओं के लिए सुरक्षित और समान कार्यस्थल सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

घरेलू हिंसा अधिनियम, 2005 के प्रावधानों पर चर्चा की गई,जिसमें महिलाओं के अधिकारों की रक्षा और उनके संरक्षण के उपाय शामिल थे।

मौके पर मौजूद जिला मिशन समन्वयक, ऋषि कुमार द्वारा महिलाओं के खिलाफ हिंसा को समाप्त करने और समाज में समानता को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक जागरूकता पर जोर दिया गया।

बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के तहत बाल विवाह रोकने के उपाय और इसके दुष्परिणामों को समझाया गया।

उन्होंने आगे बताया कि वन स्टॉप सेंटर और 181 हेल्पलाइन महिलाओं के लिए त्वरित सहायता तथा दीर्घकालीन सहायता और सुरक्षा सेवाओं की उपलब्धता प्रदान करता है।

उन्होंने महिलाओं से सम्बंधित किसी भी सहायता अथवा शिकायत के लिए जिला हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वूमेन (ऊऌएह) कार्यालय,दरभंगा में संपर्क करने हेतु सलाह दी गई।

उपस्थित स्कूल की बच्चियों द्वारा बिहार सरकार, भारत सरकार एवं जिला प्रशासन की सराहना करते हुए कहा गया कि इस तरह का कार्यक्रम कराने से जन-जन में जागरूकता की लहर फैल रही है।

उक्त कार्यक्रम में महिला थाना की थाना प्रभारी आरती कुमारी,एस आई मघुबाला,महिला विशेष कोषांग की सामाजिक कार्यकता रंजु कुमारी, स्कूल के प्रधानाध्यापक हरे कृष्णा एवं सभी शिक्षक,शिक्षिकाओं समेत सभी उपस्थित स्कूल की छात्र /छात्राओं ने भाग लिया ।

सारण पुलिस द्वारा चलाए गए विशेष अभियान में 32 अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पुलिस अधीक्षक, सारण द्वारा दिये गये निर्देश के आलोक में असामाजिक तत्वों / अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी एवं शराब के सेवन / बिक्री/भण्डारण / निर्माण / परिवहन आदि पर पूर्ण रूप से पाबंदी लगाने तथा देशी शराब भट्टी ध्वस्त करने हेतु कार्रवाई को दृष्टिगत रखते हुए दिनांक - 04.12.2024 को विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान में कुल 32 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें शराब कारोबार में-03, शराब सेवन-10, वारंट में-03, हत्या का प्रयास में-02, एससी/एसटी एक्ट में-03. लूट में-03, डकैती में-03, गृहभेदन में-01, चोरी में-03 एवं एनडीपीएस एक्ट में-01 अभियुक्त शामिल हैं।जिले में अपराध नियंत्रण एवं यातायात सुरक्षा के दृष्टिकोण से कुल 29 वाहनों से 54,000 रू० जुमार्ना राशि वसूली गई। साथ ही जिला अंतर्गत देशी शराब-225 ली०, विदेशी शराब-91.86 ली०, मोटरसाइकिल-04, मोबाइल-05, ट्रैक्टर-01, गांजा-55 कि०ग्रा०, देशी कट्टा-02 एवं गोली-04 बरामद।

सारण पुलिस द्वारा चलाए गए विशेष अभियान में 32 अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर,

छपरा: पुलिस अधीक्षक, सारण द्वारा दिये गये निर्देश के आलोक में असामाजिक तत्वों / अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी एवं शराब के सेवन / बिक्री/भण्डारण / निर्माण / परिवहन आदि पर पूर्ण रूप से पाबंदी लगाने तथा देशी शराब भट्टी ध्वस्त करने हेतु कार्रवाई को दृष्टिगत रखते हुए दिनांक - 04.12.2024 को विशेष अभियान चलाया गया।इस अभियान में कुल 32 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें शराब कारोबार में-03, शराब सेवन-10, वारंट में-03, हत्या का प्रयास में-02, एससी/एसटी एक्ट में-03. लूट में-03, डकैती में-03, गृहभेदन में-01, चोरी में-03 एवं एनडीपीएस एक्ट में-01 अभियुक्त शामिल हैं।

मुखिया पति के निधन पर शोक की लहर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत अंजना पंचायत के मुखिया अनीता देवी के पति लक्ष्मण कुमार महतो का बुधवार की देर शाम हार्ट अटैक के कारण निधन हो गया।परिजन के मुताबिक काफी दिनो से वह बीमार चल रहे थे। उनके निधन पर स्थानीय सहित क्षेत्र के लोगों ने शोक व्यक्त किया है।जिले में अपराध नियंत्रण एवं यातायात सुरक्षा के दृष्टिकोण से कुल 29 वाहनों से 54,000 रू० जुमार्ना राशि वसूली गई। साथ ही जिला अंतर्गत देशी शराब-225 ली०, विदेशी शराब-91.86 ली०, मोटरसाइकिल-04, मोबाइल-05, ट्रैक्टर-01, गांजा-55 कि०ग्रा०, देशी कट्टा-02 एवं गोली-04 बरामद।

ऑटो पलटने से चार यात्री जख्मी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बाघमारा पुल के नजदीक गुरुवार की सुबह कुहासा के कारण ऑटो सड़क किनारे गड्ढे में पलटते हुए वृक्ष में जाकर अटक गई।ऑटो पर सवार चालक सहित चार लोग जख्मी हो गये।जख्मी लोगों में रमोली गांव के बृजनंदन गिरी के पुत्र अनिरुद्ध गिरी, लदौरा के योगेश्वर गिरी के पुत्र मंगल गिरी एवं सरायरंजन के रायपुर गांव के नरसिंह गिरी का नाम शामिल शामिल है। सभी जख्मियों का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में किया जा रहा है। वहीं प्राथमिक उपचार के बाद जख्मी लोगों के स्वास्थ्य में सुधार होने की जानकारी डॉ बी के ठाकुर ने बताया तथा उन्होंने कहा कि सभी जख्मी खतरे से बाहर है।वहीं दूसरी ओर ऑटो चालक जितवारिया के दीपक राय जिसका उपचार समस्तीपुर में किए जाने की बात लोगों ने बताई। लोगों का बताना है कि सभी लोग ऑटो पर सवार होकर जितवारिया गांव से दरभंगा के लिए भिक्षा मांगने जा रहे थे, इसी दौरान यह घटना घटी। वहीं पुलिस ने बताया कि जख्मी लोगों के द्वारा आवेदन देने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने पांच वारंटी को किया गिरफ्तार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर थाना की पुलिस ने विभिन्न जगहों के पांच वारंटी को बुधवार की रात गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार लोगों में भागीरथपुर के उमेश सहनी, गोविंदपुर खजूरी गांव के संतोष पासवान, कैसर, सरफे आलम, सलमान खान का नाम शामिल शामिल है। थाना अध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार लोगों को आगे की कार्रवाई के लिए समस्तीपुर कोर्ट भेज दी गई है।

बिजली के शॉर्ट सर्किट से दो घर जलकर हुआ राख,नगदी, जेवर समेत पांच लाख की क्षति

समस्तीपुर। जिले के खानपुर प्रखंड के सिमरी चंद्रसेन गांव के वार्ड संख्या 7 में बुधवार की रात्रि करीब 3 बजे रामचंद्र राय एवं मुन्नीलाल राय के घर में बिजली के शॉर्ट सर्किट से आग लग जाने के कारण घर में रखें दो लाख पचास हजार नगद व जेवरात के अलावा खाने का अनाज कपड़ा लत्ता सेमत करीब 5 लाख रुपया की अन्य सामान भी जलकर राख हो गया। खानपुर पुलिस व राजस्व कर्मचारी विष्णु देव महतो ने घटना का जायजा लिया एवं मौके पर मुखिया पति चंद्रशेखर राय एवं समाजसेवी प्रेमानंद समेत सैकड़ो ग्रामीण मौजूद थे। इधर घर में आग लगने और क्षति होने पर अग्नि पीड़ितों ने सरकार से सरकार से सहायता देने की मांग की है।

कभी ठंडा, कभी गरम, मोहम्मद नूर आलम

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

ठान लिया था, पूरी तरह से। सोच लिया था कि आज चाहे जो कुछ हो जाए मैं ये जंग जीत के रहूँगा।हथियार तैयार थे।गीजर चालू था।गरम पानी, बाल्टी में भभकता हुआ गिर रहा था। जमीन ठंडी थी, दीवारें आर्कटिक की बफीर्ली चट्टानों की तरह ठिठुर रही थी।जब गरम पानी को छुआ, तब पता चला ये तो अंतिम संस्कार की चिता की तरह धधक रहा है। फिर क्या? ठंडा पानी मिलाया। जैसे दूधवाला, दूध में तौल-मोल कर पानी मिलाता है, वैसे ही मैं गरम पानी में ठंडा पानी मिला रहा था। जब ठंडा मिलाऊँ, तो पानी ठंडा हो जाए। जब उसमें वापस ठंडा पानी मिलाऊँ तो पानी वापस गरम हो जाए। मैं बाथरूम में बैठे-बैठे कब वैज्ञानिक बन गया था, मुझे पता ही नहीं चला। जीवन भी उस बाल्टी की तरह है दोस्तों, कभी ठंडा-कभी गरम। गरम बोले तो दुख और ठंडा - सुख। जब दुख हद से ज्यादा हो जाता है, तभी समय हमारी जीवन की बाल्टी में सुख यानी ठंडा पानी डालता है। फिर समय को पता चलता है, अरे! नूर आलम को तो हद से ज्यादा सुख दे दिया। फिर नूर आलम की जीवन की बाल्टी में समय वापस दुख यानी गरम पानी मिलाता है। ये सिलसिला चलता रहता है। ऐसा करते-करते, एक दिन बाल्टी पूरी भर जाती है और हमारी आत्मा चली जाती है।कहाँ? किसी और बाथरूम यानी दुनिया में नहाने के लिए। पर क्या वो नहा पाता है ? नहीं, आत्मा को नहाने कि कहाँ जरूरत है? मुझे बस इतना कहना है कि हो सकता है अभी तुम्हारी जीवन की बाल्टी में ज्यादा दुख होगा, लेकिन समय पर भरोसा रखना, समय एक दिन उस बाल्टी में ठंडा पानी यानी सुख जरूर मिलाएगा। और जब तक नहीं मिलाता, तब तक क्या करेंगे आप? गाते रहिए, गुनगुनाते रहिए और जीते रहिए - "मेरे सामने वाली खिड़की में, एक चाँद सा..

जनता के संघर्ष से ही परिवर्तन होगा -विधायक अजय कुमार

सीपीएम का 14 वॉ जिला सम्मेलन शुरू

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.अबु बकर सिद्दीकी

पटना: भारत की कम्यूनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) का 14 वॉ मधुबनी जिला का सम्मेलन खुटौना सुड़ी विवाह भवन भोगेंद्र यादव नगर में आयोजित किया गया, खुटौना मुख्य सड़क पर विशाल जुलूस निकाला गया, फिर सीपीएम के राज्य सचिव ललन चौधरी ने झंडा तोलन कर शहीद वेदी पर पुष्पांजलि अर्पित कर जोरदार नारेबाजी के साथ सम्मेलन शुरू हुआ ।सम्मेलन के खुला शत्र का उद्घाटन भाषण सीपीएम राज्य सचिव मंडल सदस्य विधायक दल के नेता अजय कुमार ने भाजपा और नीतीश कुमार पर जमकर हमला किया, उन्होंने कहा कि जनता के संघर्ष के बगैर हम परिवर्तन नहीं कर सकते, मोदीजी और नीतीश कुमार जी गरीब विरोधी सरकार है, मोदीजी बड़े पूंजीपतियों के हाथों देश को गिरवी रख रहे हैं आज सार्वजनिक संपत्तियों को खुलेआम बेचा जा रहा है गरीब को और गरीब बनाया जा रहा है बड़े घड़नों को ऋण माफ किया जा रहा है और गरीबों से ऋण जबरन वसूल की जा रही है बिहार मे उद्योग धंधा चौपट हो चुका है कोई नया उद्योग नहीं लग रहा है किसानों से जमीन छीना जा रहा है यहां के लोग दूसरे राज्यों में पलायन के लिए मजबूर हो रहे हैं बिहार में रोजगार नाम का चीज नहीं है देश की भी हालत बेहद खराब है नौजवान दर-दर भटक रहे हैं किसानों को पीटा जा रहा है खेती घाटे का सौदा बन रहा है एम एस पी का लाभ किसानों को नहीं दिया जा रहा है, किसान मजदूर की हालत देश में सबसे ज्यादा खराब है गरीब के बच्चे उच्च शिक्षण संस्थानों में नहीं जा रहे हैं देश में सांप्रदायिकता को कुचलने की आवश्यकता है, सभा को विहार राज्य सचिव मंडल सदस्य रामपरी देवी, जिला सचिव मनोज कुमार यादव, राम-लखन यादव, रामनरेश यादव, विजय नाथ मिश्र, प्रेम कांत दास, उमेश राय, रामजी यादव,उमेश घोष, दिलीप झा, राम नारायण यादव,सत्यनारायण यादव,सोनधारी यादव, शशि सहलैता, विजय पासवान सहित अन्य नेताओं ने संबोधित किया।सभा की अध्यक्षता जिला सचिव मनोज कुमार यादव ने किया।

राजद परिवार ने किया सदस्यता अभियान की शुरूआत, पहले दिन 390 लोगों ने सदस्यता प्रदान की

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। गुरुवार को समस्तीपुर शहर के धर्मपुर स्थित एक निजी विवाह भवन में प्रखंड राष्ट्रीय जनता दल, समस्तीपुर के सदस्यता अभियान का शुभारंभ स्थानीय विधायक सह बिहार विधानसभा के मुख्य सचेतक अख्तरुल इस्लाम शाहीन, समस्तीपुर जिला राजद के प्रभारी श्रीनारायण महतो तथा राजद जिलाध्यक्ष सह पूर्व विधान पार्षद रोमा भारती ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजद प्रखंड अध्यक्ष संतोष कुमार यादव, संचालन जिला राजद प्रवक्ता राकेश कुमार ठाकुर तथा धन्यवाद ज्ञापन राजद किसान सेल के अध्यक्ष राकेश कुशवाहा ने किया। इस अवसर पर सूबे की नीतीश सरकार के नीतियों पर विरोध जताते हुए सदस्यता अभियान चलाकर समाज के कमजोर तबके के लोगों को राजद पार्टी से जोड़ने एवं तेजस्वी यादव का हाथ मजबूत करने का आहवान किया गया। स्थानीय विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन, राजद जिलाध्यक्ष रोमा भारती तथा समस्तीपुर जिला राजद के प्रभारी श्रीनारायण महतो ने कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी का रीढ़ होता है। आम कार्यकर्ता पार्टी को बढ़ाता है, सजाता है और मजबूत बनाता है। इसलिए तेजस्वी यादव के हाथों को और अधिक मजबूत करते हुए इस बार बिहार में राजद की सरकार बनानी है। संगठन की मजबूती के लिए सदस्यता अभियान को आगे बढ़ाने तथा सभी वर्गों को साथ लेकर गरीब, शोषित, वंचित और समाज के सभी को सदस्य बनाने और पार्टी को हर स्तर पर मजबूत करने का अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए एक-एक कार्यकर्ता हर घरों तक सदस्यता अभियान चलाएंगे उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल गरीब - गुरबों की पार्टी है और सामाजिक न्याय पर यकीन करने वाली हर वर्गों और लोगों को सम्मान और अधिकार देने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि नीतीश सरकार हर मोर्चे पर विफल है। बिहार में बेहद तेजी से बढ़ रहे अपराध तथा भ्रष्टाचार का ग्राफ बेहद चिंताजनक है। सूबे में भय तथा अराजकता का आलम है। अब नीतीश सरकार की उल्टी गिनती प्रारंभ हो गई है तथा अगले वर्ष चुनाव के उपरांत बिहार में महागठबंधन की सरकार बनना तय है। मौके पर जिला पार्षद धर्मेन्द्र पासवान, प्रखंड अध्यक्ष संतोष कुमार यादव, मुखिया राजीव राय, मुकेश राय, फेकन झा, मन्नू पासवान, राकेश कुशवाहा, पप्पू यादव, कमलेश साह, अरुण कुमार कुशवाहा, सुरेश राय, अशोक साह, सैयद शाहनवाज हसीब, रामकुमार राय, चंदन कुमार, प्रोफेसर कमलेश राय, ओम प्रकाश यादव, पप्पू राय, मो अबुलैस अंसारी, मो अकबर अली, जयशंकर ठाकुर, ज्योतिष महतो, मनोज पटेल, रविन्द्र कुमार रवि, अखिलेश दास, धर्मेन्द्र कुशवाहा, रंजीत कुमार रंभू, विशेश्वर राय, दिलीप राय, मो हीरो, धीरज गिरी, मो निशांत, मो अमरोज, मो अजीम उर्फ जिमा अंसारी, राजा कुमार, रोहन राजपूत, शंभु सिंह सहित 400 से अधिक कार्यकर्ता मौजूद थे। आज 390 लोगों को राजद की सदस्यता प्रदान की गई।

जिला समादेष्टा कभी भी ससमय अपने दफ्तर में भी आते हैं, गृह रक्षकों ने जताया विरोध

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। बिहार गृह रक्षा वाहिनी स्वयं सेवक संघ जिला ईकाई समस्तीपुर का आपातकालीन बैठक वृहस्पतिवार को संघ भवन पर हुई। जिसकी अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष कैलाश कुमार झा ने किया।इस बैठक के माध्यम से उन्होंने बताया कि जिला समादेष्टा द्वारा गृह रक्षकों को शोषण करना एवं तानाशाही रवैया अपनाना मुख्य रूप से बैठक में चर्चा का विषय बना रहा और जिला समादेष्टा जबसे जिला में योगदान दिए तब से अपने कार्यालय में समय से कार्यालय नहीं आने का भी बात रखी। अधिकांश गृह रक्षकों द्वारा बोला गया। बैठक में सचिव राम उदगार, उपाध्यक्ष रामा शंकर सिंह, पूर्व अध्यक्ष कामेश्वर राय, पूर्व सचिव दिनेश कुमार, चंदन कुमार एवं संघ के तमाम सदस्य एवं गृह रक्षक मौजूद थे।

पश्चिम चंपारण में बेतिया राज की 6500 और मोतिहारी में 3000 एकड़ से अधिक जमीन पर अवैध कब्जा, अब डीएम अतिक्रमणकारियों को देंगे नोटिस

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- बिहार और यूपी में बेतिया राज की जमीन को अतिक्रमणमुक्त कराया जायेगा. बेतिया डीएम ने कहा की उन्हें नोटिस दिया जायेगा. इसके बाद उनके अपील पर सुनवाई की जाएगी...पढ़िए आगे
- पश्चिम चंपारण में बेतिया राज की 6500 और मोतिहारी में 3000 एकड़ से अधिक जमीन पर अवैध कब्जा, अब डीएम अतिक्रमणकारियों को देंगे नोटिस
- खाली होगी बेतिया राज की जमीन –

पटना : बिहार और यूपी में बेतिया राज की जमीन कहां-कहां और कितनी है। कितने पर अतिक्रमणकारियों का कब्जा है। बेतिया राज की जमीन पर बिहार सरकार का कब्जा होने के बाद उसे अतिक्रमण मुक्त करने की कवायद शुरू हो गई है। बेतिया राज की 15538 एकड़ जमीन पर अब सरकार का कब्जा हो गया है। विधानसभा में इस विधेयक पर मुहर भी लग गई है। पश्चिम चंपारण के डीएम दिनेश कुमार राय ने बताया था कि बेतिया राज की करीब आठ हजार करोड़ की सम्पति अब सरकार की हो गई है। इसमें 143 एकड़ जमीन उत्तर प्रदेश में है। पश्चिम चम्पारण में बेतिया राज की 9759 एकड़ जमीन है। जिसमें से 6505 एकड़ जमीन का अतिक्रमण कर लिया गया है। वहीं पूर्वी चम्पारण में बेतिया राज की 5320 एकड़ जमीन है। जिसमें से 3221 एकड़ जमीन पर अतिक्रमण कर लिया गया है। वहीं सिवान, गोपालगंज, सारण और पटना में भी बेतिया राज के जमीन का अतिक्रमण हो गया है। राय ने बताया की इन जमीनों पर मेडिकल कॉलेज और विश्वविद्यालय बनाया जायेगा। सरकार अपने हिसाब से इसका उपयोग करेगी। बता दे कि बेतिया राज की सबसे अधिक अधिक जमीन पश्चिम चंपारण बेतिया में है। कुल नौ हजार एकड़ जमीन में से 6 हजार एकड़ जमीन को भू माफियाओं ने अतिक्रमण कर लिया है। बेतिया डीएम दिनेश कुमार राय ने बताया कि जबसे राजस्व पर्षद के अध्यक्ष के के पाठक बने हैं तब से बेतिया राज की जमीन का सर्वे कराया जा रहा है। डीएम ने बताया की राज्य सरकार के तरफ से इन जमीनों के आपत्ति पर सुनवाई के लिए हर जगह एक एडीएम स्तर के अधिकारी की नियुक्ति होगी जो आपत्ति पर 60 दिन के अंदर सुनवाई करेंगे। जिस पक्ष को निर्णय पर आपत्ति होगी। वो तीस दिन के अंदर फिर से समाहर्ता के पास अपील दायर करेंगे। जो 30 दिन में अपना निर्णय देंगे। कहा की इस अधिनियम के लागू होने से बेतिया राज की जमीन पर संपूर्ण प्रभार जिला के समाहर्ता पर होगा। उनको यह अधिकार होगा की अतिक्रमणकारियों को नोटिस करेंगे और जमीन को मुक्त कराएंगे। बेतिया डीएम ने बताया कि जमीन का सर्वे चल रहा है। अतिक्रमणकारियों को चिन्हित किया जा रहा है और उनकी सूची तैयार की जा रही है। पहले बेतिया राज की जमीन का देखभाल ठीक-ठाक ढंग से नहीं हो रहा था। अब एक बन जाने से बेतिया राज की जमीन सुरक्षित हो गई है।

पश्चिम चंपारण के संग्रामपुर 45.72, हरसिद्धि में 247.06, ढाका में 39.83, चिरेया में 35.47, घोड़ासहन में 210.05, बनकटवा में 66.88, रक्सोल में 150.93, रमघड़वा में 307.75, आदापुर में 13.26, छौडादानों में 6.18, चकिया 59.06, केसरिया में 254.84, मेहसी में 131.23, कल्याणपुर 00, पताही में 45.5, तेतरिया में 7.04 एकड़ जमीन है। बिहार के पश्चिम चम्पारण में बेतिया राज की 9758.58, पूर्वी चम्पारण में 5320.51, सिवान में 7.29, गोपालगंज में 35.58, पटना में 4.81 और सारण में 88.41 एकड़ जमीन है। वहीं उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 4.54, बस्ती 6.31, अयोध्या 1.86, गोरखपुर 50.92, कुशीनगर 61.16, महाराजगंज 7.53, मिजार्पुर 0.91 और वाराणसी 10.31 जमीन है।

विश्व मृदा दिवस पर किसानों को दी गई स्वस्थ मिट्टी की जानकारी

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

विश्व मृदा दिवस के अवसर पर मशरक के ई किसान भवन परिसर में गुरुवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां मुख्य रुप से प्रखंड कृषि पदाधिकारी राकेश कुमार, रामकुमार सिंह, मुकेश ओझा,मनोज तिवारी, किसान सलाहकार बासदेव कुमार, अनिल ठाकुर,मो जुबैद समेत अन्य किसान उपस्थित हुए। इस अवसर पर प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों से उपस्थित किसानों को खेती के लिए मिट्टी के महत्व के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। कृषि समन्वयक राम कुमार ने कहा कि इस दिवस को मनाने का उद्देश्य किसानों और आम लोगों को मिट्टी की महत्ता के बारे जागरूक करना है। बहुत से भागों में उपजाऊ मिट्टी बंजर होती जा रही है। किसानों द्वारा ज्यादा रासायनिक खादों और कीड़े मारने वाली दवाओं के इस्तेमाल से मिट्टी के जैविक गुणों में कमी आने के कारण इसकी उपजाऊ क्षमता में गिरावट आ रही है। साथ ही यह प्रदूषण का भी शिकार हो रही है। मौके पर प्रखंड कृषि पदाधिकारी राकेश कुमार ने कहा कि खेतों में किसी भी फसल उत्पादन के बीज लगाने से पहले मिट्टी जांच जरूरी बताया

युवा पीढ़ी के साथ गार्जियन का सामंजस्य बहुत जरूरी है : एनाएतुल्लाह नन्हे

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बुजुर्गों की अनदेखी नई पीढ़ी को बहुत ही भारी पड़ेगी। नई पीढ़ी यह कैसे भूल जाती है कि जो आज जवान हैं वह कल बूढ़ा भी होंगे। इसलिए आज के डिजिटल युग के युवा और युवतियों को इस सिसलिले मे थोड़ी सी चिंतन और मंथन करने की जरूरत है। डिजिटल युग के टीनएजर्स ये कैसे भूल जाते हैं कि यौवन के कुछ खास समय जो हैं वह बहुत ही लिमिट हैं। उसके बाद वह यौवन ढ़लना ही ढ़लना है। इसलिए उन्हें अपनी जवानी, यौवन और शरीर पर कभी भी घमण्ड नही करना चाहिए। आज की युवा पीढ़ी जो ग्लोबल विलेज में जी रहे हैं वह यह समझ रहे हैं कि वह साईबर और नेट के जरिये पूरी दुनिया का इल्म हासिल कर के वह अपने घर के कम पढ़े-लिखे या अनपढ़ माँ-बाप या अभिभावक से ज्यादा होशियार हैं जबकि यह उनकी सरासर भूल है। भले ही आज के डिजिटल युग के युवा और युवती तकनीकी संसाधनों का प्रयोग कर साईबर दुनिया मे रहने के कारण समय से पहले परिपक्व जरूर हो जा रहे। लेकिन तजुर्बा भी कुछ होता है। जो हमारे बुजुर्ग या घर के बड़े लोग जिनमे दादा-दादी, नाना-नानी और माँ-बाप सामिल हैं उनसे मिलता है। उनका अनुभव दुनिया की सभी डिक्सनरी की कौन कहे किसी इनसाइक्लोपीडिया (महाकोष/विश्वकोष) में भी नही मिलेगा। हमारे बुजुर्ग जो हैं वे ऐसे ही समय व्यतीत नही किए हैं। उन्होंने कई वसंत देखे हैं कई उतार-चढ़ाव देखे हैं, सुविधाओं से विहीन रहते हुए अपने कार्य को अंजाम दिया है। आज हम घण्टो का सफर मिंटो में कर रहे हैं जबकि वे अपने दौर में घण्टो का सफर में एक दिन लगा देते थे और उस एक दिन में उन्हें बहुत सारे परिस्थितियों का सामना करना पड़ता था लेकिन वे हार नही मानते थे। वे हर परिस्थिति का सामना बड़े ही हिम्मत और हौसले के साथ करते थे। जबकि आज के युवा बुजर्गों की अनदेखी और उनके साथ समय नही देने और उनके अनुभव से लाभ नही उठाने के कारण वे अवसाद (डिप्रेशन) के शिकार हो रहे हैं। यही कारण है कि वह हाइ-फाई जीवन जीने के लिए आतुर नजर आते हैं। उसके लिए वह अपने गार्जियन पर दबाव बनाते हैं लेकिन जब उनके गार्जियन उस स्टेटस के काबिल नही होते हैं तो वे उनकी हद से ज्यादा के मनोइच्छा को पूरा नही कर पाते हैं तब वही युवा टीनएजर्स जिसमे लड़के और लड़कियाँ दोनों सामिल हैं वे अपने अभिभावकों और बुजुर्गों के खिलाफ चले जाते हैं। जबकि कोई भी गार्जियन अपने हैसियत के मुताबिक अपने बच्चों को हर सुविधा देने के लिए कोई कोर-असर नही छोड़ता है लेकिन फिर भी युवा उन बुजुर्गों की बात नही मान रहे हैं। इसमे हम केवल युवा को ही सत्य-प्रतिशत दोषी नही मानते हैं। हाँ ये जरूर है कि कुछ फीसद ही गार्जियन दोषी हैं और वह इस लिए भी दोषी हैं कि वे अपने बजट से ऊपर जाकर उनकी ईच्छाओं को पूरा करने लगते हैं जबकि कहा गया है कि जितनी बड़ी चादर हो उतनी ही पैर पसारना चाहिए। इसके लिए शुरू से ही गार्जियन को चाहिए की वे युवाओं पर सख्ती से नजर रखे और उनकी हर जायज और ना-जायज ईच्छा को पुरी नही करें। युवाओं द्वारा किसी भी तरह से अपनी माँग पूरी करने की जिद को नियंत्रित करना होगा वरना आने वाले समय में गार्जियन को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है। क्योंकि जब गार्जियन शुरू से ही अपने युवा हो रहे बच्चों को उनकी बेवजह की ईच्छा पर रोक लगाना शुरू करते हैं तो वे नियंत्रण में रहते है। लेकिन वही गार्जियन जब उन्हें खुली छूट दे देते हैं और जब पानी सर से ऊपर हो जाता है यानी वे उनके नियंत्रण से बाहर हो जाते हैं और तब गार्जियन जबरन दबाव बना कर उन्हें उनके गलत कार्य से रोकते हैं तो यही से मामला बिगड़ता नजर आता है। यही से गार्जियन और बच्चों में मतभेद होता है और बच्चे से युवा बनते ही वे अपने गार्जियन को कुछ नही समझते हैं और यही से मामला गड़बड़ हो जाता है। वे अपनी ईच्छा को पूरी करने के लिए नशा की लत में चले जाते हैं। कोई अपराध का रास्ता अपनाता है तो कोई अवसाद (डिप्रेशन) में आकर आत्म हत्या तक का कदम उठाता है। इसलिए सभी गार्जियन को चाहिए की वे शुरूआती समय से ही युवा हो रहे अपने बच्चे और बच्चियों पर अपने बजट को सामने रख कर उनकी परवरिश करें ताकि वे अपनी मनमानी नही करें और आगे आने वाले कमजोर समय मे भी अपने को ढ़ाल सके। इस से ये होगा कि युवा गार्जियन की अहमियत को समझेंगे और उनकी इज्जत भी करेंगे। इसके लिए गार्जियन को युवा पीढ़ी के साथ सामंजस्य बना कर चलना होगा। आज की युवा पीढ़ी 80 और 90 के दशक की तरह नही है जिन्हें अपने गार्जियन ही नही बल्कि गाँव मुहल्ला के कोई बड़े-बुजुर्ग भी उनके रास्ते मे नजर आ जाए तो वो या तो छुप जाते थे यानी उनकी नजरों से ओझल हो जाते थे या अपना रास्ता ही बदल लेते थे। इतना ही नही अगर किसी कार्यक्रम या किसी कर घर और बड़े बुजुर्ग कुर्सी पर बैठे हैं और वहाँ कुर्सी खाली भी रहती तो उन्हें सम्मान देने के लिए युवा वहाँ खड़े रहते थे। अगर किसी युवा को कुछ गलत हरकत करते गाँव या मुहल्ले के कोई बुजुर्ग देख लेता था तो वही डाँट व फटकार भी पड़ती थी और घर आने पर गार्जियन द्वारा अलग से कुटाई। अब तो दौर ही बदल गया है। अब तो गाँव मुहल्ले की कौन कहे युवा तो अपने घर मे बुजुर्गों की कदर नही कर रहे हैं इसके लिए डिजिटल दुनिया तो कारण है ही साथ ही गार्जियन भी कम दोषी नही है क्योंकि वे अपने दौर को इस दौर में देखना चाहते हैं और रात दिन एक ही रट्टा-रटाया डायलॉग्स मारते हैं कि हम अपने जमाने मे ऐसे नही थे। मैं मानता हूँ कि ठीक है आप ऐसे नही थे लेकिन उस जमाने मे और आज में जमाने मे परिस्थिति एक सा नही है। गार्जियन को चाहिए की बाप अपने बेटे को दोस्त बन कर और माँ अपने बेटी को सहेली बना कर ट्रीट करे। तब देखे कैसे सामंजस्य बैठता है और कैसे परिवार चलता है। ये याद रखिए की ये दौर चार दशक पहले वाला नही है। बहुत कुछ नही बल्कि सब कुछ बदल गया है। पहले पास-पड़ोस के बुजुर्ग लोग युवाओं को अच्छी नसीहत और मार्गदर्शन देते थे। किन्तु आज के परिवेश में ऐसा नही है। मुझे कहने में कोई अतिशयोक्ति नही कि आज का पड़ोसी भी अपने अगल-बगल के परिवार की किसी की भी उन्नती को देखना पसंद नही करते हैं। एक दूसरे के बीच नफरत की आँधी इतनी तेज है कि कोई किसी को सुखी-सम्पन्न देखना नही चाहता है और हर समय उसके परिवार के किसी युवा को उन्नति करते देखना नही चाहते हैं उसके लिए अपना तन-मन-धन लगाकर भी खराब करने में कोई कसर नही छोड़ते हैं। अब ये ढ़की-छुपी बात नही रह गई है। अगर किसी परिवार का युवा गलत राह पर चल दिया है तो पड़ोसी उसे समझाने की तो दूर की बात उसे और खराब करने में कोई कोर कसर नही छोड़ते हैं। इसलिए गार्जियन को चाहिए की वह अपनी औलाद को अपना दोस्त बना कर एक अच्छा इंसान बनाने की हर सम्भव कोशिश करे। वरना बुरे लोग उसे अपना दोस्त बनाकर बुरा इंसान बना देंगे। अंत मे यही कहूँगा की आज का दौर युवा हो रहे बच्चे और बच्चियों के साथ सख्ती करने की जरूरत नही बल्कि तालमेल बैठा कर शिष्टाचार के साथ चलने का है। युवा भी अपने गार्जियन का सम्मान करें और गार्जियन भी अपने युवाओं की भावनाओं का ख्याल रखे तभी इस दौर में सम्मानजनक परिवार चल सकता है।

मशरक में अलग-अलग घटनाओं में आधा दर्जन घायल, दो सदर अस्पताल छपरा रेफर

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक थाना क्षेत्र के अलग-अलग गांवों में अलग-अलग घटनाओं में आधा दर्जन घायलों को इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराया गया। पहले मामले में डुमरसन में दो बाइकों की टक्कर में आने से डुमरसन पंचायत के मुखिया के भाई समेत दो घायल हो गए। घायलों में डुमरसन मुखिया बच्चा लाल साह के भाई 43 वर्षीय पुत्र टुनटुन प्रसाद और बंगरा डीह टोला गांव निवासी बिनोद पटेल का 19 वर्षीय पुत्र दीपक कुमार घायल हालत में इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराए गए। घायल के परिजनों ने बताया कि दोनों बाइक सवार की आमने-सामने टक्कर हो गई। वहीं दूसरे में मशरक थाना क्षेत्र के घोघिया गांव निवासी 50 वर्षीय सुरेश सिंह है और तीसरे मामले में इसुआपुर थाना क्षेत्र के पिपरहिया गांव निवासी 46 वर्षीय जीरा देवी हैं। बताया गया कि महिला टोटो से मशरक आ रही थी कि टोटो में ही अचेत हो गई। इलाज के बाद दो को गंभीर हालत में सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया गया।

मशरक में हार्ट अटैक आशा कार्यकर्ता का निधन, शोक सभा आयोजित

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के डुमरसन निवासी आशा कार्यकर्ता की हार्ट अटैक से गुरूवार को निधनं हो गया। निधनं की खबर लगते ही आशा कार्यकताओं समेत अन्य स्वास्थ्य कर्मियों मे शोक की लहर दौड़ पड़ी। मृत आशा कार्यकर्ता डुमरसन गांव निवासी स्व नरेंद्र साह की 55 वर्षीय पत्नी लालमुनी कुवर हैं। जो केन्द्र संख्या 30 पर कार्यरत हैं। घटना की सूचना मिलने पर आशा कार्यकर्ता के दरवाजे पर और सीएचसी मशरक में शोक सभा आयोजित की गयी। बीसीएम लव कुश कुमार ने बताया कि आशा कार्यकर्ता अपने कर्तव्य के प्रति हमेशा तत्पर रहती थी और पोषक क्षेत्र में बहुत ही मिलनसार थी। घटना की सूचना मिलने पर बनियापुर विधायक केदारनाथ सिंह ने शोक व्यक्त किया वहीं शोक व्यक्त करने वालों में प्रखंड मुखिया संघ अध्यक्ष अजीत सिंह, डुमरसन मुखिया बच्चा लाल साह, पूर्व उप प्रमुख साहेब हुसैन उर्फ टुनटुन, आशा कार्यकर्ता किरण देवी, सरोज देवी, आशा देवी समेत अन्य थें।

जिला समादेष्टा कभी भी ससमय अपने दफ्तर में भी नहीं आते हैं, गृह रक्षकों ने जताया विरोध

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। बिहार गृह रक्षा वाहिनी स्वयं सेवक संघ जिला ईकाई समस्तीपुर का आपातकालीन बैठक वृहस्पतिवार को संघ भवन पर हुई। जिसकी अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष कैलाश कुमार झा ने किया। इस बैठक के माध्यम से उन्होंने बताया कि जिला समादेष्टा द्वारा गृह रक्षकों को शोषण करना एवं तानाशाही रवैया अपनाना मुख्य रूप से बैठक में चर्चा का विषय बना रहा और जिला समादेष्टा जबसे जिला में योगदान दिए तब से अपने कार्यालय में समय से कार्यालय नहीं आने का भी बात रखी। अधिकांश गृह रक्षकों द्वारा बोला गया। बैठक में सचिव राम उदगार, उपाध्यक्ष रामा शंकर सिंह, पूर्व अध्यक्ष कामेश्वर राय, पूर्व सचिव दिनेश कुमार, चंदन कुमार एवं संघ के तमाम सदस्य एवं गृह रक्षक मौजूद थे।

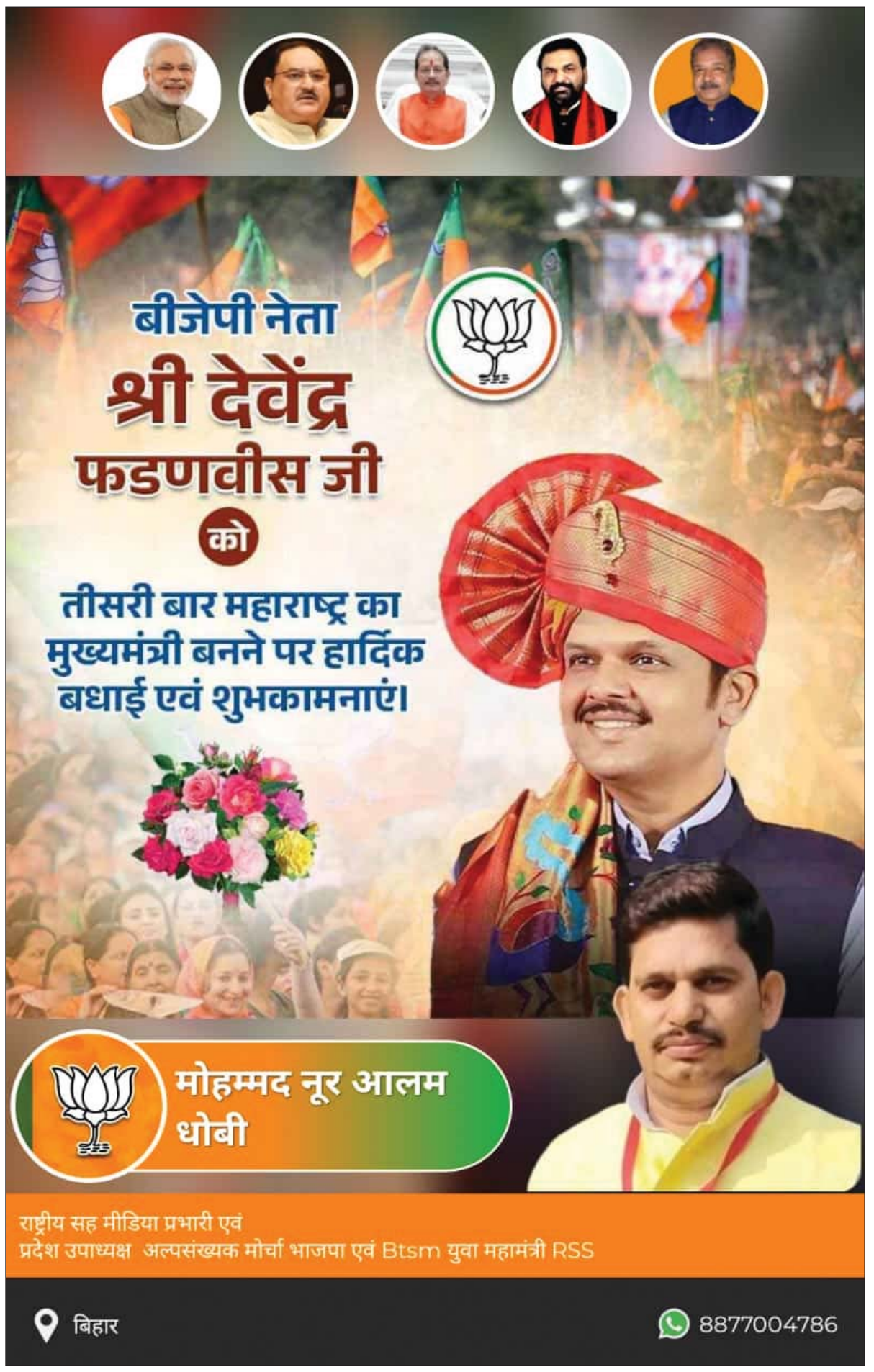

नो पार्किंग जोन में वाहन चालकों को गाड़ी लगाना पड़ा महंगा, कई से वसूला गया जुमार्ना

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक थाना पुलिस नो पार्किंग जोन में लगाए गए गाड़ियों के खिलाफ लगातार कड़ा रुख अख्तियार कर रही है। थानाध्यक्ष अजय कुमार के नेतृत्व में नियमों की अनदेखी कर नो पार्किंग जोन में लगाए गए चार पहिया वाहन और ई रिक्शा व ऑटो चालकों पर कानूनी डंडा चलाया गया है।वही आधा दर्जन गाड़ियों से आनलाइन जुमार्ना वसूल कर आइंदा नो पार्किंग जोन में गाड़ी नहीं लगाने की नसीहत देते हुए छोड़ दिया गया। थानाध्यक्ष अजय कुमार ने कहा कि मशरक के महावीर चौक पर नो पार्किंग जोन का बोर्ड लगाया गया है वहा पर वाहन लगानें पर जुमार्ने की कार्रवाई की जा रही है। वहीं उन्होंने दुकानदारों को चेतावनी दी कि सड़क के किनारे की सरकारी जमीन को खाली रखें उस इलाके में किसी भी प्रकार का अतिक्रमण नहीं करें।

संक्षिप्त डायरी

शहरों में ही नहीं प्रखंड स्तर पर भी सुधारें सरकार स्वास्थ्य व्यवस्था

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक प्रखंड मुखिया संघ अध्यक्ष अजीत सिंह ने मीडिया के माध्यम से बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री के स्वास्थ्य सेवा के विकास पर सवाल उठाते हुए कहां कि सरकार शहरों में ही नहीं प्रखंड स्तरीय अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करें। प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य केंद्र में सुव्यवस्थित करनें से ही आम लोगों को बेहतर तरीके से स्वास्थ्य सेवा मिल सकती है। उन्होंने कहा कि सरकार प्रखंड स्तरीय अस्पतालों का सिर्फ नाम का अपग्रेड कर रही है। मशरक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बदहाल स्वास्थ्य सेवा पर उन्होंने कहा कि यह स्वास्थ्य केंद्र छपरा, सिवान, गोपालगंज की सीमा पर अवस्थित है वहीं इस इलाके से तीन हाईवे सड़क गुजरती है जिससे दुर्घटनाएं होती रहती है। वहीं यह इलाका बड़े बड़े घटनाओं जैसें गडामण और जहरीली शराब का गढ़ भी रहा। जिसमें कितनों की जान गई और कितनों का इलाज हुआ पर तब भी इस स्वास्थ्य केंद्र की दुर्दशा वहीं हैं। जबकि सांसद और विधायक भी इसी इलाके से हैं। कुछ साल पहले इस केन्द्र को प्राथमिक से सामुदायिक में अपग्रेड किया गया पर सेवाओं में कोई भी वृद्धि नहीं की गयी। चिकित्सक समेत अन्य स्वास्थ्य कर्मचारियों की घोर कमी हैं। पद के अनुसार कोई भी कर्मी नहीं है। वहीं जब इलाज कराने जाइए तो किसकी कहां ड्यूटी हैं और कौन स्वास्थ्य कर्मचारी हैं पता करना पड़ता हैं, अधिकांश सेवाओं के लिए कुछ न कुछ अवैध तरीके से भुगतान करना पड़ता है।हां स्वास्थ्य केंद्र का भवन बाहर से देखने पर इस बात की उम्मीद होती है कि यहां सेवा आधुनिक होंगी पर जब अंदर जाइए तों चिकित्सक सिर्फ पुर्जा पर रेफर कर सदर अस्पताल छपरा भेज देते। उन्होंने मांग की इस स्वास्थ्य केंद्र में इलाज की व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए।

अफसर के ड्राइवर का फंदे से लटकता मिला शव

गया। के डेल्हा थाना क्षेत्र के बस स्टैंड के पीछे वाली गली स्थित एक मकान में कोर्ट के किसी अफसर के निजी ड्राइवर चंदन कुमार ने पंखे से फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। घटना मंगलवार देर शाम सामने आई, जब मकान मालिक ने खिड़की से झांककर शव को पंखे से लटकता हुआ देखा। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है। एफएसल की टीम घटनास्थल से नमूने एकत्रित करने में जुटी है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। थानाध्यक्ष इंद्रदेव इंद्र के मुताबिक चंदन कुमार का कमरा सुबह से बंद था। मकान मालिक मिथिलेश यादव ने शाम को उसका दरवाजा खटखटाया, लेकिन उधर से कोई जवाब नहीं मिला। खिड़की से झांकने पर अंदर का नजारा देख उनके होश उड़े गए। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची डेल्हा पुलिस ने शव पंखे से उतारा और कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा।

शादी समारोह में फरमाईशी गीत को लेकर मारपीट में किन्नर घायल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के दुरगौली गांव में परिछावन के दौरान फरमाईशी गीत को लेकर मारपीट में किन्नर गोपालगंज जिले के कुचायकोट थाना क्षेत्र कुचायकोट निवासी मुस्कान किन्नर उम्र 25 वर्ष गुरु मुन्ना किन्नर घायल हो गयी।इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मशरक में भर्ती कराया गया। बताया गया कि डुमरी बाजार पर छम छम म्यूजिकल डांस ग्रुप में काम करती हूं उसी में साट्टा पर मशरक के दुरगौली गांव में योगेन्द्र राय के यहां शादी समारोह में आई थी वहीं से बारात चालीस आरडी गांव में कृष्णा राय के यहा जा रही थी कि

परिछावन के दौरान अश्लील फरमाईशी गीत बजाने को लेकर विवाद में मारपीट में घायल कर दिया गया।

उर्वरक तय रेट से 400 रुपए अधिक बिक रहा

नालंदा। गेहूं की बुआई के मौसम में किसानों पर एक नया संकट मंडरा रहा है। जिले में डीएपी उर्वरक की कालाबाजारी ने किसानों की परेशानी बढ़ा दी है, जबकि प्रशासन के दावे पूरी तरह से विफल साबित हो रहे हैं। स्थानीय कृषि विभाग के आंकड़े बताते हैं कि जिले में डीएपी के 1244 टन स्टॉक मौजूद हैं, फिर भी स्थानीय व्यापारी किसानों से अनैतिक तरीके से 1700 से 1800 रुपए प्रति बैग की दर से उर्वरक बेच रहे हैं। सरकार की ओर से निर्धारित मूल्य 1350 रुपए प्रति बैग है, लेकिन व्यापारी इसकी अवहेलना कर रहे हैं। स्थानीय किसानों ने बताया कि दुकानदार पहले स्टॉक की कमी का बहाना बनाते हैं और फिर मनमाने दाम वसूलते हैं। महलपर के किसान जनार्दन पासवान का कहना है, हमें मजबूरन महंगे दामों पर डीएपी खरीदना पड़ता है। हमारे पास कोई विकल्प नहीं है।परिस्थितियों से निपटने के लिए कई किसान वैकल्पिक उर्वरकों जैसे एसएसपी और यूरिया का उपयोग कर रहे हैं। जिला कृषि अधिकारी राजीव कुमार ने किसानों को राहत देते हुए कहा है कि वे 06112-231143 पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। यह स्थिति न केवल किसानों के आर्थिक बोझ को बढ़ाती है, बल्कि कृषि क्षेत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार का एक और उदाहरण है। स्थानीय प्रशासन और व्यापारी मिलीभगत से किसानों का शोषण कर रहे हैं। जिले में उर्वरक स्टॉक की स्थिति - यूरियाः 12,084 टन- डीएपीः 1,244 टन- एमओपीः 485 टन- एनपीकेः 1,887 टन- एसएसपीः 3,568 टन स्पष्ट है कि आपूर्ति पर्याप्त है, फिर भी किसानों को अनुचित दबाव झेलना पड़ रहा है।

समस्तीपुर में रेल विकास और विस्तार मंच का प्रदर्शन

भोला टॉकीज और मुक्तापुर रेलवे गुमटी पर ओवर ब्रिज बनाने की मांग, निकाला जुलूस

समस्तीपुर। शहर के भोला टॉकीज और मुक्तापुर रेलवे गुमटी पर रोड और ब्रिज निर्माण की मांग को लेकर समस्तीपुर रेल विकास और विस्तार मंच के बैनर तले लोगों ने डीआरएम कार्यालय चौक पर मंगलवार को प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का नेतृत्व संगठन के संरक्षक शत्रुघ्न पंजी कर रहे थे। इससे पहले लोगों ने सर्वदलीय रेल विकास और विस्तार मंच का बैनर लेकर शहर में जुलूस निकाला, फिर विभिन्न मार्गों से होते हुए डीआरएम कार्यालय चौक पहुंचे। जहां लोगों ने निर्माण जल्द शुरू करने की मांग की। सभा का संचालन सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने किया। सभा को संबोधित करते हुए रघुनाथ राय, रामसागर पासवान, विश्वनाथ हजारी, राम विनोद पासवान, रामबली महतो, राजेंद्र राय, उपेंद्र राय, सोनेलाल पासवान, नीरज भरद्वाज, अरूण कुमार, मनोज कुमार आदि ने कहा कि लंबे समय से लोग शहर में फ्लाई ओवर निर्माण की मांग कर रहे हैं। सरकार का आश्वासन तो मिल रहा है, लेकिन अब तक निर्माण कार्ड शुरू नहीं हो पाया है। जिससे लोग रोज जाम में फंसते हैं। वहीं, समस्तीपुर दरभंगा मुख्य पथ पर स्थित मुक्तापुर रेलवे गुमटी पर भी रोज जाम रहता है। यहां पर घंटे लोग जाम में फंसे रहते हैं। इस रेलवे गुमटी पर लंबे समय से लोग पुल निर्माण की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक पुल का निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया है। मंच के संयोजक शत्रुघ्न राय पंजी ने कहा कि 2014 में ओवर ब्रिज की स्वीकृति हुई थी। 2016-17 में बजट से योजना के लिए एक हजार रुपए आवंटन का प्रावधान भी किया गया। तब से कभी ब्रिज की लंबाई-चौड़ाई, तो कभी राज्य सरकार और रेलवे के बीच खींचतान चलता रहा। सांसद शांभवी चौधरी का ओवर ब्रिज निर्माण कार्य शुरू कराने का वादा भी जुमला साबित हो चुका है।

हाल ही में मंत्री अशोक चौधरी का ओवर ब्रिज निर्माण कार्य शुरू कराने का वादा भी जुमला साबित हो चुका है। वक्ताओं ने कहा कि आगामी 12 दिसंबर को मुक्तापुर रेलवे गुमटी पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

बीच सड़क दंपती के बीच मारपीट, थाने पहुंचा मामला

नालंदा। के इस्लामपुर थाना क्षेत्र में एक दंपती के बीच सार्वजनिक स्थल पर विवाद हो गया। माल बिगहा के निवासी धर्मवीर कुमार और उनकी पत्नी रश्मि देवी के बीच महिला थाना के पास सड़क पर ही भिड़ंत हुई, जिसमें दोनों ने एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए। 7 वर्ष पुरानी शादीशुदा जीवन में दंपती ने एक-दूसरे पर अवैध संबंधों का आरोप लगाया। रश्मि देवी ने आरोप लगाया कि उनके पति घरेलू खर्च को लेकर उन्हें लगातार मारपीट करते हैं। एक महिला के साथ अवैध संबंध रखते हैं। वहीं, धर्मवीर कुमार ने भी पलटवार करते हुए अपनी पत्नी पर गांव के एक युवक के साथ अवैध संबंध होने का आरोप लगाया। घटना उस समय और विकराल हो गई जब महिला थाने में शिकायत दर्ज कराने पहुंची और उसके पति ने भी उसका पीछा किया। सड़क पर ही दोनों के बीच मारपीट और गाली-गलौज होने लगा। स्थानीय लोगों और परिवार के सदस्यों ने काफी प्रयास किया कि दोनों को शांत किया जा सके, लेकिन विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा था। बिहार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को थाने ले गई। थाना प्रभारी रविंद्र कुमार ने बताया कि दंपती को समझाकर-बुझाकर घर भेज दिया गया है।

महिला स्वच्छताकर्मी का अर्धनग्न मिला शव

पूर्णिया। में 45 वर्षीय महिला स्वच्छता कर्मी का अर्धनग्न अवस्था में शव मिला है। परिजन के अनुसार सोमवार को महिला सब्जी लाने गई थी। सब्जी लेकर घर करीब 7 बजे पहुंची। फिर से दोबारा वो अंडा लाने के लिए निकली। काफी समय होने के बाद भी वो घर नहीं लौटी। घर वालों ने खोजबीन की तो नगर पंचायत चंपानगर कार्यालय परिसर से होकर गुजर रहे लोगों की नजर पशु पशु चिकित्सालय के पशु शेड में पड़ी। जहां महिला की लाश पड़ी थी। लोगों ने अर्धनग्न लाश को कपड़ ढंका। परिजन के अनुसार महिला के साथ रेप हुआ है। जिसके बाद उसकी गला दबाकर हत्या कर दी गई है। फिर शव को ठिकाने लगा दिया गया।

12 साल की लड़की हुई गर्भवती जीजा ने किया रेप

पानीपत। हरियाणा के पानीपत में 12 साल की लड़की गर्भवती हो गई। उसके पेट में दर्द हुआ तो परिजन उसे अस्पताल ले गए। जहां जांच के बाद पता चला कि उसके गर्भ में 2 महीने का बच्चा है। जिसके बाद जब बेटी से इस बारे में पूछा गया तो लड़की ने अपने जीजा द्वारा गर्भवती होने की बात बताई। मामले की जानकारी पुलिस को मिली तो वह मौके पर पहुंची और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के मुताबिक मामला एक गांव के ईंट भट्ठे का है। जहां बिहार के शेखपुरा से एक परिवार एक महीने पहले कमाने-खाने आया था। परिवार यहीं रहकर काम कर रहा है। यहां परिवार में महिला, उसका पति, 5 बेटे और बेटियां हैं। इनकी बड़ी बेटी की शादी हो चुकी है। 2 महीने पहले यह परिवार बिहार में ही था। एक दिन माता-पिता धान काटने के लिए खेतों में गए हुए थे। उस दौरान घर पर सिर्फ 12 साल की बेटी अकेली थी। तभी जीजा घर में आया और अपनी साली के साथ संबंध बनाए। लड़की ने भी अपने परिवार को इस बारे में नहीं बताया। अब परिवार पानीपत आ गया है। गर्भपात कराने सरकारी अस्पताल पहुंची मां दो दिन पहले बच्ची के पेट में दर्द हुआ। उसकी मां उसे नजदीकी सरकारी अस्पताल ले गई। जहां उसके मल की जांच की गई। जिसमें पता चला कि वह गर्भवती है। इसके बाद उसे शहर के सिविल अस्पताल भेजा गया। यहां मां ने डॉक्टरों से गर्भपात कराने की गुहार लगाई। पुलिस से बोली मां - दामाद पर नहीं करना कार्रवाई, बड़ी बेटी का घर उजड़ जाएगा मामले की जानकारी पुलिस को अस्पताल की ओर से दी गई। पुलिस जब अस्पताल पहुंची तो मां ने उन्हें कहा कि वह दामाद पर कोई कार्रवाई नहीं करवाना चाहती है। क्योंकि इससे उसकी बड़ी बेटी का भी घर उजड़ जाएगा।

सी.एच.ओ परीक्षा में माफिया ने जारी की थी गाइडलाइन

पुलिस के आने पर क्वेश्चन 3 और जाने पर 6 पर क्लिक करना था, वॉशरूम जाने पर थी मनाही

पटना। में हो रहे राज्य स्वास्थ्य समिति की कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर के 4500 पदों पर बहाली की परीक्षा को रद्द कर दिया गया। प्रश्नपत्र लीक होने के पुख्ता सबूत मिलने के बाद यह फैसला लिया गया है। एडव की जांच में यह खुलासा हुआ है कि माफियाओं ने अभ्यर्थियों के लिए बकायदा गाइडलाइन जारी की थी। गाइडलाइन के मुताबिक पुलिस या कोई चेकिंग करने आने वाले पर प्रश्नपत्र 3 पर क्लिक करना था, जबकि उसके जाने के बाद क्वेश्चन नंबर पर 6 पर क्लिक कर देना था। सी.एच.ओ के 4,500 पदों के लिए देशभर से करीब 25 हजार अभ्यर्थियों ने फॉर्म भरा था। ऑनलाइन एग्जाम कराने की जिम्मेदारी पुणे की वी-शाइन कंपनी को दी गई थी। माफियाओं ने वी-शाइन के बिहार के प्रतिनिधियों से मिलकर सभी 25 हजार अभ्यर्थियों का डाटा हासिल कर लिया था। इसके बाद फोन कर इन अभ्यर्थियों से माफियाओं ने सेटिंग की थी। पटना के जिन 12 सेटरों पर परीक्षा थी उनमें से अधिकतर का ऑडिट ही नहीं किया गया था। नियम यह है कि परीक्षा से करीब 10 दिन पहले कंपनी का प्रतिनिधि ऑनलाइन सेंटर का ऑडिट करेगा। कुछ को परीक्षा से एक या दो दिन पहले मेल कर सूचना दी गई है। माफियाओं ने बड़े स्तर पर धांधली की साजिश रची थी। सेट अभ्यर्थियों के लिए स्पेशल गाइडलाइन भी जारी किया गया था। EOU की जांच में यह बात सामने आई है कि इस परीक्षा के लिए सभी सेट अभ्यर्थियों से 5-5 लाख रुपए में डील हुई थी। टोकन मनी के रूप में सभी अभ्यर्थियों से 25 से 50 हजार रुपए लिए गए थे। बाकी के पैसे परीक्षा देने के बाद देने थे। वहीं सेंटर सेट करने के लिए इस परीक्षा को करा रही कंपनी वी शाइन टेक प्राइवेट लिमिटेड से 8 लाख में डील हुई थी। इस परीक्षा में लगभग 60 प्रतिशत सीट (2700) सेट किया गया था।

इस पेपर लीक मामले का मास्टरमाइंड रविभूषण अब भी फरार है। EOU ने मामला भी दर्ज किया है। EOU और पुलिस की पटना के अलावा नालंदा, दिल्ली, वैशाली, मुजफ्फरपुर सहित कई जगह छापेमारी जारी है। रवि भूषण, अतुल वत्स, आदित्य, प्रतीक, अतुल और आशुतोष सहित एक दर्जन माफियाओं की तलाश है। रविभूषण का पैसा पटना में 6 से अधिक ऑनलाइन परीक्षा केंद्रों में लगा हुआ है। अतुल वत्स दीघा के परीक्षा केंद्र का पार्टनर है। रवि 1 दिसंबर की रात को ही पटना से फरार हो गया। रवि भूषण मंगलवार की शाम तक बिहार में ही अपना ठिकाना बदलता रहा। टीम को मंगलवार को रविभूषण का लोकेशन मिला। टीम के लोकेशन पर पहुंचने के पहले ही रविभूषण वहां से फरार हो गया। रविभूषण का अंतिम लोकेशन नेपाल में पता चला है। EOU ने नेपाल पुलिस से संपर्क किया है। ठिकाने बदलने के लिए महंगी गाड़ियों का इस्तेमाल विभूषण, सिपाही बहाली, अमीन बहाली जैसे एग्जाम का पेपर लीक कराकर काली कमाई कर चुका है। बताया जाता है कि रवि एक ठिकाने से दूसरे ठिकाने पर जाने के लिए गाड़ी बदल देता था। ताकि पुलिस या एडव को उसकी भनक ना लगे। बिहार से निकलते समय रवि भूषण सफेद रंग की फॉर्च्यूनर गाड़ी पर सवार था। कई अहम सुराग मिले EOU मंगलवार देर शाम तक पटना के 4 परीक्षा केंद्रों पर छापेमारी करती रही। इस दौरान कई जानकारियां एडव को मिली हैं। माफिया और अभ्यर्थियों के बीच बातचीत की जानकारी भी टीम को मिली है। माफियाओं ने सब कुछ एक प्लान के तहत अभ्यर्थियों को बता दिया था। सारे निर्देश दे दिए गए थे। ताकि पूरे प्रकरण की भनक किसी को ना लगे। वहीं EOU सेंटर्स के सर्वर से लेकर सभी संदिग्ध कंप्यूटर की जांच के लिए अपने ऑफिस ले आई है।

आज दुनिया भारत की ओर देख रही: सीएम योगी

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के स्थापना दिवस में पहुंचे, कहा: 92 साल की यात्रा पूरी हुई

संवाददाता

गोरखपुर। सीएम योगी बुधवार को महाराणा प्रताप (एम पी)शिक्षा परिषद के 92वें संस्थापक सप्ताह समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे। महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज परिसर में समारोह के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर और विशिष्ट अतिथि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के सदस्य सचिव प्रो. राजीव कुमार का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दुनिया उसी का अनुसरण करती है जो खुद को उसके अनुरूप तैयार करने का माद्दा रखता है। जो स्वयं खड़ा नहीं हो सकता, वह दूसरों को खड़ा होने की प्रेरणा कैसे दे सकता है। पीएम मोदी के नेतृत्व में नए भारत को खुद को उसी अनुरूप तैयार किया और परिणाम है कि आज भारत की दिशा के बिना दुनिया की दिशा की कल्पना नहीं की जा सकती है। दुनिया में मानवता के सामने जो चुनौती है, भारत उससे निपटने के विश्वास का प्रतीक बना है। जी-20 का समिट उसका प्रमाण है। आज दुनिया का कोई भी बड़ा आयोजन भारत के बिना नहीं होता है। आज देश विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना के परिस्थितियों और इसकी अबतक की यात्रा को याद करते हुए कहा कि परिषद की 92 वर्ष की यात्रा इस बात के समग्र मूल्यांकन का अवसर है कि नए भारत के लिए संस्था किस दृष्टि से तैयार हो। उन्होंने कहा कि 1932 में जब ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ ने जब इस परिषद रूपी छोटे बीज को रोपित किया था तब साधन और संसाधन नहीं थे। देश तब गुलामी की बेड़ियों में जकड़ा हुआ था। एक ओर आजादी की लड़ाई हिलोरें ले रही थी तो दूसरी ओर आजादी हासिल करने के विश्वास भाव के साथ आजाद भारत के नेतृत्व के लिए योग्य नागरिक तैयार करने की चुनौती थी। इसी को ध्यान में रखकर ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की और उसी के अनुरूप उनके बाद ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी ने आगे बढ़ाया। आज का दिन अनुशासन पर्व, सफलता के लिए एकाग्रता, कठिन परिश्रम और टीम भावना जरूरी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह के उद्घाटन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज का दिन अनुशासन पर्व है। जीवन मे सर्वांगीण विकास के लिए अनुशासन अपरिहार्य है। उन्होंने विद्यार्थियों को सफलता हासिल करने का मंत्र देते हुए कहा कि प्रतिस्पर्धा के एकल क्षेत्र में एकाग्रता और कठिन परिश्रम जरूरी है तो समूह में व्यक्तिगत एकाग्रता व कठिन परिश्रम के साथ टीम भावना का होना अहम है। एकाग्र भाव, कठिन परिश्रम और टीम भावना ही सफलता का मूलमंत्र है। यदि यह तीनों एकसाथ हों तो कुछ भी असंभव नहीं रह जाता। संस्थापक समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम में सबसे पहले समारोह अध्यक्ष, मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि व अन्य गणमान्यजन ने मां सरस्वती, गुरु गोरखनाथ, महाराणा प्रताप, ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और महंत अवेद्यनाथ की प्रतिमाओं पर पुष्पार्चन किया। इसके बाद स्वागत संबोधन में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो यूपी सिंह ने परिषद की प्रगति यात्रा पर प्रकाश डाला। शुभारंभ अवसर पर निकाली गई भव्य शोभायात्रा की सलामी मुख्य अतिथि, मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने ली। कार्यक्रम के शुरूआत में मुख्य अतिथि ने महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज के बलरामपुर हाल में लगी प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इसके बाद उन्हें एनसीसी कैडेट्स की तरफ से गार्ड ऑफ ऑनर पेश किया गया।

समारोह में महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री डॉ. महेंद्र सिंह, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह, मां विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय मीरजापुर की कुलपति प्रो. शोभा गौड़, मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय बलरामपुर के कुलपति प्रो. रवि शंकर सिंह, गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक फतेह बहादुर सिंह, विपिन सिंह, महेंद्रपाल सिंह, प्रदीप शुक्ल, सरवन निषाद, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास,महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सभी पदाधिकारी व सदस्य, परिषद से जुड़ी शिक्षण संस्थानों के प्रमुखों, शिक्षकों व विद्यार्थियों की सहभागिता रही। संचालन डॉ. श्रीभगवान सिंह व आभार ज्ञापन एमपी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. अरुण सिंह ने किया। उद्घाटन सत्र के बाद महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज के मैदान से एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। परिषद की 38 संस्थाओं के लगभग 10,000 छात्र और 5,000 शिक्षक, कर्मचारी इसमें हिस्सा लिए। अनुशासन, श्रेष्ठ पथ संचलन और जन जागरण का संदेश देती झांकियां इस शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण रही।

संक्षिप्त डायरी

फुटबाल संघ के उपाध्यक्ष अजय त्रिपाठी का हुआ भव्य स्वागत

संवाददाता

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश फुटबाल संघ के उपाध्यक्ष बनने के बाद पहली बार फाजिलनगर पहुंचे रिटायर्ड आरटीओ अजय त्रिपाठी का नपं सभागार फाजिलनगर में समारोह पूर्वक भव्य स्वागत किया गया। श्री त्रिपाठी ने अपने संबोधन में कहा कि फाजिलनगर के युवाओं को खेलों में आगे बढ़ाने का मेरा सपना रहा है। शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी खेल प्रतियोगिता के माध्यम से यहां के कई खिलाड़ी आईपीएल और रणजी जैसे बड़े मंचों पर पहुंचे हैं। अब फुटबाल से जुड़े युवाओं को भी प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के लिए मंच प्रदान करने का प्रयास करूंगा।नगर अध्यक्ष शत्रुमर्दन शाही ने कहा कि अजय त्रिपाठी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने खेल के क्षेत्र में यहां के युवाओं को बेहतर मंच देने के साथ उनकी तैयारी के लिए क्रिकेट एकेडमी चला रहे हैं। सेंट जोसेफ स्कूल के निदेशक सीओ जोश, श्यामू द्विवेदी, मनीष मिश्र,टीएन राय, व्यापार मंडल के पूर्व अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव, विनय तिवारी, दिनेश सिंह सहित अन्य वक्ताओं ने भी संबोधित किया। संचालन जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि राजन शुक्ला ने किया। नगर पंचायत अध्यक्ष शत्रुमर्दन शाही ने उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में चौरा व्यापार मंडल अध्यक्ष विकास पाण्डेय, सभासद कमलेश वर्मा, जेपी सिंह, राहुल सिंह, ओमप्रकाश गुप्ता, आजाद अंसारी, विनीत कुमार बंटी, दुर्गेश वर्मा, प्रेमसागर पाण्डेय,मोनू इराकी , विकास सिंह, अनुराग पांडेय,मनोज चौबे,चंदन दूबे, गोविंद यादव, सत्येन्द्र सिंह, मुहम्मद आलम, अब्बास शेख, गुड्डू चौहान, कविंद्र सिंह,भास्कर राय उपस्थित रहे।

विद्युत निजीकरण के विरोध में कम्युनिस्टों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने विद्युत वितरण खण्ड कसया कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया और राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन अधीक्षण अभियंता कसया को सौंपा। बुधवार को माकपा कार्यकताओं ने अधीक्षण अभियंता कसया को सौंपे ज्ञापन में बिजली विभाग के निजीकरण के फैसले को वापसी की मांग की। पार्टी के जिलामंत्री कामरेड अयोध्या लाल श्रीवास्तव ने कहा कि दक्षिणांचल व पूर्वांचल विद्युत वितरण निगमों को निजी हाथों में सौंप देने का फैसला वापस लेने की मांग की। कहा कि इससे विद्युत मूल्य काफी बढ़ जाएगा और कर्मचारियों की छटनी भी होगी। ज्ञापन में निजीकरण रोकने, बिजली बिल विधेयक 2022 वापस लेने, स्मार्ट मीटर लगाने, विद्युत मूल्य वृद्धि वापस लेने, जर्जर तार, पोल, ट्रांसफार्मर बदलने, गलत रीडिंग दे रहे मीटरों को बदलने, विभाग में रिक्त पदों को भरने, संविदा कर्मियों को नियमित करने, सरकार द्वारा बिजली विभाग में छः माह तक हड़ताल पर रोक के गैर जन तांत्रिक आदेश वापस लेने की मांग की। इस दौरान कैलाश गिरी, राजेन्द्र सिंह, जवाहर शर्मा, केदार सिंह, शंम्भू चौहान, महमूद अंसारी उपस्थित रहे।

नहीं रहे हर दिल अजीज शौकत अंसारी, हुए सुपुर्दे खाक

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। हर दिल अजीज और सामाजिक सद्भाव की मिशाल बन चुके शौकत अंसारी अब हमारे बीच नहीं रहे। उन्होंने गोरखपुर में मंगलवार की रात में इलाज के दौरान अपनी आंखें बंद कर ली और दुनिया को।अलविदा कह गए। नगरपालिका परिषद कुशीनगर के वार्ड संख्या 22 महन्थ अवैद्यनाथ नगर (डुमरी) निवासी शौकत अंसारी पुत्र नजमुद्दीन (51 वर्ष) जो बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय के कर्मचारी थे। अपने सादगी और मिलनसार शख्सियत के रूप में लोगों में काफी लोकप्रिय थे। दो माह पूर्व वह बीमार हुए और बिस्तर पकड़ लिए शिक्षक बेटे मनौवर अंसारी और सपा जिला मीडिया प्रभारी पिछड़ा मोर्चा सनौवर अंसारी ने पिता को कसया, पड़रौना, एम्स लखनऊ व गोरखपुर में इलाज कराने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। पर अल्लाह को कुछ और ही मंजूर था। उनके अंतिम संस्कार में भारी संख्या में लोग जुटे जहां जनाजे की नमाज अदा की गई और सुपुर्दे खाक हुए। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता राजेश प्रताप राव उर्फ बंटी राव, पुरन्दर प्रताप यादव, नपाप अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश जायसवाल, पूर्व नपाप अध्यक्ष प्रतिनिधि कैफुल अली, सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष पुरन्दर प्रताप यादव, प्रसून जायसवाल, उदयभान यादव, अमरजीत सिंह, सभासद विजेंद्र सिंह, पीएन सिंह, संजय सिंह, महेश पासवान, मौलवी अंसारी सहित सैकड़ों लोगों ने शोक व्यक्त किया।बुद्ध पीजी कालेज में आयोजित शोक सभा मे प्राचार्य डॉ विनोद मोहन मिश्रा, डॉ सौरभ द्विवेदी, डॉ इंद्रजीत मिश्रा, हरिशंकर पाण्डेय, डॉ त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी, डा सुबोध कुमार, डॉ गौरव तिवारी, डा. निगम मौर्य, कर्मचारी संघ अध्यक्ष ब्रजेश कुमार, माधवेंद्र सिंह, महामन्त्री राजकिशोर प्रसाद, अभय जीत मिश्रा, कमलेश कुमार, मुबारक अंसारी, प्रफुल्ल चन्द्र गोंड़, संजय कुमार, नेबुलाल, बृजकिशोर दुबे आदि ने दो मिनट का मौन रख मृत आत्मा की शांति की प्रार्थना की। बौद्ध धर्मगुरु भन्ते एबी ज्ञानेश्वर के निर्दशन में भन्ते नंदिका, भन्ते डा. नन्द रतन, भन्ते महेंद्र, भिक्षु शील प्रकाश, भिक्षुणी धम्म नैना आदि भिक्षुओं ने मृत आत्मा की शांति के लिए धम्म पाठ किया।

गोरखपुर में वकीलों की हड़ताल खत्म हुई

गोरखपुर । दीवानी न्यायालय के अधिवक्ताओं ने वादकारियों के हित को प्राथमिकता देते हुए अपनी हड़ताल समाप्त करने का फैसला किया। यह निर्णय मंगलवार को बार एसोसिएशन सिविल कोर्ट की साधारण सभा में लिया गया। अधिवक्ता रविंद्र भूषण दूबे के मामले में पुलिस प्रशासन की निष्क्रियता को लेकर अधिवक्ताओं में गहरा आक्रोश था। सभी आरोपियों की गिरफ्तारी और कैंट थाने के प्रभारी के स्थानांतरण की मांग को लेकर न्यायिक कार्यों का बहिष्कार किया गया था। बार एसोसिएशन की बैठक में अध्यक्ष भानु प्रताप पांडेय और मंत्री गिरिजेश मणि त्रिपाठी ने पुलिस प्रशासन की निंदा करते हुए कहा कि संघर्ष जारी रहेगा। हालांकि, वादकारियों को हो रही परेशानी को देखते हुए हड़ताल समाप्त कर बुधवार से न्यायिक कार्य शुरू करने का निर्णय लिया गया। बैठक के दौरान अधिवक्ता दिवस भी मनाया गया। देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अधिवक्ताओं ने उनके योगदान को सराहा।

डीएम की अध्यक्षता में ठंड से बचाव की बैठक संपन्न

संवाददाता

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में ठंड से बचाव के बारे में एक जरुरी बैठक जिलाधिकारी घनश्याम मीना की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित डॉ एपीजे अब्दुल कलाम मीटिंग हाल में हुई संपन्न । बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि ठंड में कोई भी खुले में, रोड पर सोते हुए ना पाया जाए। इसके लिए नियमित तौर से रोस्टर बनाकर रोड पर गश्ती किया जाए। जनपद के सभी रैन बसेरों को सक्रिय रखा जाय,साथ ही सभी रैन बसेरे की सूचना, प्रचार प्रसार के लिये जरूरी संकेतक बोर्ड बस स्टॉप, जिला अस्पताल ,रेलवे स्टेशन मेंन बाजार पर जरुर लगवा दिया जाय, साथ ही इसको जीपीएस पर भी टैग करा दिया जाए ताकि आसानी से जरुरत मंद वहां पर जीपीएस की मदद से पहुंच सके। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी तहसीलों, नगर निकायों में भी रैन बसेरो को क्रियाशील रखा जाए । सभी रैन बसेरों में महिला और पुरुष के लिये अलग-अलग लेटने का इंतिजाम किया जाय। रैन बसेरों में फायर सेफ्टी के मद्देनजर आग से बचाव की सभी जरुरी चीजें रक्खी जांय। वहां पर अलाव, हीटर की भी मौजूद रहे। सुरक्षा के मद्देनजर रैन बसेरे के पास सीसीटीवी भी लगाये जाएं। वहां पर साफ सफाई के बेहतर इंतिजाम किये जायं। रैन बसेरों में ठहरने वाले लोगों के लिए भोजन के इंतिजाम तय मीनू के मुताबिक दिया जाए । जिलाधिकारी ने कहा कि ठंड के मद्देनजर जनपद में सभी जरूरतमंद व्यक्तियों में कंबल जल्द बांटे जाए। सभी गौशालाओं का सत्यापन कर वहां पर ठंड से बचाव की सभी व्यवस्थाएं यथा टीनशेड आदि की उपलब्धता सुनिश्चित कर ली जाय। गौशालाओ में चारा पानी आदि की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि सड़कों के गड्ढो एवं डिवाइडर आदि की मरम्मत एवं रंग रोगन करा दिया जाय । ब्लैक स्पॉट की लिस्टिंग कर वहां पर जरूरी संकेतक व स्पीड ब्रेकर आदि लगवाए जाएं। नगरीय क्षेत्र में स्ट्रीट लाइटों को क्रियाशील रखा जाए । रोडवेज की सभी बसों में रिफ्लेक्टर ,डियम स्टीकर लगवा दिया जाए। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी न्यायिक डॉ नागेंद्र नाथ यादव ,सीएमओ डॉ गीतम सिंह, एसडीएम सदर पवन प्रकाश पाठक, एसडीएम मौदहा राजकुमार गुप्ता ,एसडीएम सरीला विपिन कुमार शिवहरे मौजूद रहे।

चंद्रपुर ने जीता दुंगी क्रिकेट प्रतियोगिता का मैच

संवाददाता

कुशीनगर। रामकोला क्षेत्र के गांव परसौना में पीबीसी क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित दुंगी क्रिकेट प्रतियोगिता के अहिरौली राजा और चंद्रपुर के बीच खेला गया जिसमें चंद्रपुर की टीम ने एक विकेट से अहिरौली राजा की टीम को हराकर विजय हासिल किया। क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ क्षेत्र पंचायत सदस्य राहुल सिंह के द्वारा फीता काट कर किया उन्होंने कहा कि क्रिकेट खेलने से शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनाता है। टास जीतकर कर अहिरौली राजा की टीम ने पहले बैटिंग करते हुए पांच ओवर में पूरी विकेट खोकर 60 रन बनाकर आउट हो गई जबाब में उतरी परसौना की टीम ने आठ विकेट खोकर एक विकेट से मैच जित हासिल कर लिया। इस अवसर पर विराट सिंह अध्यक्ष वसीम अहमद, रफीक सिद्दीकी सोनू, जमील अहमद, तुर्कर रहम, आशु नेता, सद्दाम खान, मेनू शेख, अमन, आरिफ अली, आसिफ, अफरीदी मोनू मैक्स, सुहेल खान सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे।

बांग्लादेश के हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार के विरुद्ध जन जागरण

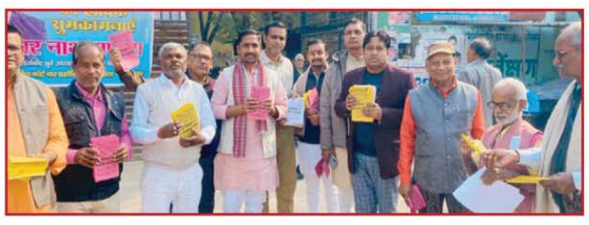

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। हिन्दू रक्षा संघर्ष समिति कुशीनगर के तत्वावधान में आज बुधवार को बांग्लादेशी हिन्दूओं के सम्मान व पक्ष में कसया नगर के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सम्वैचारिक संगठनों ने 5 दिसम्बर को जिला केन्द्र रविन्द्रनगर धूस के बुद्धा पार्क में होने वाले विशाल धरना प्रदर्शन हेतु कसया नगर में में सूचना पत्रक बांटकर लोगों को जागरूक किया तथा धरना प्रदर्शन भाग लेने के लिए निवेदन किया। रैली का नेतृत्व कर रहे सह विभाग संघचालक प्रो. चन्द्रशेखर सिंह ने कहा कि बांग्लादेश के हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार पर पूरी दुनिया का ध्यान आकृष्ट करने के लिए हिन्दुओं द्वारा देश के सभी मुख्यालयों पर वृहद् धरना प्रदर्शन किये जा रहे हैं। 5 दिसम्बर 24 को जिला मुख्यालय के बुद्धा पार्क में 11 बजे से होना सुनिश्चित हुआ है।

हिन्दू रक्षा संघर्ष समिति के स्वयंसेवकों द्वारा अधिवक्ताओं, व्यापारियों एवं समाज के सभी संवेदनशील नागरिकों को पत्रक के माध्यम से अवगत कराया गया।बांग्लादेश की घटना से मर्माहत है समाज के सभी वर्गों से विरोध प्रदर्शन में सम्मिलित होने का आग्रह किया गया। इस जन जागरण अभियान में सुरेश प्रसाद गुप्ता, जिला कार्यवाह देवेन्द्र, जिला प्रचारक प्रवीण, नगर प्रचारक सुमित, बलराम, राजू मद्धेशिया, मदन मोहन अग्रहरि ,डा लक्ष्मण श्रीवास्तव, मंटू मद्धेशिया, अवधेश कुशवाहा, माधवेंद्र सिंह, सिद्धार्थ मणि इत्यादि सम्मिलित रहे।

146 लोगों की हुई स्वास्थ्य जांच, 11 की टीबी स्क्रीनिंग

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के निर्देश पर सघन स्वास्थ्य एवं संचार अभियान के अन्तर्गत बुधवार को विकास खण्ड कसया के सेमरा धुसी ग्राम पंचायत के उपकेंद्र पर आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 146 मरीजों की जांच की गई। जबकि 103 एचआईवी व 11 की टीबी की स्क्रीनिंग की गई तथा 21 व्यक्तियों की यौन जनित रोग परामर्श दिया गया। शिविर का शुभारम्भ सभासद विनय कुमार गौतम ने फीता काट कर किया। शिविर में उच्च जोखिम समूह व प्रवासियों का सामान्य जांच, दवा वितरण, एचआईवी एड्स एवं यौन संचारित रोगों का परामर्श परीक्षण एवं उपचार तथा गर्भवती महिलाओं का प्रसव पूर्व जांच व प्रचार प्रसार सामग्री, कंडोम की प्रदर्शनी व वितरण किया गया। लोक कला दल श्रीमंत वैरागी थियेट्रिकल नौटंकी पार्टी द्वारा नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर लोगो को एड्स से बचाव को लेकर जागरूक किया। शिविर में डॉ पल्लवी सिंह, डॉ नाजरीन फातिमा आशुतोष कुमार मिश्र एसटीएलएस, शाहिद अंसारी एसटीएस, जिला चिकित्सालय के शिवकुमार पांडेय एस टी आई परामर्शदाता, खुशबू शुक्ला आई सी टी सी परामर्शदाता, गौतम शर्मा आईसीटीसी एलटी, तारकेश्वर सिंह परियोजना प्रबन्धक लक्षित हस्तक्षेप परियोजना (सवेरा), प्रेमशिला प्रजापति, अरविंद कुमार साह, अम्बे चौबे, कु जया, सीएचओ बबिता रावत, बिंदु कुशवाहा, अनीता गोंड, सुमन देवी, उषा देवी, ज्ञांती देवी मौजूद रहे।

बुन्देलखण्ड एक्प्रैस-वे से सफर हुआ आसान: डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य

संवाददाता

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर राठ में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य स्वामी ब्रह्मानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय राठ में आयोजित स्वामी ब्रह्मानंद की 130वीं जयंती समारोह कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। उप मुख्यमंत्री के साथ राज्यमंत्री स्वतंत्र भारत बेसिक शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश सरकार संदीप सिंह भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री, राज्यमंत्री संदीप सिंह का हेलीपैड से उतरने के बाद जनप्रतिनिधियों ने फूलमालों से स्वागत किया। इसके बाद उपमुख्यमंत्री ने स्वामी ब्रम्हानंद की समाधि प्रेरणा स्थल पर जाकर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ ही उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण किया, साथ ही अखंड मंदिर में स्वामी जी की चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया और महाविद्यालय में कंप्यूटरीकृत कार्यालय का उद्घाटन किया। इसके बाद उपमुख्यमंत्री, राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार संदीप सिंह ने सभा को संबोधित किया।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में स्वामी जी के सपने पूरे न हों यह असंभव है। साथ ही कहा कि स्वामी ब्रह्मानंद विश्वविद्यालय के लिए वो कुछ कर पाए तो उनका सौभाग्य होगा। उन्होंने कहा स्वामी जी के नाम पर विश्वविद्यालय निर्माण ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है। समिति से कहा प्रारंभिक प्रक्रिया शुरू कीजिए। वो मुख्यमंत्री से बात करेंगे।

उन्होंने कहा केंद्र व प्रदेश की डबल इंजन की सरकार में बुंदेलखंड के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि 2017 से 2024 तक बुंदेलखंड में बदलाव आया है। बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे से आवागमन आसान हुआ है। गरीबी के कारण हो रहा पलायन रुका है। प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवास योजना से जरूरतमंदों के घर बन रहे हैं। हर घर जल पहुंचाने के लिए काम किया जा रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में सरकार ने उल्लेखनीय काम किया है। बुंदेलखड में तीन विश्वविद्यालय हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार बुंदेलखंड के विकास के लिए समर्पित है। इसके बाद उपमुख्यमंत्री ने निरीक्षण भवन राठ में पहुंचकर पार्टी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों से मुलाकात की। इसके पश्चात मा उपमुख्यमंत्री जी ने ग्राम्य विकास विभाग, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा कर जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभागीय कार्यो एवं योजनाओं को धरातल पर तेजी से आगे बढ़ाया जाए इसमें किसी भी तरह की लापरवाही ना बरती जाए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सभी अधिकारी सरकार की मन्शा के अनुरूप कार्य करें। गांव गरीब, किसानों के लिए चलाई जा रही योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने का काम किया जाये। कार्यक्रम में अध्यक्ष जिला पंचायत जयंती राजपूत , विधायक सदर डॉ मनोज कुमार प्रजापति, विधायक राठ मनीषा अनुरागी ,सदस्य विधान परिषद जितेंद्र सेंगर, जिलाधिकारी घनश्याम मीना, पुलिस अधीक्षक डॉ दीक्षा शर्मा, सीडीओ चंद्र शेखर शुक्ला ,अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व विजय शंकर, अपर जिलाधिकारी न्यायिक डॉ नागेंद्र नाथ यादव ,भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील पाठक मौजूद रहे।

फूड इंडस्ट्री में दें अपने भविष्य को उड़ान

कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जिन्हें न सिर्फ तरह-तरह के पकवान खाना अच्छा लगता है, बल्कि वे अच्छे स्वाद को भी भली-भांति पहचान लेते हैं। अगर आप भी उन्हीं में से एक हैं, जिन्हें विशिष्ट प्रकार के व्यंजनों से विशिष्ट लगाव है तो आप अपने इसी लगाव को अपना भविष्य बना सकते हैं। फूड इंडस्ट्री में विकल्पों की भरमार है। लीक से हटकर यह कॅरियर बेहद दिलचस्प होने के साथ-साथ चुनौतीपूर्ण भी है। आइए फूड इंडस्ट्री में मौजूद विकल्पों के बारे में जानें।

फूड क्रिटिक

मार्केट में कौन-से नए फूड प्रोडक्ट आए हैं, इससे लेकर किस रेस्तरां में कौन-से स्वादिष्ट व्यंजन मिलते हैं, इसकी पूरी जानकारी अपनी राइटिंग स्किल के जरिए लोगों तक पहुंचाना फूड क्रिटिक का महत्वपूर्ण काम होता है। फूड क्रिटिक खाने के टेस्ट के साथ ही रेस्तरां की सर्विस के बारे में भी पूरी जानकारी देते हैं। फूड क्रिटिक बनने के लिए विशिष्ट शैक्षणिक योग्यता की जरूरत नहीं होती लेकिन बैचलर डिग्री होनी जरूरी है। बशर्ते आपमें खाने का स्वाद पहचानने, उसे बनाने का तरीका जानने और लिखने की कला होनी चाहिए।

न्यूट्रीशनिस्ट

यदि आप फूड के बारे में वैज्ञानिक तौर पर काफी कुछ जानते हैं तो आप न्यूट्रीशनिस्ट बन सकते हैं। आपको यदि ज्यादा से ज्यादा फूड के बारें में जानकारी हैं कि कौन सा फूड कैसा असर करता है। मोटे होने के लिए क्या खाएं और पतले होने के लिए क्या खाएं। डायबीटिज में क्या खाना फायदेमंद है, हार्ट अटैक से बचने के लिए किन चीजों का सेवन करें या किन चीजों का ना करें, इस तरह की जानकारियां यदि आपकों अच्छी लगती हैं और आपकी इनमें गहरी रूचि है तो आप एक न्यूट्रीशनिस्ट के रूप में अपने कॅरियर को संवार सकतें है

फूड स्टाइलिस्ट

जितना खाने मे टेस्ट का होना जरूरी है, उतना ही खाने का बेहतर और क्रिएटिव दिखना भी जरूरी है। खाने को परोस कर देने का तरीका भी खाने को बेहतर बनाता है। अगर आप में यह स्किल है कि आप किसी भी तरीके के खाने को अच्छी तरह से सजाकर लोगों को उसकी ओर आकर्षित कर सकतें है तो आप फूड स्टाइलिस्ट बन सकतें है। इसकी भी काफी डिमांड है क्योंकि आजकल फाइव स्टार होटल और रेस्तरां में इनकी खासी कमी है। फूड स्टाइलिस्ट बनने के लिए आपका क्रिएटिव होना काफी जरूरी है।

कलिनरी ट्रेंडोलॉजिस्ट

सिर्फ फैशन की दुनिया में ही नहीं, बल्कि फूड इंडस्ट्री में भी ट्रेंड बदलते रहते हैं। कलिनरी ट्रेंडोलॉजिस्ट समय-समय पर फूड को लेकर ग्राहकों की बदलती पसंद या नापसंद की जानकारी अपने क्लाइंट तक पहुंचाते हैं। किस रेस्तरां में कौन-कौन से आइटम परोसे जा रहे हैं। किस रेस्तरां की किस खास चीज को लोग ज्यादा पसंद कर रहे हैं, ये सारी जानकारियां जुटाने का काम कलिनरी ट्रेंडोलॉजिस्ट का ही है। वे फूड इंडस्ट्री में होने वाले बदलावों को जानने के लिए फूड ब्लॉगर्स पर भी अपनी नजर बनाए रखते हैं।

प्रमुख कोर्स

- केटरिंग टेक्नोलॉजी और कलिनरी आर्ट्स में बैचलर डिग्री
- फूड प्रोडक्शन में क्राफ्ट सर्टिफिकेट कोर्स
- फूड और बेवरेज सर्विस में डिप्लोमा
- बेकरी और कनफेक्शनरी में डिप्लोमा
- किचन मैनेजमेंट में डिप्लोमा
- गेस्ट सर्विस मैनेजमेंट में डिप्लोमा
- हाउसकीपिंग मैनेजमेंट में डिप्लोमा
- कलिनरी आर्ट्स में एडवांस डिप्लोमा
- कलिनरी आर्ट्स में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा
- हॉस्पिटैलिटी एडमिनिस्ट्रेशन में एमएससी
- डाइअटेटिक्स और फूड सर्विस मैनेजमेंट में एमएससी

फूड फोटोग्राफर

जिन लोगो को खाना काफी पसंद है और वे कुछ क्रिएटिव करना चाहतें हैं तो वे इन चीजों के साथ फूड फोटोग्राफी भी कर सकते हैं। फूड फोटोग्राफी वर्तमान में एक अच्छा कॅरियर ऑप्शन बनकर सामने आया है, जिसकी ओर युवा काफी आकर्षित भी हैं। बतौर फूड फोटोग्राफर आप किसी भी रेस्तरां या मैगजीन के लिए काम कर सकते हैं।

रेस्तरां प्रचारक

किसी रेस्तरां या होटल को फूड ब्लॉगर, मीडिया हाउसेस, मैगजीन या टीवी शो प्रोड्यूसर के माध्यम से आम लोगों के बीच लोकप्रिय बनाने की जिम्मेदारी रेस्तरां प्रचारक की होती है। इनका अहम मकसद ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों को अपनी रेस्तरां की तरफ आकर्षित करना है।

स्कूल साइकोलॉजी की दुनिया में तराशें रोजगार

आजकल कुछ स्कूलों में मनोवैज्ञानिक या परामर्शदाता की नियमित व्यवस्था की जाती है। यह व्यवस्था विद्यार्थियों और अध्यापकों दोनों के लिए महत्वपूर्ण साबित हुई है। मनोविज्ञान अपनी पूर्णता में एक ऐसा क्षेत्र है, जहां करियर से जुड़े अनेक विकल्प हैं। स्कूल साइकोलॉजी इसकी महत्वपूर्ण शाखाओं में एक है। स्कूलों में बढ़ते अपराधों को देखते हुए अब स्कूल साइकोलॉजिस्ट की मांग तेजी से बढ़ रही है।

कूल साइकोलॉजिस्ट किसी भी स्कूल की टीम के मुख्य सदस्य होते हैं, जो शैक्षिक मनोविज्ञान, बाल मनोविज्ञान, नैदानिक मनोविज्ञान और सामुदायिक मनोविज्ञान के सिद्धांतो का पालन कर छात्रों में सीखने की क्षमता और अध्यापकों में सिखाने की क्षमता का विकास करते हैं। स्कूल मनोवैज्ञानिक बच्चों के भावनात्मक, व्यवहारिक, और शैक्षिक जरूरतों का अध्ययन कर उनकी समस्याओं का हल करने का हरसंभव प्रयास करते हैं। अगर आपकी रुचि बच्चों के मनोभाव को जानने और उनके डिप्रेशन को दूर करने की दिशा में है तो आप स्कूल साइकोलॉजिस्ट का कॅरियर चुन सकते हैं। आजकल बच्चे सबसे ज्यादा डिप्रेशन का शिकार होते हैं। यही वजह है कि इस क्षेत्र में कॅरियर की भरपूर संभावनाएं पैदा हो रही हैं। ऐसे में आप साइकोलॉजिकल काउंसलिंग करके बच्चों के भविष्य को खराब होने से बचा सकते हैं।

स्कूल साइकोलॉजिस्ट के कार्य

- स्कूल मनोवैज्ञानिक बच्चों के विकास की विशेषताओं को समझने में शिक्षक की सहायता करता है।
- प्रत्येक छात्र विकास की कुछ निश्चित अवस्थाओं से गुजरता है जैसे शैशवास्था, बाल्यावस्था, किशोरावस्था और प्रौढ़ावस्था। विकास की दृष्टि से इन अवस्थाओं की विशिष्ट विशेषताएं होती हैं। यदि शिक्षक इन विभिन्न अवस्थाओं की विशेषताओं से परिचित होता है तो वह अपने छात्रों को भली प्रकार समझ सकता है और छात्रों को उसी प्रकार निर्देशन देकर उनको लक्ष्य प्राप्ति में सहायता कर सकता है। इस बारे में पूर्ण जानकारी भी स्कूल साइकोलॉजिस्ट ही टीचर को देता है।
- बच्चों के नेचर को जानने की कोशिश करता है।
- शिक्षा की प्रकृति एवं उद्देश्यों को समझने में सहायता प्रदान करता है।
- बच्चों की वृद्धि और विकास के बारे में शिक्षकों को ज्ञान देता है।

- बच्चों के अच्छे समायोजन में मदद करता है और कुसमायोजन से बचाता है।
- स्कूल मनोवैज्ञानिक कुछ खास बच्चों की समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी शिक्षक को देता है, जिससे शिक्षक उन बच्चों को अपनी क्लास में पहचान सकें और उनकी आवश्यकतानुसार मदद कर सकें। उनके लिए विशेष कक्षाओं का आयोजन कर सकें और फिर उन्हें परामर्श दे सकें।
- मानसिक रूप से स्वस्थ बच्चों के लक्षणों को पहचानना और ऐसा प्रयास करना कि उनकी इस स्वस्थता को बनाए रखा जा सके, यह कार्य भी स्कूल साइकोलॉजिस्ट का ही होता है।

शैक्षणिक योग्यता

आप किसी भी विषय में इंटरमीडिएट पास करने के बाद साइकोलॉजी विषय में ग्रेजुएशन कर सकते हैं। आम तौर पर इसमें बैचलर ऑफ आर्ट्स यानी बीए की डिग्री दी जाती है लेकिन अगर आपने साइंस से इंटर पास किया है तो साइकोलॉजी में बीएससी ऑनर्स भी कर सकते हैं। फिर पोस्ट ग्रेजुएशन करने के बाद पीएचडी या एमफिल किया जा सकता है।

कहां काम करते हैं स्कूल साइकोलॉजिस्ट

- पब्लिक और प्राइवेट स्कूल
- यूनिवर्सिटीज
- स्कूल आधारित स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य केंद्र
- कम्यूनिटी आधारित डे ट्रीटमेंट या आवासीय क्लीनिक और अस्पताल
- बाल न्याय केंद्र
- प्राइवेट प्रैक्टिस

पर्सनल स्किल

- बेहतर कम्युनिकेशन स्किल
- धैर्य और सहजता
- सभी उम्र के लोगों के साथ काम करने की कला
- आत्मविश्वास
- क्लाइंट को संतुष्ट करने की योग्यता
- लोगों की मदद करने का पैशन
- काम के प्रति लगाव
- संवेदनशीलता
- सहानुभूति की भावना

कहां से करें पढ़ाई

- लेडी श्रीराम कॉलेज फॉर विमन
- जीसस एंड मैरी कॉलेज
- प्रेसिडेंसी कॉलेज, चेन्नई
- क्रिस्ट यूनिवर्सिटी, क्रिस्ट कॉलेज
- सोफिया कॉलेज फॉर विमन
- कमला नेहरु कॉलेज फॉर विमन
- मिठिबाई कॉलेज ऑफ आर्ट्स
- यूनिवर्सिटी ऑफ कोलकाता
- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी
- गार्गी कॉलेज
- जय हिंद कॉलेज
- जामिया मिलिया इस्लामिया
- ज्योति निवास कॉलेज
- विल्सन कॉलेज, मुंबई
- एमिटी यूनिवर्सिटी, जयपुर
- यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ
- आशुतोष कॉलेज
- नेयानल डिग्री कॉलेज, जया नगर
- भीम राव अम्बेडकर कॉलेज

प्रेजेंटेशन स्किल्स से मिलेगी कामयाबी

प्रेजेंटेशन में सामने वाले को बोर नहीं, बल्कि इंप्रेस करें। तब आपको कामयाबी मिलेगी। सबसे असरदार कंटेंट भी बिल्कुल बेअसर हो जाता है, जब प्रेजेंटर का स्टाइल उसके अनुरूप न हो। कई लोग प्रेजेंटेशन के दौरान नर्वस हो जाते हैं, जिसका असर उनके बोलने और बॉडी लैंग्वेज पर पड़ता है। यही कुछ रुकावटें हैं, जिन पर काबू पाना जरूरी होता है। आत्मविश्वास बढ़ने के साथ-साथ यह कमियां दूर हो जाती हैं और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए अभ्यास, लचीलापन और अपने कंटेंट की गहरी जानकारी बेहद जरूरी होती है।

कटेंट पर ध्यान दें

आपके पास पहले से रोचक, संपूर्ण और सबका ध्यान खींचने वाला कंटेंट होना चाहिए। साथ ही उस मैटेरियल को सबके सामने रखने का आत्मविश्वास भी जरूरी है। अपने माहौल की समझ के साथ-साथ आपको यह ध्यान रखना भी आवश्यक होता है कि आपके संदेश का असर अधिकाधिक लोगों तक पहुंचे। वहीं अपने कंटेंट को तैयार करना इस पर भी निर्भर करता है कि आप किस किस्म की प्रेजेंटेशन देने जा रहे हैं। फिर भी जरूरी है कि आप मुख्य बिंदुओं की पहचान कर लें। यह जरूरी नहीं होता कि प्रत्येक डिटेल श्रोताओं के सामने रखी जाए।

स्टाइल पर ध्यान दें

प्रेजेंटर का स्टाइल ही एक अच्छे प्रेजेंटेशन के लिए जरूरी होता है। इसलिए अपनी स्टाइल और बात करने के तरीके पर खास ध्यान दें।

पूरी जानकारी दें

बेहतर प्रेजेंटेशन दर्शकों को विषय के बारे में अतिरिक्त जानकारी देती है, इसलिए जरूरी है कि विषय की आउटलाइन से शुरुआत की जाए। श्रोताओं को बताएं कि आप क्या विषय उठाना चाहते हैं, ताकि उनकी अपेक्षाएं शुरू में ही स्पष्ट हो जाएं। इससे विषय के प्रति कौतुहल भी बना रहता है।

उदाहरण से बनेगी बात

एक अन्य तथ्य यह है कि प्रेजेंटेशन की शुरुआत और अंत जोरदार तरीके से हो। यदि शुरुआत में आप श्रोताओं का ध्यान नहीं खींच पाते है तो यह आपके पक्ष में नहीं जाता। साथ ही बीच-बीच में रोचक उदाहरण देना भी जरूरी होते हैं।

सुनने वाले के बारे में जानें

आपको सुनने वालों के बारे में सबसे पहले पता लगाना चाहिए कि वे कौन हैं? इसके बाद यह जानना जरूरी होता है कि प्रेजेंटेशन से वे क्या चाहते हैं? उनके लिए क्या सूचना नई होगी और क्या पुरानी? क्या उनकी कुछ विशेष जरूरतें हैं, जिनका आपको ध्यान रखना चाहिए? इसके लिए जरूरी है कि अपनी प्रेजन्टेशन की आउटलाइन आपको स्पष्ट हो। दरअसल, आपको सुनने वाले यदि संतुष्ट होते हैं तो समझिए कि आपकी प्रेजेंटेशन सफल रही।

शेयर बाजार हल्की तेजी के साथ बंद

मुम्बई।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेत मिलने के साथ ही लिवाली से बाजार में ये बढ़त आई। एचडीएफसी और आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों में खरीदारी से भी बाजार ऊपर आया । दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सेंसेक्स 110.58 अंक करीब14 फीसदी बढ़त लेकर 80,956.33 पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 0.04 फीसदी तकरीबन 10.30 अंक बढ़कर 24,467.45 के स्तर पर बंद हुआ। आज सेंसेक्स की कंपनियों में एचडीएफसी बैंकअपने नए शीर्ष स्तर पर पहुंच गया। एचडीएफ़सी 1.82 फीसदी उछलकर 18 60.05 रुपये पर बंद हुआ। यह शेयर पिछले एक महीने में 8.52 फीसदी बढ़ा है। वहीं पिछले छह महीने के दौरान इसमें 25 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई है। इसके अलावा एनटीपीसी, टेक महिंद्रा, आईटीसी, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इंफोसिस, लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस के शेयर भी उछले हैं। वहीं भारती एयरटेल के शेयर में आज सबसे अधिक गिरावट रही । इसके अलावा टाटा मोटर्स, अदानी पोर्ट्स, पावर ग्रिड, मारुति, रिलायंस के शेयर भी नीचे आकर बंद हुए। एचडीएफसी बैंक और आईटी स्टॉक्स के शेयरों में खरीदारी से भी बाजार में आज उछाल आया है। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की हालिया खरीदारी से भी बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। , एशिआई बाजारों में गिरावट के बाद भी घरेलू बाजारों में मजबूती रही।

वहीं गत सत्र में भी बाजार में तेजी रही थी। इससे पहले आज सुबह बुधवार बढ़त के साथ खुले। सेंसेक्स करीब 190 अंक की बढ़त लेकर 81,036.22 पर खुला। इसी तरह निफ्टी-50 भी बढ़त में खुला और 24,500 के पास पहुंच गया।

सीमेंट की कीमत पांच साल के निचले स्तर पर

- भविष्य में भी किसी महत्वपूर्ण मूल्य वृद्धि की उम्मीद नहीं

मुंबई।

सीमेंट की कीमतों में गिरावट से खुशखबरी मिली है क्योंकि यह सभी उम्मीदवारों के लिए आकर्षक है, जो अपने सपनों के घर की नींव रखने की सोच रहे हैं। सीमेंट सेक्टर में तेज प्रतिस्पर्धा से कंपनियों के बीच मूल्य घटाने की चुनौती देने वाली है। पिछले पांच साल के निचले स्तर पर पहुंचने से यह बड़ी कामयाबी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि मांग में कमी के कारण सीमेंट की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है, जो कंपनियों के लिए मूल्य निर्धारण में चुनौती बना रही है। इसे स्थिति भविष्य में भी बनी रहने की संभावना है, और किसी महत्वपूर्ण मूल्य वृद्धि की उम्मीद नहीं है। रिपोर्टे के अनुसार वित्तीय वर्ष 25-26 तक मांग में सुधार की संभावना है, जो इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं, आवास मांग में पुनरुद्धार और रियल एस्टेट गतिविधियों से प्रेरित होगी। यह सीमेंट उद्योग के लिए बड़ी खुशखबरी है जिससे डिमांड-सप्लाई के बैलेंस में सुधार होगा। सीमेंट उद्योग की क्षमता में वृद्धि की उम्मीद है, जो वित्त वर्ष 25 और वित्त वर्ष 30 के बीच लगभग 90 मिलियन टन सीमेंट क्षमता जोड़ने की संभावना है। वित्त वर्ष 27 और वित्त वर्ष 28 तक क्षमता चाहे 703 मिलियन टन और 723 मिलियन टन तक पहुंच सकती है। इस पूरे सेक्टर में सीमेंट की कीमतों में गिरावट और उद्योग की क्षमता में वृद्धि के अनुसार लोगों के लिए अपने सपनों के घर की निर्माण में नए आसानियां खुली है।

भारत में 20 प्रतिशत साइबर अपराधों में हमलावरों ने डार्क वेब का किया इस्तेमालः रिपोर्ट

- पिछले साल एम्स पर रैंसमवेयर हमलों के लिए भी डार्क वेब का इस्तेमाल हुआ था

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में कम से कम 20 प्रतिशत साइबर अपराधों को डार्क वेब का इस्तेमाल करके किया जा रहा है, एक रिपोर्ट में उजागर किया गया है।

डार्क वेब एक मंच है जिसे उपयोगकर्ता विशेष उपकरणों का इस्तेमाल करके पहुंच सकते हैं, पहचान करना और स्थान पता लगाना मुश्किल होता है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में करीब 20 प्रतिशत साइबर अपराधों में हमलावरों ने डार्क वेब का सहारा लिया है। ये अपराध डेटा सेंधमारी, हैकिंग, रैंसमवेयर आदि जैसे गंभीर अपराधों की ओर संकेत कर रहे हैं। गुरुग्राम स्थित लिसिएंथस टेक के सीईओ ने बताया कि एक व्यक्ति को डार्क वेब के माध्यम से गांजा बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पिछले साल, एम्स पर रैंसमवेयर हमलों के लिए भी डार्क वेब का इस्तेमाल हुआ था। रिपोर्ट के मुताबिक डार्क वेब का इस्तेमाल पिछले दशक में दोगुना हो गया है। साइबर सुरक्षा के मामले में उपयोगकर्ताओं को अलर्ट रहने की जरूरत है।

आंध्र प्रदेशः अदाणी ग्रीन सौर ऊर्जा परियोजना में मंजूरी का मुद्दा

- ग्रामीण इलाकों और कृषि क्षेत्रों को सस्ती बिजली मुफ्त मिलने की योजना का मामला

मुंबई।

आंध्र प्रदेश के पिछले मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी के शासनकाल में 2021 में विवादास्पद अदाणी ग्रीन सौर ऊर्जा परियोजना को नियामकीय मंजूरी मांगी गई थी। इस परियोजना के तहत ग्रामीण इलाकों और कृषि क्षेत्रों को सस्ती बिजली मुफ्त मिलने की योजना थी लेकिन इस परियोजना के चारों ओर विवाद उभरने लगे हैं। 2021 से 2024 के बीच, आंध्र प्रदेश विद्युत नियामक आयोग (एपीईआरसी) और केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (सीईआरसी) के बीच हुई जानकारियों से पता चलता है कि प्रोजेक्ट की शर्तों में ग्रामीण इलाकों को मुफ्त बिजली की 9 घंटे मिलने का दावा किया गया था। इसके साथ ही भारत सरकार के निर्धारित 500 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य को पाने में योगदान देने की बात की गई थी। अदाणी ग्रीन और सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (सेकी) के साथ हस्ताक्षरित बिजली बि ी समझौते में तो यह सभी उद्देश्य शामिल थे, लेकिन यह समझौता एक विवाद की मंजूरी से गुजरना पड़ा। एसईसी की जांच के अनुसार, अदाणी ग्रीन और एज्योर पावर के अधिकारियों ने राज्य के अधिकारियों को रिश्वत की पेशकश की थी। इस कार्रवाई में कई कानूनी मामलों का सामना करना पड़ा है। सीईआरसी ने 2022 में आंध्र प्रदेश और अन्य राज्यों के बीच बिजली खरीद-बि ी अनुबंध पर मंजूरी दी थी, जिसमें से 7 गीगावॉट बिजली आंध्र प्रदेश के लिए थी। बाकी भाग के अथवा पूरी खरीद को संभावित वारंट के कारण रोक दिया गया था। आंध्र प्रदेश सरकार ने अपने लिए इस परियोजना को ग्रामीण इलाकों में सीधे बिजली आपूर्ति करने के लिए एपी रूरल एग्रीकल्चर पावर सप्लाई कंपनी के साथ संपर्क स्थापित किया था। इस सभी विवादों और उलझनों से जगन मोहन रेड्डी की सरकार को उठने वाले चुनौतियों का सामना करना होगा। इस मुद्दे पर सरकार और नियामक संस्थानों के बीच सहयोग और सहयोग की आवश्यकता है ताकि सवालों का सही समाधान निकाला जा सके।

भारत के लिए 2025 के बजट की तैयारी शुरू

- इस बार का बजट होगा मोदी सरकार 3.0 का पहला बजट होगा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने अपने तीसरे कार्यकाल के लिए 2025 के बजट की तैयारी की शुरूआत कर दी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विभिन्न सेक्टरों के साथ बजट पूर्व परामर्श बैठकें शुरू की हैं। इन बैठकों में सरकार ने विभिन्न उद्योग संगठनों और विशेषज्ञों से राय लेने का फैसला किया है। वित्त मंत्री ने बताया कि वर्तमान वित्त वर्ष में भारत की अर्थव्यवस्था 5.4 प्रतिशत तक की दर से नीचे रही है और आगामी बजट में इस स्थिति को सुधारने की योजना बनाई जा रही है। इसके अलावा वित्त मंत्री ने किसान संगठनों, कृषि अर्थशास्त्रियों और एमएसएमई क्षेत्र से भी मिलकर बजट के मुद्दों पर चर्चा करने की योजना बताई है। इस बार का बजट होगा मोदी सरकार 3.0 का पहला बजट, जिसका ध्यान विकसित भारत के लक्ष्यों को हासिल करने पर होगा। वित्त मंत्री की बैठकों में श्रमिक संगठनों, वित्तीय क्षेत्रों और सेवा क्षेत्रों के प्रतिनिधियों से भी मिलने की संभावना है। बजट सरकार के लिए अहम दस्तावेज होता है जो आय और खर्च के लेखाजोखे के साथ-साथ राष्ट्रीय विकास की दिशा में महत्वपूर्ण नीतियों को जारी रखता है। इस साल का बजट संसद में एक फरवरी को पेश किया जाने की संभावना है, जिसमें विकसित भारत के सपने की मदद करने वाली महत्वपूर्ण योजनाएं हो सकती हैं।

रुपया डॉलर के मुकाबले 84.68 पर स्थिर

- रुपया मंगलवार को चार पैसे की बढ़त के साथ 84.68 पर बंद हुआ

मुंबई (ईएमएस)। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 8 4.68 पर स्थिर रहा। विदेशी मुद्राओं के मुकाबले डॉलर में मजबूती और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में ब्रेंट क्रूड में तेजी ने स्थानीय मुद्रा की बढ़त को सीमित किया, जबकि घरेलू शेयर बाजारों में तेजी की वजह से रुपये को थोड़ा समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.66 प्रति डॉलर पर खुला जो पिछले बंद भाव के मुकाबले दो पैसे की बढ़त को दिखाता है। शुरुआती सौदों के बाद पिछले बंद भाव के बराबर 84.68 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। रुपया मंगलवार को चार पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.68 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.13 प्रतिशत की बढ़त के साथ 106.50 पर रहा।

98.1 प्रतिशत एडवाइजर्स ने आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ के मोबाइल ऐप आईप्रू एज का उपयोग कर तुरंत कमीशन प्राप्त किया

मोबाइल ऐप का उपयोग करने वाले एडवाइजर्स की उत्पादकता में 37 प्रतिशत की वृद्धि

50 प्रतिशत बचत पॉलिसि सीज एक ही दिन में जारी की गईं

रांची: आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस द्वारा अपने एडवाइजर्स के लिए विशेष रूप से पेश किए गए मोबाइल ऐप आईप्रू एज के कारण वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही में उत्पादकता में 37 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिससे एडवाइजर्स की आय में भी इजाफा हुआ है। खास बात यह है कि आईप्रू एज का उपयोग करने वाले 98.1 प्रतिशत एजेंट्स को उसी दिन कमीशन का भुगतान किया गया।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ चुनिंदा डिस्ट्रीब्यूटर्स को उसी दिन कमीशन का भुगतान करने वाली पहली जीवन बीमा कंपनी है। कंपनी के पास 2 लाख से अधिक एडवाइजर्स का नेटवर्क है, और लगभग 61 प्रतिशत शीर्ष एडवाइजर्स अब इस ऐप का सक्रिय रूप से उपयोग कर रहे हैं, जिससे उनके व्यवसाय को बढ़ाने में मदद मिल रही है।

यह मोबाइल ऐप एजेंट्स के लिए चलते-फिरते कार्यालय की तरह काम करता है, जिससे वे प्रशासनिक गतिविधियों के बजाय नए व्यवसाय विकास पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। आईप्रू एज रीयल-टाइम केवाईसी ऑथेंटिकेशन की सुविधा प्रदान करता है, और इसकी ओसीआर टेक्नोलॉजी ग्राहकों को पेपरलेस खरीदारी का अनुभव देती है। यह छोटे शहरों और गांवों में काम करने वाले एजेंट्स के लिए बहुत उपयोगी है।

वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही में, कंपनी ने अपने एजेंसी चैनल से रिटेल वेटेज प्रीमियम में साल-दर-साल 49 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है, जो ऐप द्वारा प्रदान की गई सुविधा को दर्शाता है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के चीफ ऑफ सेल्स, प्रॉपराइटरी चैनल, श्री दिनेश टाक ने कहा, ₹हमारे मोबाइल ऐप आईप्रू एज ने हमारे एजेंट्स को अपना व्यवसाय बढ़ाने में सक्षम बनाया है। यह वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही में देखी गई 37 प्रतिशत उत्पादकता वृद्धि से स्पष्ट है। इसके अलावा, आईप्रू एज का उपयोग करने वाले 98.1 प्रतिशत एडवाइजर्स को उसी दिन कमीशन का भुगतान किया गया। इन पहलों ने हमें देश का सबसे एडवाइजर-फ्रेंडली लाइफ इंश्योरेंस प्रोवाइडर बनने में मदद की है।₹

हमने तकनीकी समाधान भी लागू किए हैं, जिसके परिणामस्वरूप वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही में सेविंग्स बिजनेस सेगमेंट की लगभग 50 प्रतिशत पॉलिसी उसी दिन जारी की गईं।

आईप्रू एज एडवाइजर्स को प्रशासनिक गतिविधियों के बजाय नए व्यवसाय के विकास पर ध्यान केंद्रित करने की अनुमति देता है। ऐप का उपयोग करके एडवाइजर्स आसानी से नया व्यवसाय लॉग इन कर सकते हैं। हम अपने एडवाइजर्स को नए व्यावसायिक अवसर, डिमांड जनरेशन और ग्राहकों की प्रभावी सेवा प्रदान करते हैं। यह एडवाइजर्स को अपने ग्राहकों को प्रभावी ढंग से सेवा देने में भी सक्षम बनाता है।

यह मोबाइल ऐप हमारे एजेंट्स को उनके व्यवसाय को लाभदायक रूप से बढ़ाने का समाधान प्रदान करता है। खास बात यह है कि यह उन्हें उनके व्यवसाय और आय की विस्तृत जानकारी भी प्रदान करता है।"

देश में सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में नवंबर महीने में मामूली गिरावट

- रोजगार वृद्धि 2005 के बाद सबसे तेज

नई दिल्ली। देश में सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में नवंबर महीने में मामूली गिरावट दर्ज की गई है, हालांकि रोजगार में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है। एचएसबीसी इंडिया सेवा व्यवसाय गतिविधि सूचकांक ने अक्टूबर से नवंबर तक मामूली गिरावट सांकेतिक है। इस गिरावट से अंग्रेजी भाषा के प्रीमियम सूचकांक में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से होता है। एचएसबीसी के एक मुख्य अर्थशास्त्री ने इस वृद्धि दर को तारीफ की और बताया कि रोजगार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह गति अत्यंत तेज बढ़ी है, जो इस सर्वेक्षण के शुरू होने के बाद सबसे अच्छी है। उन्होंने कहा कि कारोबारी आत्मविश्वास में सुधार, नए ऑर्डर में वृद्धि और अंतरराष्ट्रीय मांग का जोरदार दिखावा है। सर्वेक्षण में शामिल लोगों ने निर्यात ऑर्डरों में सुधार का संकेत देते हुए यह बताया कि मांग में इजाफा देखा गया है। लेकिन कच्चे माल की कीमतों का वृद्धि और श्रम लागत की बढ़त से मुद्रास्फीति पर दबाव बना रहा है।

अमेजन ने फाउंडेशन मॉडल की नई पीढ़ी 'नोवा' की घोषणा की

- नए सेट में अमेजन नोवा माइक्रो, अमेजन नोवा लाइट और अमेजन नोवा प्रो शामिल

लास वेगास। अमेजन ने एडब्ल्यूएस के वार्षिक कार्यक्रम 'रीइन्वेंट' में एक बड़ी घोषणा की है। उन्होंने एक नई पीढ़ी के अक्षमता श्रृंखला नोवा का बोलबाला किया है। अमेजन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) की क्लाउड कंप्यूटिंग शाखा का फाउंडेशन मॉडल को 'नोवा' कहा जा रहा है। इस नई सेट में अमेजन नोवा माइक्रो, अमेजन नोवा लाइट और अमेजन नोवा प्रो शामिल हैं, जो अब उपलब्ध हैं। अमेजन नोवा प्रीमियर की भी जल्दी होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि हम अपने फ्रंटियर मॉडल पर काम कर रहे हैं जो पिछले कुछ महीनों में बहुत प्रगति कर रहा है। हमारी उम्मीद है कि यह नया मॉडल भी हमें सफलता देगा। एडब्ल्यूएस के पूर्व सीईओ ने एक और धमाकेदार घोषणा की, जिसमें इमेज-जनरेशन मॉडल, अमेजन नोवा कैनवस और वीडियो-जनरेटिंग मॉडल शामिल हैं। इस नयी नई पीढ़ी ने तकनीकी दुनिया को दी है नई उम्मीदें।

एंटलर इंडिया 2025 में 50 स्टार्टअप में निवेश करेगा

- 2.5 करोड़ डॉलर का निवेश किया जाएगा

नई दिल्ली। एंटलर इंडिया एक व्यापक उद्यम पूंजी कंपनी ने एक एम्बिशनस प्लान की घोषणा की है कि 2025 में 50 स्टार्टअप कंपनियों में 2.5 करोड़ डॉलर का निवेश किया जाएगा। कंपनी ने इस प्लान के बारे में बुधवार को जानकारी दी। पिछले साल, एंटलर इंडिया ने अपने पहले 7.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर के कोष के माध्यम से 30 स्टार्टअप कंपनियों में निवेश किया था। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उनकी योजना अगले साल निवेश को और बढ़ाने की है, और 2025 में 50 स्टार्टअप में निवेश करने की है। अधिकारी ने कहा कि वर्ष 2024 में वे 30 कंपनियों में निवेश कर चुके हैं, जिन्हें ने उनकी कंपनी के विचारों को सत्यापित करने और मजबूत दल बनाने का मौका दिया। इसके अलावा, उन्होंने बताया कि उन्हें शुरुआती ग्राहकों को प्राप्त करने का अवसर मिला। एंटलर इंडिया की इस योजना से स्थानीय उद्यमियों और नौजवान उद्यमकर्ताओं के लिए एक साफ़ संकेत मिल रहा है कि भविष्य में वे अधिक संभावना से उनके सपनों को पूरा कर सकते हैं।

देश में वर्ष 2030 तक 3.12 करोड़ किफायती आवासों की होगी कमीः रिपोर्ट

किफायती आवासों का संभावित बाजार आकार 67 लाख करोड़ है

नई दिल्ली। भारत में 2030 तक 3.12 करोड़ किफायती आवासों की कमी होने का अनुमान है, जिसका संभावित बाजार आकार 67 लाख करोड़ रुपये है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और रियल एस्टेट सलाहकार ने एक संयुक्त रिपोर्ट में इस अंतिमता का मापदंड रखा। नाइट फ्रैंक इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि किफायती आवास की कमी अभी से मौजूद है और यह एक बड़ा व्यावसायिक अवसर है, विशेषकर रियल एस्टेट डेवलपरों के लिए। उन्होंने कहा कि इस खंड में आवास वित्त संस्थाएं के लिए भी कई अवसर हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि किफायती आवास क्षेत्र वित्तीय संस्थाओं के लिए 45000 अरब रुपये तक का संभावित वित्तपोषण प्रदान कर सकता है। इससे भारतीय उद्योग में वृद्धि दर्शायी जा सकती है, जो इस खंड में मौजूदा ऋण मात्रा से तीन गुणा है। सारांश में, भारत में किफायती आवासों की कमी ने नए व्यापारिक अवसरों का संकेत दिया है, जिससे रियल एस्टेट उद्योग में वृद्धि की संभावना है।

टेस्ला के सीईओ एलन मस्क का फिर से खारिज किया गया पैकेज

- टेस्ला के शेयर मूल्य में 1.4 फीसदी की गिरावट आई

नई दिल्ली। अमेरिका के डेलावेयर की एक अदालत ने टेस्ला की माननीय सीईओ एलन मस्क के अत्यधिक सैलरी पैकेज को एक बार फिर से खारिज कर दिया है। इस विवादित पैकेज को टेस्ला के शेयरधारकों ने पुनर्विचार करने के लिए मतदान किया था, लेकिन जज कैथलीन मैककॉर्मिक ने अपने पहले फैसले को वापस नहीं लिया। 2018 में टेस्ला के बोर्ड ने मस्क के 2.6 बिलियन के सैलरी पैकेज को मंजूर किया था, लेकिन अब इसकी कीमत 56 बिलियन डॉलर तक पहुंच गई थी। इस फैसले के बाद टेस्ला के शेयर मूल्य में 1.4 फीसदी की गिरावट आई। लेकिन मस्क के पास इस फैसले के खिलाफ अपील करने का अधिकार है। जज ने फैसले में कहा कि मस्क का प्रस्तावित सैलरी पैकेज अत्यधिक है और यह शेयरहोल्ड्स के हित में नहीं है। टेस्ला की तरफ से भ्रामक जानकारी भी दी गई थी जिसके कारण जज ने यह फैसला सुनाया। इस फैसले के बाद मस्क और टेस्ला के वकीलों को 345 मिलियन डॉलर का मुआवजा देने का भी आदेश दिया गया है। वकीलों ने 10 बिलियन डॉल की मांग की थी।

लोकसभा में बैंकिंग लॉ अमेंडमेंट बिल 2024 पास

- बैंक खाते में अब एक की जगह जोड़ सकेंगे 4 नॉमिनी

नई दिल्ली। लोकसभा में बैंकिंग अमेंडमेंट बिल 2024 पारित हो गया है, जिससे भारतीय बैंक कार्यप्रणाली में कई महत्वपूर्ण सुधार होंगे। यह बिल बारह साल में बैंक खाते में चार नॉमिनी की स्थापना की अनुमति देता है, जिससे निवेशकों की सुरक्षा में सुधार होगा। अब निवेशक आईईपीएफ के माध्यम से डिविडेंड, शेयर, इंटरेस्ट और बॉन्ड की रकम का दावा कर सकेंगे। बिल द्वारा स्थापित किए गए नियमों के अनुसार, बैंक खाताधारकों को पैसे देने के लिए दो विकल्प उपलब्ध होंगे। इन नियमों के माध्यम से अनक्लेम्ड धन को सही उत्तराधिकारी तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। बैंकिंग अमेंडमेंट विधेयक के लागू होने से सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक के डायरेक्टर्स को अब स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक में भी काम करने की अनुमति मिलेगी। डायरेक्टर्स का कार्यकाल अब 10 साल तक बढ़ा दिया गया है। इस अद्यतनीकरण के माध्यम से सरकारी बैंकों को ऑडिटर्स की फीस तय करने और उच्चस्तरीय प्रतिष्ठित कामगारों को भर्ती करने की अनुमति होगी। यह बदलाव बैंक की ऑडिट क्षमता को मजबूत करेगा। साथ ही बैंकों को भारतीय रिजर्व बैंक को रिपोर्ट देने की समय सीमा में बदलाव करने की भी अनुमति होगी। इससे बैंकों को रिपोर्ट प्रस्तुत करने में अधिक विश्वसनीयता और सुचारूति मिलेगी।

दिल्ली सल्तनत पर बार-बार क्यों करते हैं किसान चढ़ाई?

डॉ. रमेश ठाकुर

अपनी विभिन्न मांगों को लेकर किसान संगठनों ने एक बार फिर दिल्ली पर चढ़ाई करने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि ऐसा करने से उन्हें बलपूर्वक बॉर्डरों पर ही रोका गया है। पर, हालात दिल्ली-एनसीआर के एक बार फिर बिगड़ते दिखाई पड़ने लगे हैं। इस दफे भी किसानों के तेवर उग्र दिख रहे हैं। अन्नदाता लंबा आंदोलन करने के मूड़ में दिखाई पड़ते हैं।

अन्नदाताओं की समस्याओं का समाधान आखिर कब होगा? क्या उनकी मांगे भविष्य में कभी पूरी हो भी पाएंगी या नहीं? केंद्र में सरकार चाहे कांग्रेस की हो या भाजपा की, हर दौर में यही सब कुछ देखने को मिलता है। कमोबेस, सरकारों का रवैया सदैव एक जैसा ही रहता है। इसलिए एकाएक किसी सरकार को दोषी ठहराना किसी टिप्पणीकार के लिए बेईमानी सा होता है। किसान आंदोलनों से जो समस्याएं उपजती हैं, उसका खामियाजा सिर्फ और सिर्फ आमजन ही भुगतते हैं। समस्याएं किस कदर पनपती हैं इस ओर शायद किसी का भी ध्यान नहीं जाता। मरीज, छात्र, राहगीर, दैनिक कर्मी तो बेहाल होते ही हैं, रोजमर्रा के क्रियाकलाप भी रुक जाते हैं। दो दिसंबर को भी यही हुआ, जब किसान उत्तर प्रदेश के एक छोर से चले, तो सड़कों पर दौड़ने वाले तेज वाहनों के पहिए थम गए। क्या मरीज, क्या नौकरीपेशा, सभी के पैर अपने जगह रूक गए।

दरअसल, अपनी विभिन्न मांगों को लेकर किसान संगठनों ने एक बार फिर दिल्ली पर चढ़ाई करने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि ऐसा करने से उन्हें बलपूर्वक बॉर्डरों पर ही रोका गया है। पर, हालात दिल्ली-एनसीआर के एक बार फिर बिगड़ते दिखाई पड़ने लगे हैं। इस दफे भी किसानों के तेवर उग्र दिख रहे हैं। अन्नदाता लंबा आंदोलन करने के मूड़ में दिखाई पड़ते हैं। इतना तय है, अगर उनकी समस्याओं का समाधान समय रहते नहीं हुआ, तो हालात पिछले किसान आंदोलन जैसे बनने में वक्त नहीं लगेगा। किसान केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार को बीते एक महीने से अल्टीमेटम दे रहे थे कि उनकी मांगे मानी जाएं, उनसे बात करे कोई जिम्मेदार व्यक्ति, जिससे दोनों पक्ष बैठकर कोई हल निकाल सकें। लेकिन उनकी बातों को हुकूमती स्तर पर एक बार भी अनसुना और अनदेखा किया गया।

दिल्ली पहुंचने के लिए गौतमबुद्ध नगर से करीब 50,000 से अधिक किसान सोमवार सुबह यानी दो तारीख को नोएडा महामाया फ्लाईओवर के पास एकत्रित हुए, फिर

उन्होंने दिल्ली कूच का प्लान किया, हालांकि तत्काल रूप से तो पुलिस ने उनकी योजना को विफल कर दिया है। लेकिन किसान बॉर्डर पर ही डटे हुए हैं, वह किसी भी सूरत में दिल्ली पहुंचना चाहते हैं। उनको लगता है संसद का शीत सत्र चालू है। पूरी हुकूमती मशीनरी इस समय एक साथ है, उनकी बातें आसानी से पहुंच सकती है। पर, ऐसा होता दिख नहीं रहा। केंद्र सरकार इतनी आसानी से सबकुछ मान लेगी, ऐसा भी दिखाई नहीं पड़ता। इसलिए किसान भी काफी उग्र हैं। अपने साथ लंबे आंदोलन को करने के लिए तामझाम लेकर पहुंच हैं। राशन, टैक्टर, मोटरसाइकिल, गैस सिलेंडर, तंबू आदि है उनके पास।

किसानों ने दिल्ली मार्च का प्लान अचानक से ही बनाया। पहले की प्री-प्लान नहीं थी। क्योंकि किसान अपनी विभिन्न मांगो को लेकर नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण पर पिछले कुछ दिनों से धरनागत थे। उनकी प्रमुख मांगे हैं, उन्हें जमीन के बदले 10 पर्सेंट निर्मित प्लॉट और 64 पर्सेंट बढ़ा हुआ जमीन का शेष मुआवजा दिया जाए। साथ ही जितने किसान जमीन छिन जाने से भूमिहीन हुए हैं, उनके परिवार के बच्चों को केंद्र सरकार और राज्य सरकार कोई न कोई रोजगार जैसी वैकल्पिक व्यवस्थाएं की जाएं, इसके अलावा एमएसपी गारंटी कानून लागू करें। फसलों की कीमतें डबर हों, खाद, बीज व कीटनाशक दवाईयों के रेट कम किए जाएं जैसी पुरानी मांगे भी उनकी बरकरार हैं। इस वक्त मंड़ियों में धान की खरीद में जो घटतौली हो रही है उसे तुरंत रोका जाए। ये मांगे ऐसी जिसे शायद ही सरकारें मांगे।

प्रतीत ऐसा होता है कि ये किसान मूवमेंट भी बडा रूप ले सकता है। अभी तक गनीमत ये समझी जाए, इस मोर्चे में सिर्फ दर्जन भर ही किसान संगठन शामिल हुए हैं। हालांकि बाहर से करीब सौ से ज्यादा किसान संगठनों का समर्थन प्राप्त है। मोर्चे को रोकने को अगर कोई जल्द विकल्प नहीं निकाला गया, तो अन्य किसान संगठन भी कूदने में देर नहीं करेंगे। हांलाकि सोमवार को किसान मोर्चे को देखते हुए नोएडा ट्रैफिक पुलिस और दिल्ली पुलिस की ओर से एडवाइजरी की गई जिसमें कालिंदी कुंज बॉर्डर, यमुना एक्सप्रेस-वे और डीएनडी बॉर्डर से बचने की लोगों को सलाह दी गई, क्योंकि इन जगहों पर मोर्चे का असर व्यापक रूप से देखने को मिला। लोग अनचाई परेशानी से जूझते दिखाई पड़े, स्कूली बच्चों भी जाम में फंसे रहे, एमबूलेंस भी नहीं निकल पाईं। नौकरीपेशा समय से अपने कार्यालयों में नहीं पहुंच पाए। ये हालात ऐसे ही बने रहेंगे, जब तक ये मूवमेंट चलता रहेगा।

किसान मूवमेंट शुरू होने के कुछ घंटों बाद ही राजनीति भी आरंभ हो गई। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने अपना समर्थन दे दिया। कांग्रेस ने कहा दिल्ली बॉर्डर पर बैरिकेडिंग, वाटर कैनन, दंगा नियंत्रण गाड़ियां और अमित शाह की पूरी पुलिस तैनात की गई। ऐसा प्रतीत होता है जैसे की उनको किसी आंतकवादी को रोकना या पकड़ना हो? किसान भूमि अधिग्रहण का उचित मुआवजा और फसल के सही दाम की मांग लेकर दिल्ली आकर सोती सरकार को जगाना चाहते हैं इसमें बुरा क्या है? वहीं, आम आदमी पार्टी की ओर से बयान आया जिसमें कहा गया कि राष्ट्र की राजधानी किसी की बपौती तो है नहीं? फिर किसान क्यों नहीं आ सकते? प्रधानमंत्री पर भी उन्होंने हमला किया। बोले, किसानों पर बर्बरता के नए आयाम रच रहे हैं प्रधानमंत्री। उनके दिल में अन्नदाताओं के लिए रत्ती भर सम्मान नहीं है। कांग्रेस का मानना है कि किसान अपनी जायज मांगों को लेकर दिल्ली आना चाहते हैं, उन्हें आने देना चाहिए, उनपर वाटर कैनन का प्रयोग करना गलत है। दरअसल, ऐसे मौकों पर विपक्ष का बिना सोचे समझे कूद पड़ना, 'आग में घी डालने' का काम कर जाता है। जबकि, उन्हें केंद्र सरकार पर दबाव बनाकर विकल्प और समाधान की ओर ध्यानाकर्षण करवाना चाहिए। ताकि सरकार आंदोलनकारियों से बात करने पर विवश हो? पर, दुर्भाग्य ऐसा हो नहीं पाता और न ही विपक्ष ऐसा प्रयास करता है।

संपादकीय

ड़ोनाल्ड़ ट्रंप की बेचैनी

डोनाल्ड़ ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में 20 जनवरी, 2025 को शपथ लेंगे लेकिन उन्होंने अभी से अपनी नीतियों और कार्यक्रमों पर अमल करना शुरू कर दिया है। ट्रंप ने अपने मंत्रिमंड़ल में ऐसे लोगों का चयन किया है जो घरेलू एवं विदेश मोर्चे पर उनकी नीतियों से सहमत हैं। अमेरिका की घरेलू आर्थिक नीतियों का दुनिया की सभी अर्थव्यवस्थाओं पर असर पड़ता है। वह अपने चुनाव सभाओं में कहा करते थे कि वह अमेरिकी हितों की रक्षा के लिएटैरिफ का इस्तेमाल करेंगे। ट्रंप ने कनाड़ा और मैक्सिको जैसे देशों से आने वाले सामानों पर 25 फीसद टैरिफ लगाने की घोषणा करके इन देशों की बेचैनी बढ़ा दी है। आर्थिक नीतियों का इस्तेमाल राजनीतिक और रणनीतिक लक्ष्य हासिल करने के लिएभी किया जाता है। यदि इन देशों से आने वाले सामानों पर आयात शुल्क बढ़ाते हैं तो यह इनके खिलाफ एक रणनीतिक कदम माना जाएगा। ट्रंप यहीं पर नहीं रुके, बल्कि अपनी संरक्षणवादी नीतियों को विस्तार देते हुए ब्रिक्स देशों को भी चेतावनी दी है कि वे ड़ॉलर का इस्तेमाल बंद कर-के नई करंसी लॉन्च करते हैं तो ब्रिक्स देशों पर 100 फीसद टैरिफ लगाया जाएगा।

ब्रिक्स की अफ्रीका में संपन्न शिखर वार्ता में ब्राजीली राष्ट्रपति लूला ड़िसिल्वा ने ब्रिक्स करंसी का सुझाव दिया था। ब्रिक्स करंसी के जरिए विश्व व्यवस्था पर वर्चस्व कायम करने वाले अमेरिकी ड़ॉलर का दबदबा खत्म हो सकता है। अमेरिका और पश्चिमी देशों के घटते प्रभाव के कारण विभिन्न महाद्वीपों के अनेक देश ब्रिक्स में शामिल होना चाहते हैं। जाहिर है कि ब्रिक्स अमेरिका के लिए बड़ी चुनौती बनकर उभर रहा है। ब्रिक्स की संभावित करंसी को लेकर ट्रंप की बेचैनी समझी जा सकती है। ट्रंप इस खतरे को अच्छी तरह समझ रहे हैं। हालांकि दुनिया में नई करंसी का प्रचलन बहुत जटिल और दुरुह प्रक्रिया है। इसी बात को ध्यान में रखकर ब्रिक्स देशों ने तय किया है कि फिलहाल नई करंसी के स्थान पर विभिन्न देशों की राष्ट्रीय करंसी में आपसी व्यापार किया जाए। लेकिन गौर करने वाली बात यह है कि यदि अमेरिका आपात शुल्क में बढ़त्तेतरी करता है तो उसके सहयोगी यूरोपीय देशों पर भी इसका विपरीत असर पड़ेगा। बड़ा सवाल है कि क्या ट्रंप अपने सहयोगी देशों को नाराज करके आयात शुल्क बढ़ाने की घोषणा को लागू कर पाएंगे। उनका पहला कार्यकाल विवादों से भरा हुआ था। क्या ड़ोनाल्ड़ ट्रंप का दूसरा कार्यकाल भी उनकी तुनकमिजाजी के लिए याद किया जाएगा।

चिंतन-मनन

मन को जगाएं

दूसरा महायुद्ध चल रहा था। भीषण बमवर्षा हो रही थी। पूरा लंदन नगर संत्रस्त था। सारे नगर में भय का साम्राज्य छाया हुआ था। पर उसी नगर में एक बूढ़ी महिला निश्चिंत रूप से सोती और निश्चिंत जागती। आस-पास के लोगों की नींद पूरी तरह गायब हो चुकी थी। वे न सुख से सो पाते और न सुख से जाग पाते। दूसरे सभी जागते, किन्तु बुढिया निश्चिंत सोती, गहरी नींद लेती। लोगों ने बुढिया से पूछा, मां! क्या बात है? सारा नगर भय से आप्रान्त है। यहां कोई भी सुख की नींद नहीं सो सकता। तुम कैसे सुखपूर्वक सो जाती हो? इसका रहस्य क्या है? बुढिया ने कहा, बेटा! इसका रहस्य यही है कि मेरा प्रभु सदा जागता है। फिर मैं क्यों जागती रहूं? दो को जागने की जरूरत नहीं है। यह सच है। जब मन जाग जाता है, फिर कोई जागे या न जागे, कोई जरूरत नहीं है। किसी को जगाने की भी जरूरत नहीं है। वास्तविकता तो यह है कि मन के जगाने पर कोई सोया रह नहीं सकता। सबको जागना ही पड़ता है। एक के जागने पर सब जाग जाते हैं। एक के सोने पर सब सो जाते हैं। मन का मार्ग बहुत लम्बा-चौड़ा और दीर्घ है। वह एक क्षण में सारी दुनिया का चक्कर लगा सकता है। मन को साधने के बाद उसका भटकाव मिट जाता है, प्रमाद मिट जाता है, सोने की आदत मिट जाती है। फिर वह पूर्ण अनुशासित हो जाता है, नियंत्रित हो जाता है। जागरूकता का विकास सिद्धान्त को जानने मात्र से नहीं होता। उसका विकास तब होता है, जब साधक उचित दिशा में जागरूकता का अभ्यास करे।

बांग्लादेश के सत्ता संघर्ष में भारत और हिंदू मोहरा बने?

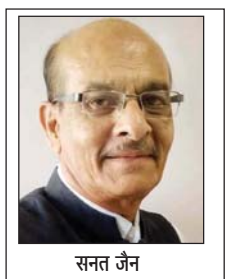

सनत जैन

बांग्लादेश की पूर्व राष्ट्रपति शेख हसीना को भारत सरकार ने पनाह दे रखी है। जिस तरह से उन्होंने धांधली कर चुनाव जीता था, उसके बाद से ही उनके खिलाफ बांग्लादेश में वातावरण बनने लगा था। रही सही कसर अदानी समूह के साथ बिजली समझौते ने बांग्लादेश की राजनीति और सत्ता संघर्ष को बढ़ाने का काम किया। कहा जाता है, शेख हसीना ने इस समझौते में भारी भ्रष्टाचार करते हुए बिजली का अनुबंध किया था। बांग्लादेश में चुनाव जीतने के लिए जिस तरह से चुनाव कराए गए थे। विपक्षियों को चुनाव में भाग लेने से रोका गया था। उसके बाद से ही शेख हसीना को बांग्लादेश में चारों तरफ से चुनौतियां मिलना शुरू हो गई थी। वह तानाशाही की तरफ बढ़ती चली जा रही थीं। विपक्षियों का दमन किया जा रहा था। महंगाई और बेरोजगारी जैसे मामलों में शेख हसीना सरकार की उपेक्षा के परिणाम स्वरूप छात्र आंदोलन सड़कों पर आ गया। आंदोलनकारी छात्रों के ऊपर गोलियां चलाई गई। इससे माहौल बुरी तरह से बिगड़ गया। एक समय ऐसा भी आया, जब शेख हसीना को अपनी जान बचाकर बांग्लादेश से भागना पड़ा। उन्होंने भारत में शरण ली। भारत में शरण लेने के बाद वह निरंतर यूनुस सरकार पर हमलावर हैं। जिसके कारण बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में तनाव बढ़ता चला जा रहा है। इसका असर बांग्लादेश में रह रहे हिंदुओं और भारत के संबंधों पर पड रहा है। शेख हसीना के समय बांग्लादेश में जिस तरीके का नरसंहार हुआ था। पुलिस और सेना ने आम नागरिकों के ऊपर जिस तरह के अत्याचार किए थे। हाल ही में शेख हसीना ने नरसंहार के लिए उस समय के निर्वासित नेता यूनुस को जिम्मेदार ठहराने वाला बयान दिया है। 4 माह पहले शेख हसीना बांग्लादेश से जान बचाकर भारत में शरण ली है। वह भारत में बैठकर जिस तरीके के बयान लगातार दे रही हैं। उसके कारण भारत के बांग्ला देश के साथ संबंध लगातार खराब हो रहे हैं। अदानी का बिजली वाला समझौता भी बांग्लादेशी नागरिकों को यह बता रहा है। महंगी दरों पर बिजली खरीद करके शेख हसीना ने भारी भ्रष्टाचार किया था। शेख हसीना के भ्रष्टाचार की चर्चा घर-घर में हो रही है। शेख हसीना को बचाने के लिए भारत सरकार अपने राजनायिक रिश्तो को बलि पर चढ़ा दिया है। बांग्लादेश के साथ संबंधों को सामान्य बनाने के स्थान पर, शेख हसीना को बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में हस्तक्षेप करने का अवसर भारत सरकार द्वारा दिया जा रहा है। वर्तमान स्थिति में जिस तरह से भारत सरकार को बांग्लादेश के साथ अपने संबंधों को बेहतर बनाने की दिशा में जो प्रयास करना चाहिए। बांग्लादेश सरकार से बातचीत करके मामले को सुलझाने की पहल करनी चाहिए। उसके स्थान पर भारत बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के खिलाफ अघोषित रूप से एक पार्टी बनकर उभर रही है। भारत में अल्पसंख्यक मुसलमानो के साथ जिस तरह का व्यवहार हो रहा है। उसकी प्रतिक्रिया अब बांग्लादेश में भी देखने को मिल रही है। जिसके कारण बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ नरसंहार की एक नई शुरूआत देखने को मिल रही है। जो इसके पहले कभी भी बांग्लादेश में नहीं थी। इस्कॉन मंदिर अभी तक किसी राजनीति में नहीं रहता था। बांग्लादेश में इस्कान मंदिर के स्वामी ने जिस तरह का बयान दिया। उसे कहीं से भी न्याय संगत नहीं ठहराया जा सकता है। इस्कान मंदिर हमेशा प्रेम और सद्भाव के कारण सारी दुनिया में तेजी के साथ फैला। बांग्लादेश में वह भी विवादित बन गया है। अंतरिम सरकार के राष्ट्रपति मोहम्मद यूनुस हिंदुओं की सुरक्षा को लेकर भारत की चिंता को प्रोपेगेंडा बता रहे हैं। उन्होंने कहा, उनके पास इसके ठोस आधार हैं। उन्होंने शेख हसीना पर गंभीर आरोप लगाते हुए प्रत्यापन की मांग की है। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देशों के बीच में प्रत्यावर्तन संधि का समझौता है। भारत को इसका पालन करना चाहिए। भारत सरकार को बांग्लादेश के साथ अपने संबंधों को सामान्य और बेहतर बनाने की दिशा में काम करने की जरूरत है। भारत सरकार इस मामले को हिंदू और मुसलमान के एंगल से देखकर शेख हसीना को बचाने के चक्कर में खुद एक पार्टी बन गईं है। जिससे भारत की सुरक्षा व्यवस्था और अन्य मामलों में पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को लेकर दूरियां बनना शुरू हो गई हैं। यह स्थिति चिंताजनक है। हाल ही में भारत के कई हिस्सों में बांग्लादेश के खिलाफ प्रदर्शन हुए हैं। भारत में बांग्लादेश के सत्ता संघर्ष को हिंदू-मुस्लिम एंगल से देखा जा रहा है। कहीं ना कहीं भारत सरकार की विदेश नीति में पहली बार यह गड़बड़ी होते हुए देखी जा रही है। भारत सरकार बांग्लादेश के साथ सीधी बात क्यों नहीं कर रही है। इसको लेकर भी तरह-तरह की चचाएं होने लगी हैं। शरणार्थी के रूप में शेख हसीना भारत में रह रही हैं। कम से कम उन्हें बयान देने से भारत सरकार द्वारा रोका जाना चाहिए। यदि यह संदेश बांग्लादेश में जा रहा है, कि शेख हसीना भारत में रहते हुए बांग्लादेश की सरकार को अस्थिर करने का प्रयास कर रही हैं। भारत से बैठकर वह बांग्लादेश की राजनीति कर रही हैं। भारत सरकार का उन्हें समर्थन प्राप्त हो रहा है। ऐसी स्थिति में बांग्लादेश और भारत के संबंधों को सामान्य नहीं बनाया जा सकता है। वर्तमान स्थिति में बांग्लादेश में रह रहे हिंदुओं को सुरक्षित कर पाना संभव नहीं होगा। भारत में जिस तरह से मुसलमानो के धार्मिक क्षेत्रों की खुदाई की जा रही है। जगह-जगह सर्वे की शुरूआत हो चुकी है। भारत में अल्पसंख्यक मुसलमानो के साथ जिस तरह का व्यवहार हो रहा है। इसका असर भी बांग्लादेश के हिंदुओं पर पडता हुआ दिख रहा है। भारत सरकार को बड़ी गंभीरता से वर्तमान स्थिति को देखते हुए बांग्लादेश के साथ अपने राजनीतिक और कूटनीतिक संबंधों को बेहतर बनाने की दिशा में आगे बढ़ना होगा। अन्यथा बांग्लादेश के साथ-साथ भारत में भी कानून व्यवस्था की स्थिति दिनों दिन खराब हो सकती है। इस बात का भी ध्यान भारत सरकार को रखना होगा। जब तक शेख हसीना भारत में शरण लेकर रह रही हैं। भारत सरकार को उनको भी अनावश्यक बयान देने से नियंत्रित करने की जरूरत है। यहां रहते हुए वह इस तरह का कोई बयान नहीं दें। शेख हसीना के बयान से दोनों देशों के संबंधों पर विपरीत असर पड़े। होना तो यह चाहिए, भारत सरकार को शेख हसीना को किसी ऐसे देश में शरण दिलाने की दिशा में प्रयास करने चाहिए। शेख हसीना भारत में नहीं रहेगी, तभी भारत और बांग्लादेश के संबंध सामान्य हो सकते हैं। भारत और बांग्ला देश पड़ोसी देश हैं। भारत सरकार जितनी जल्दी बांग्लादेश के आंतरिक विवाद से दूर होगी, उतनी ही जल्दी भारत सरकार और बांग्लादेश के संबंध सामान्य हो सकते हैं। बांग्लादेश में रह रहे हिंदू भी सुरक्षित होंगे। भारत सरकार को इस विषय पर गंभीरता से चिंतन करते हुए अपने संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में काम करने की आवश्यकता है। भारत को बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में दखल देने के स्थान पर अपने हितों को सुरक्षित करने को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी।

शेयर बाजारः गिरावट का गुणा गणित

राहुल लाल

भारतीय शेयर बाजार पिछले कुछ समय से लगातार गिरावट का रुख है और बेंचमार्क निफ्टी और स्मॉलकैप 100 अपने सार्वकालिक उच्चतम स्तर से 10 फीसद से ज्यादा टूट चुके हैं। बाजार कमजोर नतीजों और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की बिकवाली का पहले से दबाव झेल रहा था। इस बीच, खुदरा मुद्रास्फीति में तेजी और डॉलर में मजबूती ने चिंता बढ़ा दी है। बाजार के उच्चतम स्तर से 10 फीसद से ज्यादा फिसलने को ही 'तकनीकी रूप से गिरावट' कहा जाता है।

डॉलर में मजबूती और अमेरिकी बॉन्ड में तेजी के मद्देनजर विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) भारत से अपना निवेश लगातार निकाल रहे हैं। अक्टूबर में विदेशी निवेशकों ने 94,017 करोड़ डॉलर की निकासी की तो नवम्बर में 21,612 डॉलर की। अमेरिकी फेड रेट में कटौती के बाद से ही एफपीआई में निकासी जारी है। बीते माह चीन सरकार ने स्पेशल राहत पैकेज का ऐलान कर अर्थव्यवस्था को बूस्ट देने की कोशिश की। इस राहत पैकेज ने भी विदेशी निवेशकों को आकर्षित किया। इसलिए विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से पैसा निकाल कर अमेरिका और चीन के बाजार में निवेश करना शुरू कर दिया। विदेशी निवेशकों ने शेयर बाजार से दूरी बनाई तो घरेलू निवेशकों ने शेयर बाजार में मोर्चा संभाला। लेकिन चिंता की बात यह है कि घरेलू निवेशकों में काफी ऐसे हैं, जिन्हें शेयर बाजार और अर्थव्यवस्था की मोटी-मोटी जानकारियां नहीं हैं। कड़वी सच्चाई है कि शेयर बाजार से 90 फीसद से ज्यादा रिटेलर पैसे नहीं बना पाते, बल्कि अपनी मेहनत से कमाए पैसे गंवा जरूर देते हैं। रिटेल निवेशकों को समझना होगा कि अभी जब निजी इक्विटी फर्म, प्रवर्तक इकाइयां इत्यादि शेयर बाजार से दूरी बना रही हैं, तब वे बिना रिसर्च किए शेयर बाजार में निवेश करेंगे, तो उनका निवेश कैसे सुरक्षित रह सकता है?

शेयर बाजार काफी जोखिम भरा होता है, एक छोटी सी गलती निवेशक को भारी नुकसान पहुंचा सकती है। आज सोशल मीडिया पर कई इनफ्लुएंसर ज्ञान देते हैं कि किस शेयर में निवेश करना चाहिए। हमें इनसे प्रभावित होकर निवेश नहीं करना चाहिए। जब भी किसी कंपनी के शेयर खरीदें, तो आपको उस कंपनी के बारे में गहन रिसर्च करनी चाहिए। शेयर बाजार में कई कंपनियों में उतार-चढ़ाव कृत्रिम किस्म का होता है, जिसमें बड़े खिलाड़ी तो लाभ लेकर निकल जाते हैं, परंतु छोटे खुदरा निवेशक बर्बाद हो जाते हैं। सरकार और सेबी जैसे नियामकों के लिए आवश्यक है कि शेयर बाजार में कृत्रिम उतार-चढ़ाव को लेकर सदैव सख्त रहें। छोटे निवेशकों की पूंजी न डूबे, इसके लिए सेबी और सरकार को भी कुछ सेफगार्ड बनाने चाहिए। निवेशकों को शेयर बाजार और अर्थव्यवस्था की बारीकियों की सीख देने के लिए भी सेबी को गंभीरता से कदम उठाने चाहिए। निवेशकों को भी अर्थव्यवस्था की विभिन्न चुनौतियों को समझने का प्रयास करना चाहिए। उदाहरण के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था इस समय एक ओर महंगाई और दूसरी ओर सुस्त होती रफ्तार से जूझ रही है। आरबीआई के लिए आवश्यक है कि महंगाई को 6प्र. के दायरे में रखे जबकि इस समय खुदरा महंगाई दर 6.2 प्रतिशत है। आरबीआई इस दृष्टि से ब्याज दरों में कटौती नहीं कर सकता। ब्याज दरों में कटौती करेगा, तो महंगाई और बढ़ जाएगी। दूसरी तरफ, इस वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर केवल 5.4 फीसदी रही, जो 7 तिमाहियों में सबसे कम है। इस समय अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने के लिए सस्ते कर्ज की जरूरत है, जिसके लिए आरबीआई को ब्याज दर में कटौती करनी होगी परंतु महंगाई दर के कारण यह संभव नहीं। ब्याज दरें कम नहीं हुई तो आर्थिक सुस्ती जल्द ही आर्थिक मंदी की ओर अग्रसर हो जाएगी। कुल मिला कर ब्याज दरें घटाने की गुंजाइश सीमित होना अर्थव्यवस्था और शेयर बाजार के लिए अच्छी खबर नहीं है। ऐसे में निवेशकों को परिस्थितियों के अनुसार निवेश की योजना बनानी चाहिए। शेयर बाजार में जो हाहाकार मचा है, उसमें विदेशी निवेशकों की भारी-भरकम निकासी भी प्रमुख कारण है। स्पष्ट है कि भारत को टिकाऊ स्तर पर उच्च निवेश की आवश्यकता है, ताकि लंबी अवधि तक देश ऊंची वृद्धि दर हासिल कर सके। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने जिस तरह उच्च स्तर पर निकासी की है, उससे बचने के लिए आवश्यक है कि अर्थव्यवस्था के सभी उच्चतर संकेतकों को मजबूत रखा जाए। देश विकास के जिस चरण में है, वहां हमारी घरेलू बचत 'जीडीपी वृद्धि' के लिए पर्याप्त नहीं है। ऐसे में विश्व से टिकाऊ पूंजी जुटाने की जरूरत है। भारत में आने वाली विदेशी पूंजी कई लक्ष्यों के साथ आती है। उदाहरण के लिए कुछ एफपीआई केवल भारत और अमेरिका की ब्याज दरों के अंतर का लाभ उठाने के लिए आते हैं। ऐसे निवेश अल्पकालिक प्रकृति के हो सकते हैं, और बहुत जल्दी वापस चले भी जाते हैं।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ 09 पटना झ 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

राजकुमार राव ने आदित्य निंबालकर के साथ मिलाया हाथ, इस ओटीटी पर रिलीज होगी फिल्म

बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव ने इस साल कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया और अपनी दमदार अदाकारी से दिल जीता। वे मिस्टर एंड मिसेज माही के बाद स्त्री 2 में श्रद्धा कपूर के साथ नजर आए, जिसकी सफलता का जश्न उन्होंने खूब धूमधाम से मनाया था। वे आखिरी बार विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में तृप्ति डिमरी के साथ नजर आए। हालांकि, यह फिल्म कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। वहीं, अब राजकुमार राव की नई फिल्म को लेकर दिलचस्प जानकारी सामने आई है।

अभिनय के साथ करेंगे फिल्म का निर्माण

रिपोर्ट्स के अनुसार, राजकुमार राव ने अपनी नई फिल्म के लिए निर्देशक आदित्य निंबालकर के साथ हाथ मिलाया है। आदित्य निंबालकर फिल्म सेक्टर 36 का निर्देशन कर चुके हैं। यह नेटफ्लिक्स की ओरिजिनल फिल्म होगी। रिपोर्ट में दावा किया गया कि राजकुमार राव निर्देशक आदित्य निंबालकर द्वारा निर्देशित इस अनाम फिल्म के साथ निर्माता बनने जा रहे हैं।

वहीं, फिल्म की कहानी की बात करें तो यह एक हत्या की पृष्ठभूमि पर आधारित एक डार्क कॉमेडी है। राजकुमार राव को यह विषय इतना पसंद आया कि उन्होंने इसे खुद ही प्रोड्यूस करने का फैसला किया। अभिनेता ने एक निर्माता की जिम्मेदारी ली और फिर नेटफ्लिक्स के साथ डायरेक्ट-टू-डिजिटल डील पर साझेदारी की।

कहा गया कि राजकुमार राव इस अभी तक बिना शीर्षक वाली नेटफ्लिक्स ओरिजिनल फिल्म की शूटिंग जनवरी 2025 में शुरू करेंगे और फिल्म का प्रीमियर अगले साल के अंत तक प्लेटफॉर्म पर होगा। सभी को विषय पसंद आया है और डिजिटल माध्यम पर फिल्म की संभावनाओं को लेकर सभी उत्साहित हैं। यह फिल्म हत्या की जांच की कहानी को दिखाएगी, जिसकी पटकथा काफी दिलचस्प होगी।

राजकुमार की आने वाली फिल्में

इस फिल्म में राजकुमार राव अब अभिनय के साथ-साथ इसके सह-निर्माता भी बनेंगे। आदित्य निंबालकर निर्देशित इस फिल्म के अलावा राजकुमार राव को एक और फिल्म के लिए भी साइन किया है। इस बारे में जल्द ही ज्यादा जानकारी सामने आएगी। वहीं, बात करें अभिनेता की आने वाली फिल्मों के बारे में तो वह पुलकित द्वारा निर्देशित मालिक में नजर आएंगे, जिसकी शूटिंग फिलहाल जारी है।

फिल्मों में अलग किरदार निभा कोंकणा सेन शर्मा ने अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया

बॉलीवुड इंडस्ट्री में कोंकणा सेन शर्मा को उनकी बेहतरीन अदाकारी के लिए जाना जाता हैं। उन्होंने अपने बहुमुखी अभिनय के लिए हर जगह प्रशंसा बटोरी है। नेशनल अवॉर्ड जीत चुकी कोंकणा अपना 44वां जन्मदिन मना रही हैं। कोंकणा ने बचपन से ही अभिनय करना शुरू कर दिया था। इस अभिनेत्री ने 1983 की फिल्म इंदिरा में एक बाल कलाकार के रूप में अपने अभिनय की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने जितनी भी फिल्में कीं, उनमें अपने अभिनय की अलग दमदार छाप छोड़ी। उन्होंने हर फिल्म में अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया है। ऐसे में चलिए जानते हैं कोंकणा की कुछ बेहतरीन भूमिकाओं के बारे में।

तलवार

तलवार मोटे तौर पर 2008 के नोएडा दोहरे हत्याकांड पर आधारित थी, जिसमें एक किशोरी और उसके परिवार का नौकर शामिल था। यह फिल्म एक मामले की तीन अलग-अलग दृष्टिकोणों से जांच की कहानी को दिखाती है, जिसमें पुलिस जांच में उसके माता-पिता हत्या के आरोपों में या तो दोषी पाए जाते हैं या निर्दोष। कोंकणा सेन शर्मा ने फिल्म में एक मां की भूमिका निभाई है। इसमें इरफान खान और नीरज काबी भी मुख्य भूमिका में हैं।

ओमकारा में इंदु त्यागी के रूप में

कोंकणा सेन शर्मा ने विशाल भारद्वाज की प्रतिष्ठित फिल्म ओमकारा में इंदु त्यागी की भूमिका निभाई थी। एक गांव की साधारण महिला कोंकणा सेन शर्मा ने चरित्र की गहराई में उतर कर उसकी भाषा और बोली पर पूरी पकड़ बना ली, साथ ही चरित्र के लिए अपेक्षित व्यवहार और मासूमियत भी हासिल कर ली। वह एक घरेलू दर्शक से एक ऐसी महिला में बदल जाती हैं, जो अपने जीवन की जिम्मेदारी स्वयं उठाती है।

मिस्टर एंड मिसेज अय्यर में बनीं मीनाक्षी अय्यर

कोंकणा सेन शर्मा के करियर की शुरुआती फिल्मों में से एक में उन्होंने एक तमिल ब्राह्मण महिला की भूमिका में अपनी अभिनय क्षमता का प्रदर्शन किया, जो गर्व, खुशी और दर्द को अत्यंत स्पष्ट तरीके से व्यक्त करती है। फिल्म के कई दृश्यों में यह बात स्पष्ट है कि वह बिना कोई संवाद बोले सिर्फ अपने हाव-भाव से ही आपके दिल पर वार कर सकती हैं।

पेज 3 में माधवी शर्मा के रूप में कोंकणा

कोंकणा सेन शर्मा की अब तक की सर्वश्रेष्ठ भूमिकाओं में से एक मधुर भंडारकर की फिल्म पेज 3 में एक महत्वाकांक्षी पत्रकार की भूमिका है। यह फिल्म अपने समय से बहुत आगे थी और इसमें हिंदी फिल्म उद्योग के अंधेरे पक्ष को शानदार ढंग से दिखाया गया था, जिसमें कोंकणा सेन शर्मा केंद्र में थे। उनका चरित्र उनके जीवन की मुश्किलों को दर्शाता है। इसमें अतुल कुलकर्णी, संध्या मृदुल, तारा शर्मा, अंजू महेंद्रू और बोमन ईरानी भी हैं। 2005 में रिलीज हुई इस फिल्म ने तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीते। पेज 3 का निर्देशन मधुर भंडारकर ने किया था और बॉबी पुष्करना और कविता पुष्करना ने इसका निर्माण किया था।

करण औजला म्यूजिक कॉन्सर्ट के लिए देश आने की कर रहे तैयारी, नए गाने को लेकर भी दी जानकारी

करण औजला भारतीय सिंगर है, वह अपने पंजाबी गानों के लिए देश भर में मशहूर है। वैसे वह ज्यादातर कनाडा में रहते हैं। जल्द ही उनका भारत के कई शहरों में म्यूजिक टूर होने वाला है। इस बात को लेकर वह काफी उत्साहित हैं। अपने भारत आने की तैयारियों को वह अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए फैंस के साथ साझा कर रहे हैं। कुछ देर पहले भी उन्होंने इंस्टाग्राम की स्टोरी सेक्शन में एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह पैकिंग करते हुए नजर आ रहे थे।

म्यूजिक कॉन्सर्ट को लेकर हैं खुश

करण औजला ने जो वीडियो अपने सोशल मीडिया अकांउट पर शेयर किया है, उसमें वह काफी खुश नजर आ रहे हैं। वह वीडियो में अपने दोस्तों से पूछ रहे हैं कि किस तरह के कपड़े पैक करें। इसके बाद वह लगेज बैग के साथ नजर आते हैं। हर वीडियो में भारत का झड़ा उन्होंने टैग किया हुआ है। करण जल्द ही भारत पहुंच जाएंगे। देश के आठ शहरों में वह अपना म्यूजिक कॉन्सर्ट करने वाले हैं।

नए गाने की जानकारी भी दी

इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए ही करण औजला ने अपने नए गाने की जानकारी भी दी है। वह टी सीरीज के साथ एक गाना कर रहे हैं, जो कि पांच तारीख को रिलीज होगा। इस गाने का नाम 'आए हाय' है। अपने नए गाने को लेकर भी करण काफी खुश हैं।

तौबा-तौबा पर अब तक झूम रहे हैं लोग

करण औजला का गाना 'तौबा-तौबा' इसी साल विक्की कौशल की फिल्म 'बैड न्यूज' में सुनने को मिला था। शादियों के इस सीजन में भी लोग करण के इस गाने पर झूम रहे हैं। करण के म्यूजिक कॉन्सर्ट में भी फैंस को यह गाना जरूर सुनने को मिलेगा। करण का यह टूर 7 दिसंबर से लेकर 21 दिसंबर तक होगा। इस म्यूजिक टूर का नाम 'इट वाज ऑल ए ड्रीम' है। चंडीगढ़, दिल्ली, मुंबई के अलावा कुछ और शहरों में भी करण का म्यूजिक कॉन्सर्ट होगा।

दर्शकों को हैरान कर देंगे

सूत्रों के अनुसार करण अपने म्यूजिक टूर की तैयारियां लगभग एक साल से कर रहे थे। इस टूर के जरिए वह पंजाबी कल्चर और इंडियन म्यूजिक को सेलिब्रेट करना चाहते हैं। साथ ही म्यूजिक टूर में वह अपने फैंस को कोई बड़ा सरप्राइज भी देने वाले हैं।

रिटायरमेंट नहीं, कुछ समय के लिए ब्रेक लेना चाहता हूं

विक्रांत मैसी अपने रिटायरमेंट को लेकर सुर्खियों में छाए हुए हैं। इस बीच अभिनेता का बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने स्पष्ट किया है कि वह रिटायरमेंट नहीं, बल्कि कुछ दिनों के लिए ब्रेक लेने जा रहे हैं। 'द साबरमती रिपोर्ट' फेम विक्रांत मैसी का लेटेस्ट बयान सामने आया है। अभिनेता ने नए बयान में कहा, मेरे लिए एक्टिंग ही सब कुछ है। आज मेरे पास जो कुछ भी है, वह मुझे एक्टिंग ने ही दिया है। मेरे मेंटल और फिजिकल हेल्थ पर इसका बहुत असर पड़ रहा है। ऐसे में मैं बस कुछ समय के लिए ब्रेक लेना चाहता हूं, मैं अपने स्किल को और बेहतर बनाना चाहता हूं। थोड़ा ब्रेक चाहता हूं। अभिनेता ने कहा, मेरे पोस्ट का गलत अर्थ निकाला गया है कि मैं एक्टिंग की दुनिया छोड़ रहा हूं या इससे रिटायरमेंट ले रहा हूं। मैं अपने परिवार और स्वास्थ्य पर ध्यान देने के लिए कुछ समय के लिए ब्रेक लेना चाहता हूं, जब सही समय लगेगा तो मैं वापस आ जाऊंगा। उन्होंने लिखा, हैलो, पिछले कुछ साल और उससे आगे का समय मेरे लिए काफी शानदार रहा है। मैं आप सभी को समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं। लेकिन,

जैसे-जैसे मैं आगे बढ़ रहा हूं, मुझे एहसास हो रहा है कि यह समय फिर से संभलने और एक पति, पिता, बेटे और अभिनेता के रूप में घर वापस जाने का है। इसलिए, साल 2025 में हम एक-दूसरे से आखिरी बार मिलेंगे। जब तक समय सही न लगे। एक बार फिर से धन्यवाद, हर चीज के लिए आप सभी का हमेशा आभारी रहूंगा। विक्रांत मैसी अपनी हालिया रिलीज 'द साबरमती रिपोर्ट' की सफलता का आनंद उठा रहे हैं। मैसी की 'जीरो से रीस्टार्ट' भी 20 दिसंबर को रिलीज के लिए तैयार है।

बिग बॉस 18 में होगी

शालिनी पासी की वाइल्ड कार्ड एंट्री

बिग बॉस 18 में शालिनी पासी वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर एंट्री करने जा रही हैं। वह इस हफ्ते बुधवार और गुरुवार को शूट करेंगी। एक्ट्रेस 'फैबुलस लाइफ्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स से सुर्खियों में आईं हैं। शालिनी पासी को 'फैबुलस लाइफ्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स शो से काफी पहचान मिली है। इस शो ने उन्हें एक नया फेम और ऑडियंस के बीच पॉपुलैरिटी दिलाई है। ऑडियंस अब बिग बॉस में उनके एंट्री को लेकर काफी उत्साहित हैं। ओरी जैसे रोल में नजर आएंगी रिपोर्ट्स के मुताबिक, शालिनी का रोल बिग बॉस 18 में पिछले सीजन के ओरी जैसा हो सकता है, जिसने शो में अपने अंदाज और ड्रामा से ऑडियंस को काफी अट्रैक्ट किया था। शालिनी का किरदार और भी इंट्रिगिंग हो सकता है। शालिनी पासी को रियलटी शो फैबुलस लाइफ्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स का अनुभव है। ऐसा माना जा रहा है कि उनका ये अनुभव इस बार बिग बॉस में उन्हें कॉन्फिडेंस और रणनीति से गेम खेलने में मदद करेगा। शालिनी की एंट्री के बाद बिग बॉस में नए ट्विस्ट और ड्रामा का माहौल बन सकता है। उनके आने से शो में कुछ नया देखने को मिल सकता है, जो ऑडियंस को शो से जोड़े रखेगा। सूत्रों का मानना है कि बिग बॉस में उनकी एंट्री उनके करियर में एक नया मोड़ ला सकती है।

इस सीजन में पहले भी हुई वाइल्ड कार्ड एंट्री

सलमान खान के रिएलिटी शो बिग बॉस में सबसे पहले दिग्विजय राठी और कशिश कपूर की बतौर वाइल्ड कार्ड एंट्री हुई। उसके बाद एडिन रोज, अदिति मिस्त्री और यामिनी मल्होत्रा भी शो में बतौर वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट शामिल हुईं।

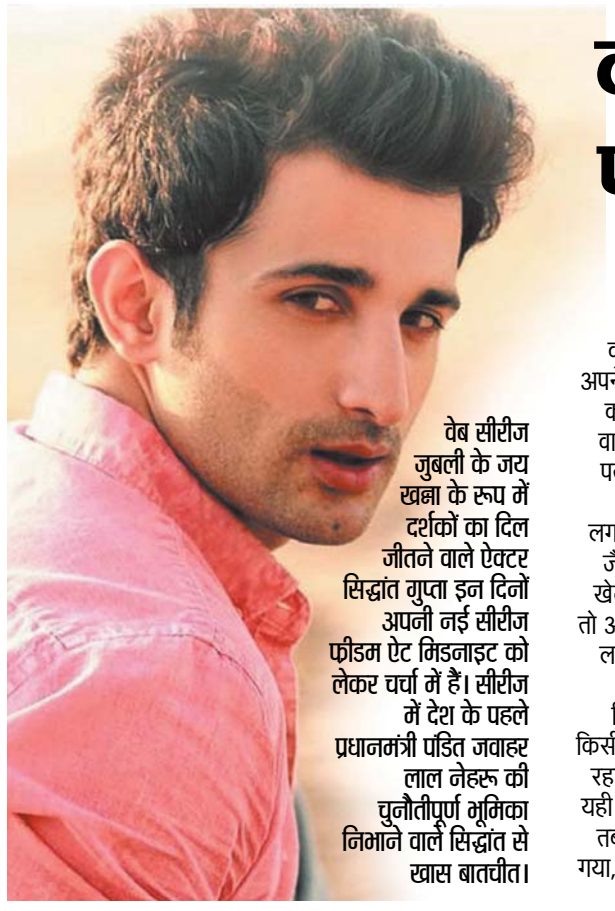

कभी क्रिकेट खेला, कभी पायलट की ट्रेनिंग ली पर मैं टिका किसी में नहीं

वेब सीरीज जुबली के जय खन्ना के रूप में दर्शकों का दिल जीतने वाले ऐक्टर सिद्धांत गुप्ता इन दिनों अपनी नई सीरीज फीडम ऐट मिडनाइट को लेकर चर्चा में हैं। सीरीज में देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाने वाले सिद्धांत से खास बातचीत।

कभी अंडर 14 क्रिकेट में राष्ट्रीय स्तर पर अपने राज्य जम्मू-कश्मीर का प्रतिनिधित्व तो कभी दिल्ली में पायलट बनने की ट्रेनिंग लेने वाले सिद्धांत बताते हैं, मुझे बहुत टाइम तक पता नहीं था कि मुझे जिंदगी में करना क्या है। बचपन में क्रिकेट का शौक था। मुझे लगता था कि मैं खेलने के लिए पैदा हुआ हूं, जैसे ज्यादातर बच्चों को लगता है। नैशनल खेलने के लिए स्कूल से छुट्टी मिल जाती थी तो अंडर 14 क्रिकेट में खेला, मगर ऐसा नहीं लगा कि मैं सारी जिंदगी यही करना चाहता हूं। फिर, अंडर 17 में बास्केटबॉल और स्विमिंग में भी भागीदारी की, पर मैं टिका किसी में नहीं। दिल्ली में पायलट की पढ़ाई कर रहा था, वहीं मॉडलिंग करने लगा। उसमें भी यही लगा कि मैं ये पूरी उम्र नहीं कर सकता। तब सोचा कि आगे क्या करूं? तो मुंबई आ गया, यहां ऐक्टिंग की शुरुआत हुई, मगर तब भी ये नहीं लगा कि यही मेरी जिंदगी है।

लंदन के उस वर्कशॉप ने बदली लाइफ

सिद्धांत अपने ऐक्टिंग करियर के टर्निंग पॉइंट के बारे में बताते हैं, मैं जब टीवी से फिल्मों में आने की कोशिश कर रहा था, तब फिल्म भूमि में एक कैमियो किया था। वो फिल्म मेरी नहीं थी, फिल्म चली भी नहीं, तब मुझे लगा कि मैं क्या कर रहा हूं? क्यों कर रहा हूं? अगर मुझे वाकई ऐक्टिंग करना है तो या इस सवाल का जवाब ढूंढ लूं कि यह क्यों करना है या फिर कोई और काम ढूंढ लूं, क्योंकि एक ही जिंदगी है। तब मैं एक महीने के लिए सबसे दूर अकेले लंदन चला गया। वह मेरी जिंदगी का पहला सोलो ट्रिप था। वहां मैं एक ड्रामा स्कूल से जुड़ गया, वर्कशॉप करने लगा और वहां मैंने पहली बार आर्ट का जादू महसूस किया। मेरे लिए वह वर्कशॉप टर्निंग पॉइंट रहा।

पंडित नेहरू का रोल निभाना बड़ी चुनौती

सीरीज फीडम ऐट मिडनाइट में पंडित जवाहर लाल नेहरू की चुनौतीपूर्ण भूमिका से जुड़ने और उसमें ढलने के बाबत सिद्धांत ने बताया, जुबली के बाद मैं एक चैलेंजिंग रोल ढूंढ रहा था, जो मुझे मिल नहीं रहा था। ऐसे में, जब निखिल अडवानी सर ने मुझे पंडित जवाहरलाल नेहरू के रोल में चुना तो मुझे खुद यकीन नहीं था कि मैं इसे ठीक से निभा पाऊंगा या नहीं। यह बहुत बड़ा किरदार है। वह इंसान नहीं, एक इमोशन हैं। इसलिए, यह एक बड़ी जिम्मेदारी थी लेकिन निखिल सर ने कहा कि मैं उनकी पहली पसंद हूं, तो मेरा भरोसा भी बढ़ गया। ऐसे डायरेक्टर्स की यही खूबी होती है कि वे आप पर भरोसा करते हैं। वह विक्रमादित्य मोटवाने हों या निखिल अडवानी, दोनों ने मुझे खुला छोड़ दिया कि तुम्हें जो ठीक लगता है, वो करो। हालांकि, इस बार चुनौती ज्यादा बड़ी थी और मेरे पास तैयारी के लिए महज दो महीने थे। मैंने यूट्यूब पर पंडित नेहरू के काफी विडियो देखे। उनकी लिखी किताबें पढ़ी ताकि उनकी सोच को समझ सकूं।

चंकी पांडे ने की अनन्या की तारीफ

बॉलीवुड अभिनेता चंकी पांडे ने अपनी बेटी अनन्या पांडे की तारीफ की है। खो गए हम कहां के लिए बेस्ट एक्टर फीमेल का अवॉर्ड मिला है। सोशल मीडिया पर उन्होंने कहा, मुझे तुम पर बहुत गर्व है। खो गए हम कहां के लिए फिल्म फेयर बेस्ट एक्टर अवॉर्ड इस पोस्ट पर अनन्या पांडे के प्रशंसकों ने प्रतिक्रिया दी है। चंकी पांडे अक्सर अपनी बेटी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करते रहते हैं। उन्होंने इस पोस्ट में अनन्या पांडे की तस्वीर साझा की है, इस में वे फिल्म फेयर अवॉर्ड लिए नजर आ रही हैं।

पुरुष जूनियर एशिया कप: भारत ने पाकिस्तान को 5-3 से हराकर जीता खिताब

मस्कट, (एजेंसी)। अराएजीत सिंह हुंदल के चार गोलों की बदौलत भारत ने बुधवार को पुरुष जूनियर एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को 5-3 से हराकर अपना खिताब बरकरार रखा। इसी के साथ भारत पांचवीं बार यह टूर्नामेंट जीतने वाली पहली टीम बन गई हैं। आज यहां ओमान के मस्कट खेले गये फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान के लिए हन्नान शाहिद ने मैच के तीसरे मिनट में गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके एक मिनट बाद भारत के अराएजीत सिंह हुंदल ने पेनल्टी कार्नर की मदद से चौथे मिनट में गोल कर स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया।

इसके बाद भारत के अराएजीत सिंह हुंदल ने एक बार फिर कमाल करते हुए दूसरे क्वार्टर में 18वें मिनट में फिर से पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील कर भारत को बढ़त दिला दी। इसके बाद दिलराज सिंह ने 19वें मिनट में गोलकर भारत की बढ़त 3-1 कर दी। पकिस्तान के लिए सुफिया खान ने 30वें और 39वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर के जरिए गोल कर स्कोर 3-3 से बराबर कर दिया। तीसरा क्वार्टर समाप्त होने के बाद दोनों टीमों का स्कोर तीन-तीन से बराबर रहा। चौथे क्वार्टर मे अराएजीत सिंह हुंदल ने 47वें मिनट में मैदानी गोल और उसके बाद 54वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर के जरिए गोलकर स्कोर को 5-3 कर भारत की जीत सुनिश्चत कर दी। भारतीय ने लगातार दूसरी बार पुरुष जूनियर एशिया कप का खिताब जीता है। भारत ने 2023 में भी टूर्नामेंट का चैंपियन रहा था। इससे पहले भारत ने 2015 और 2008 और 2004 में भी यह खिताब जीता था। उल्लेखनीय है कि भारत ने मंगलवार को सेमीफाइनल में मलेशिया को 3-1 से हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया था।

गोवा ने लगाई जीत की हैट्रिक,

हैदराबाद एफसी के खिलाफ बटोरे पूरे तीन अंक

हैदराबाद (एजेंसी)। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 में हैदराबाद एफसी का अपने घरेलू मैदान जीएमसी बालायोगी एथलेटिक स्टेडियम में हारने का सिलसिला जारी है। मेजबान टीम को अपने घर पर खेले चौथे मैच में भी हार मिली, जब एफसी गोवा ने बुधवार रात आईएसएल 2024-25 में जीत की हैट्रिक पूरी करते हुए मुकाबला 2-0 से अपने नाम किया।

एफसी गोवा की जीत में राइट विंगर उदांता सिंह ने 33वें और स्पेनिश अटैकिंग मिडफील्डर इकर गुआरोटक्सेना ने 44वें मिनट में गोल किए। स्पेनिश अटैकिंग मिडफील्डर इकर गुआरोटक्सेना को दूसरा गोल करने और मिडफील्ड में दमदार खेल दिखाने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। एफसी गोवा 10 मैचों में पांच जीत, तीन ड्रा और दो हार से 18 अंक लेकर तालिका में छठे से तीसरे स्थान पर आ गई है।

वहीं, अपनी टीम की लगातार तीसरी हार से हैदराबाद एफसी के हेड कोच थांगबोई सिंग्टो जरूर निराश होंगे। हैदराबाद एफसी 10 मैचों में दो जीत, एक ड्रा और सात हार से सात अंक लेकर तालिका में 11वें स्थान पर बनी हुई है। यह आईएसएल में दोनों टीमों के बीच 11वां मुकाबला था और आज एफसी गोवा ने छठी बार जीत हासिल की है जबकि हैदराबाद ने तीन मैच जीते हैं। दो मैच ड्रा रहे हैं।

मैच का पहला गोल 33वें मिनट में आया, जब राइट विंगर उदांता सिंह ने एफसी गोवा को शुरुआती बढ़त दिलाते हुए स्कोर 1-0 कर दिया। 44वें मिनट में स्पेनिश अटैकिंग मिडफील्डर इकर गुआरोटक्सेना ने गोल करके एफसी गोवा की बढ़त को दोगुना करते हुए स्कोर 2-0 कर दिया।

पहले हाफ में दबदबा एफसी गोवा का रहा क्योंकि राइट विंगर उदांता सिंह और स्पेनिश अटैकिंग मिडफील्डर इकर गुआरोटक्सेना के गोल की बदौलत बढ़त बनाई और उसे बरकरार रखा। लिहाजा, एफसी गोवा 2-0 की बढ़त के साथ हाफ टाइम ब्रेक पर गई। गेंद पर ज्यादा नियंत्रण एफसी गोवा का 62 फीसदी रहा। गोवा ने छह प्रयास किए और दो शॉट टारगेट पर रखे, जिन पर गोल आए। वहीं, गेंद पर 38 फीसदी कब्जा रखने वाली हैदराबाद एफसी की ओर से आठ प्रयास किए गए, जिनमें से तीन शॉट टारगेट पर भी रहे लेकिन गोल नहीं आया।

केएल राहुल और जायसवाल पारी की शुरुआत करेंगे, रोहित शर्मा इस क्रम पर करेंगे बल्लेबाजी

एडिलेड (एजेंसी)। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने आज कहा कि शुक्रवार से एडिलेड में शुरु होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पारी की शुरुआत और वह मध्यक्रम में बल्लेबाजी करने उतरेंगे। मैच से पहले गुरुवार को रोहित ने कहा, 'वह पारी की शुरुआत नहीं करेंगे। उन्होंने कहा मैं मध्यक्रम में बल्लेबाजी करूंगा।'

मध्य क्रम में अपनी बल्लेबाजी को लेकर रोहित ने कहा, 'यह एक अभ्यास मैच था। इसी कारण से हमने अधिक कुछ सोचे बिना, अपना खेल आगे बढ़ाना चाह रहे थे। पहले से ही एक दिन बारिश के कारण धुल चुका था। हम चाह रहे थे कि हमें थोड़ा गेम टाइम मिले। हम मैच के डिटेल के बारे में अधिक कुछ नहीं सोच रहे थे। हमने गुलाबी गेंद के साथ अधिक नहीं खेला है तो हम चाह रहे थे कि हमें इस गेंद के साथ खेलने का अवसर मिले।'

रोहित ने राहुल की अनुकूलन क्षमता की प्रशंसा करते हुए कहा, 'राहुल ने दबाव में शानदार प्रदर्शन किया। उनकी पारी ने हमें वह स्थिरता दी जिसकी हमें जरूरत थी।' जायसवाल के प्रदर्शन पर रोहित ने कहा, 'जायसवाल की पारी ने उनकी उम्र से कहीं अधिक परिपक्वता दिखाई। राहुल के साथ उनकी साझेदारी टर्निंग पॉइंट थी।'

भारतीय कप्तान ने कहा, 'पर्थ जैसी पिच पर 500 रन बनाना बहुत बड़ी बात है। बाहर से यह देखकर मुझे बहुत अच्छा लगा और इसमें कोई बदलाव करने की भी जरूरत नहीं है। व्यक्तिगत तौर पर यह मेरे लिए आसान नहीं था लेकिन टीम के लिहाज से यह तकर्संगत भी था। गुलाबी गेंद खेल में एक नया आयाम जोड़ती है। हम अपनी योजनाओं को क्रियान्वित करने और पर्थ से मिली लय को जारी रखने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।'

भारत और पाकिस्तान ने अंडर-19 एशिया कप का सेमीफाइनल में किया प्रवेश

शारजाह (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान ने बुधवार को अपने-अपने ग्रुप मुकाबलों में शानदार जीत दर्ज करते हुए अंडर-19 एशिया कप का सेमीफाइनल में जगह बना ली है। इससे पहले युद्धजीत गुहा (तीन विकेट), चेतन शर्मा और हार्दिक राज(दो-दो विकेट) की घातक गेंदबाजी के बाद वैभव सूर्यवंशी (नाबाद (76) और आयुष म्हात्रे (67) की आतिशी बल्लेबाजी के दम पर भारत ने बुधवार को अंडर-19 एशिया कप के 12वें मुकाबले में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) 10 विकेट से शिकस्त देकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

138 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे की भारतीय सलामी जोड़ी ने तूफानी अंदाज बल्लेबाजी करते हुए महज 16.1 ओवर में बिना कोई विकेट खोए 143 रन पर बनाकर 10 विकेट से मुकाबला जीत लिया। वैभव सूर्यवंशी ने 46 गेंदों में तीन चौके और छह छक्के लगाते हुए (नाबाद (76) रनों की पारी खेली। आयुष म्हात्रे ने 51 गेंदों में चार चौके और चार छक्के लगाते हुए (नबाद 67) रन बनाये।

इससे पहले आज यहां यूएई ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी यूएई की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 17 के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिये। आर्यन सक्सेना (नौ) और यायीन राय (शून्य) पर आउट हुये। इसके बाद 15वें ओवर में हार्दिक राज ने इथन डिसूजा (17) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। अक्षत राय (26), मोहम्मद रयान (35) और उद्दीश सुरी (16) रन पर आउट हुये। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे यूएई के सात बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके और यूएई की पूरी टीम 44 ओवर में 137 रन पर सिमट गई। भारत की ओर से युद्धजीत गुहा ने तीन विकेट लिये। चेतन शर्मा और हार्दिक राज को दो-दो विकेट मिले। केपी कार्तिकेय और आयुष म्हात्रे ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

वहीं दिन के दूसरे मुकाबले में मोहम्मद रियाजुल्लाह (नाबाद 66), शाहजेब खान (45) और फहम-उल-हक (34) की शानदार पारियों के बाद मोहम्मद हुजैफा (पांच विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत पाकिस्तान ने बुधवार को अंडर-19 एशिया कप के 11वें एकदिवसीय मुकाबले में जापान को 180 से करारी शिकस्त देते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया। 244 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जापान की टीम को मोहम्मद हुजैफा आठ रन देकर (पांच विकेट), मोहम्मद अहमद , अहमद हुसैन ने (दो-दो) विकेट तथा फहम-उल-हक ने एक विकेट के कहर का सामना करना पड़ा। जापान की ओर से निहार परमार ने सर्वाधिक (25) रनों की पारी खेली। जापान के 10 खिलाड़ी दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। पाकिस्तानी गेंदबाजों ने 28.3 ओवर में जापान को 68 रन पर ढ़ेर कर मुकाबला 180 रनों से जीत लिया।

इससे पहले आज यहां पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और जापानी गेंदबाजों ने शुरुआत में पाकिस्तान के किसी भी बल्लेबाज को अधिक देर तक पिच पर नहीं टिकने दिया। कप्तान साद बेग (तीन), हारून अरशद (नौ), फरहान यूसफ (10) और फहम-उल-हक (34) और तैय्यब आरिफ (20) रन बनाकर आउट हुये। 25वें ओवर में 100 रन के स्कोर तक अपने पांच विकेट गवां कर पाकिस्तान की टीम संकट में फंस गई थी। ऐसे संकट के समय शाहजेब खान मोहम्मद रियाजुल्लाह ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच 82 रनों की साझेदारी हुई। छठे विकेट के रूप में शाहजेब खान (45) का विकेट गिरा। मोहम्मद रियाजुल्लाह (66) और अहमद हुसैन (30) रन बनाकर नाबाद रहे। पाकिस्तान ने निर्धारित 50 ओवरों में छह विकेट पर 243 रन बनाये। जापान की ओर से निहार परमार ने दो विकेट लिये। के वाई लेक ,के वॉल,चार्ल्स हिंजे,और तिमुती मूरे ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। शुक्रवार को सेमीफाइनल में भारत का मुकाबला श्रीलंका से होगा। और इसी दिन दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान की टीम बंगलादेश से भिड़ेगी।

बजरंग ने किया किसानों का समर्थन

सोनीपत । ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पहलवान बजरंग पुनिया ने कहा है कि वह हमेशा किसानों के साथ रहेंगे। किसानों के दिल्ली कूच की घोषणा को लेकर बजरंग ने ये बात कही। उन्होंने कहा कि वह किसानों के साथ कल भी थे, और आगे भी रहेंगे। साथ ही कहा, 'यह दुख की बात है कि जब हमारे किसान भाई आंदोलन कर रहे थे, तब उनकी शहादत भी हुई और अब भी आंदोलन जारी है पर उनकी समस्या हल नहीं हुई। किसानों को शांतिपूर्वक अपनी मांगें रखने का अधिकार है पर उन्हें रोका जा रहा है। उन्होंने कहा, 'हमारे उपराष्ट्रपति ने भी यह सवाल उठाया कि अगर सरकार ने लिखित में किसाने से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) देने का वादा किया था, तो अब तक किसानों को वह क्यों नहीं दिया गया? उनके इस बयान का हम स्वागत करते हैं क्योंकि वह किसानों की आवाज उठाने के लिए आगे आए हैं। किसानों की मुख्य मांग है कि उन्हें अपनी फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य मिले जिससे वे अपनी जिंदगी ठीक से चला सकें। यह कोई बड़ी मांग नहीं है; हर व्यक्ति को उसकी मेहनत के अनुसार मूल्य मिलना चाहिए।' इसलिए चाहे वह शंभू बॉर्डर पर आंदोलन हो या किसी और जगह, मेरा समर्थन किसानों के साथ है।' उन्होंने कहा, 'खिलाड़ियों ने जो आंदोलन किया था, वह उनके अधिकारों के लिए था, और राजनीति से परे था।

विराट को फिर कप्तान बना सकती है आरसीबी : अश्विन

मुम्बई । दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने कहा है कि विराट कोहली को एक बार फिर से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) अपना कप्तान बना सकती है। आरसीबी ने 2025 सत्र के लिए नीलामी के बाद अपनी नई टीम बना ली है पर इस टीम का अगला कप्तान कौन होगा वह अभी साफ नहीं हुआ है। विराट के अलावा इस टीम में क्रुणाल पंड्या और भुवनेश्वर कुमार ही दो ऐसे खिलाड़ी है जिन्हें कप्तानी का दावेदार माना जा रहा है। अश्विन का मानना है कि विराट आईपीएल सत्र सीजन के लिए कप्तानी संभाला सकते हैं। कोहली ने साल 2022 में टीम की कप्तानी छोड़ दी थी पर 2023 में फॉफ डुप्लेसिस के चोटिल होने के बाद कुछ मैचों में उन्होंने टीम की कप्तानी करनी पड़ी थी। आरसीबी की ओर से फिलहाल कप्तान को लेकर कुछ नहीं कहा जा रहा है पर अश्विन को लगता है कि ये पहले से तय है। उन्होंने कहा कि कोहली ही कप्तान की भूमिका में नजर आएंगे क्योंकि आरसीबी ने नीलामी के तहत किसी ऐसे खिलाड़ी को नहीं खरीदा जो कप्तान बन सके। अश्विन ने ये भी कहा कि आरसीबी के लिए ये नीलामी अच्छी रही क्योंकि उन्होंने अपनी टीम को संतुलित किया और सही खिलाड़ियों का चयन किया है। अश्विन ने कहा कि आरसीबी ने आरटीएम का ज्यादा इस्तेमाल किए बना ही अपने पहले 12-14 खिलाड़ियों को समझदारी से खरीदा। उन्होंने कहा कि मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि उनकी नीलामी बेहतरीन रही। उन्होंने संतुलन बनाए रखा और इंतजार करते हुए जरुरत के अनुसार खिलाड़ी खरीदे।

ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने भारत को पांच विकेट से हराया

ब्रिसबेन (एजेंसी)। मेगन शूट (पांच विकेट) की घातक गेंदबाजी के बाद जॉर्जिया वॉल (नाबाद 46) और फीबी लिचफील्ड (35) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने पहले एकदिवसीय मुकाबले में भारतीय टीम को पांच विकेट से हरा दिया है।

100 रनों के छोटे लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की जॉर्जिया वॉल और फीबी लिचफील्ड की सलामी जोड़ी ने अपनी टीम को अच्छी शुरुआत दिलाते हुए पहले विकेट के लिय 48 रन जोड़े। सातवें ओवर में रेणुका सिंह ने फीबी लिचफील्ड (35) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद नौवें ओवर में रेणुका ने एलिस पेरी (एक), बेथ मूनी (एक) को आउट कर भारत को वापसी की उम्मीद जताई। ऐनाबेल सदरलैंड (6) और एश्ली गार्डनर (आठ) को प्रिया मिश्रा ने आउट किया। ऑस्ट्रेलिया ने 16.2 ओवर में पांच विकेट पर 102 रन बनाकर मुकाबला पांच विकेट से जीत लिया। मेगन शॅट को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया।

भारत की ओर से रेणुका सिंह ने तीन विकेट लिये। प्रिया मिश्रा ने दो बल्लेबाजों को आउट किया।

इससे पहले आज यहां भारतीय महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही और उसने महज 19 के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिये। स्मृति मंधाना (आठ) और प्रिया पुनिया (तीन) रन बनाकर आउट हुई। इसके बाद हरलीन देओल और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पारी को संभलाने का प्रयास किया। 12वें ओवर में एश्ली गार्डनर ने हरलीन देओन (19) रन को आउट कर भारत को तीसरा झटका दिया। इसके बाद सदरलैंड ने कप्तान हरमनप्रीत कौर (17) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। जेमिमाह रॉड्रिग्स (23) और ऋचा घोष (14) रन बनाकर आउट हुई। शेष कोई भी बल्लेबाज ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण के आगे नहीं टिक सका। सात बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। भारत की पूरी टीम 34.2 ओवर में 100 के स्कोर पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मेगन शूट ने पांच विकेट लिये। किम गार्थ, एश्ली गार्डनर,ऐनाबेल सदरलैंड और अलाना किंग ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

पृथ्वी को मिला पीटरसन और वॉटसन का साथ

लंदन । खराब दौर से गुजर रहे बल्लेबाज पृथ्वी शॉ को अब दो दिग्गज क्रिकेटरों का समर्थन मिला है। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन ने पृथ्वी का बचाव करते हुए उसे एक असाधारण प्रतिभा बताया है। पृथ्वी पिछले काफी समय ये भारतीय टीम से बाहर हैं। इस दौरान उनका प्रदर्शन घरेलू क्रिकेट में भी खराब रहा जिस कारण उन्हें आईपीएल नीलामी में भी कोई खरीददार नहीं मिला। इसके बाद से ही पृथ्वी को आलोचनाओं का शिकार होना पड़ा था पर और अब उन्हें पीटरसन और ऑस्ट्रेलिया के शेन वॉटसन से समर्थन मिला है। इस युवा को आईपीएल में कोई खरीददार नहीं मिलने का कारण फिटनेस और अनुशासनहीनता को माना जा रहा है पीटरसन ने पृथ्वी से कहा है कि उन्हें अपनी ऊर्जा फिट होने में लगानी चाहिए और अगर उन्हें एक बार फिर सफल होना है तो सोशल मीडिया से दूर रहना होगा। पृथ्वी ने किशोरावस्था में पदार्पण करते हुए टेस्ट शतक बनाया था पर अब 25 साल की उम्र में वह असफल खिलाड़ी नजर आ रहे हैं जिसे कोई नहीं लेना चाहता है। आईपीएल में उनकी अपनी टीम दिल्ली कैपिटल्स ने भी उन्हें 75 लाख रुपए के आधार मूल्य पर भी खरीदने बोली नहीं लगायी। इसका कारण पूर्व क्रिकेटरों के अनुसार मैदान के बाहर की उनकी नकारात्मक छवि है। पीटरसन ने 'सोशल मीडिया में लिखा कि खेल में वापसी की कुछ बेहतरीन कहानियां हैं। अगर पृथ्वी के आस पास अच्छे लोग हैं जो उनकी सफलता की परवाह करते हैं तो वे उन्हें सोशल मीडिया से दूर रहने और पूरी तरह से फिट होने के लिए ट्रेनिंग करने को कहेंगे। यह उसे सही रास्ते पर वापस ले आएगा जहां पिछली सफलता वापस हासिल की जा सकती है। वह बहुत प्रतिभाशाली हैं। हाल में इस क्रिकेटर को अधिक वजन के कारण ही मुंबई रणजी टीम से बाहर कर दिया गया था। उनकी सैयद मुश्ताक अली टी20 टूर्नामेंट में वापसी हुई पर वहां भी अब तक विफल रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे देस्ट में भी जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी भारतीय टीम

एडिलेड (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम शुक्रवार से यहां मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में जीत के इरादे से उतरेगी। ये मैच दिन-रात का है और इसलिए गुलाबी गेंद से खेला जाएगा। इस मैच से कप्तान रोहित शर्मा औ शुभमन गिल टीम में वापसी करेंगे। रोहित दूसरे बच्चे के जन्म के कारण पर्थ में खेले गये पहले टेस्ट में शामिल नहीं थे जबकि शुभमन चोटिल होने के कारण बाहर थे। भारतीय टीम ने पर्थ में हुए पहले टेस्ट में 295 रनों से बड़ी जीत दर्ज की है जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। ऐसे में वह दूसरे टेस्ट में भी जीत के साथ ही सीरीज में अपनी बढ़त को और आगे ले जाना चाहेगी। पहले टेस्ट में के एल राहुल ने यशस्वी जायसवाल के साथ पारी की शुरुआत करते हुए शानदार साझेदारी बनायी थी। इसी के बाद से ही सवाल उठ रहे थे कि कप्तान रोहित की वापसी के बाद वह पारी की शुरुआत करेंगे या राहुल और यशस्वी को ही ये जिम्मेदारी देंगे। इस का जवाब रोहित ने दिया है और कहा है कि राहुल और यशस्वी ही पारी शुरु करेंगे और वह मध्यक्रम में जरुरत के अनुसार उतरेंगे। वहीं शुभमन किया जगह पर उतरेंगे ये भी देखना होगा।

भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के अपने पिछले दौर में एडिलेड में खेले गए दिन रात्रि टेस्ट क्रिकेट मैच में अपनी पहली पारी में 36 रन पर आउट हो गया थी लेकिन इसके बाद उसने अच्छी वापसी करके श्रृंखला जीती थी। इस बार भारतीय टीम पहले मैच में जीत से उत्साह से उत्साहित है, इसलिए वह गुलाबी गेंद वाले इस मैच में बढ़े हुए मनोबल से उतरेगी।

दिन-रात्रि टेस्ट मैच हालांकि भारतीय बल्लेबाजों के सामने अलग तरह की चुनौती पेश करेगा। गुलाबी गेंद से अतिरिक्त सीम मूवमेंट मिलता है और भारतीय बल्लेबाजों को इससे पार पाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना होगा। ऑस्ट्रेलिया का दिन रात्रि टेस्ट मैच में रिकॉर्ड अच्छा रहा है। उसने अभी तक घरेलू धरती पर जो 12 दिन रात्रि टेस्ट मैच खेले हैं उनमें से उसे केवल एक मैच में हार का सामना करना पड़ा लेकिन पहले टेस्ट मैच में करारी शिकस्त झेलने के कारण इस बार उसकी टीम पर दबाव रहेगा। रोहित मध्यक्रम में कहीं भी उतरें वह बड़ा स्कोर बनाने के लिए बेताब होंगे क्योंकि न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया में भी उनका रिकॉर्ड अच्छा नहीं है और वह इसमें सुधार करना चाहेंगे। रोहित और शुभमन अंतिम एकादश में देवदत्त पडिक्कल और ध्रुव जुरेल की जगह लेंगे।

ऑस्ट्रेलियाई टीम में आक्रामकता की कमी : वॉन

सिडनी ।इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा कि पहले टेस्ट में हार का कारण ऑस्ट्रेलियाई टीम में आक्रामकता की कमी होना रहा। वॉन ने कहा कि भारतीय टीम के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के इस मैच में उन्हें कभी भी ऑस्ट्रेलियाई टीम में आक्रामकता नहीं दिखी थी। उनकी बल्लेबाजी में पहले वाली चमक नहीं थी। अब ऑस्ट्रेलियाई टीम एडिलेड ओवल में 6 दिसंबर को होने वाले दिन-रात के दूसरे मैच में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी। पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी क्रम पूरी तरह से असफल रहा। स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन जैसे बल्लेबाज भी रन नहीं बना पाये केवल ट्रेविस हेड ही कुछ हद तक भारतीय गेंदबाजों का सामना कर पाये। वहीं दूसरी ओर भारतीय टीम की ओर से यशस्वी जायसवाल और विराट कोहली ने शतकीय पारियों खेली। जिसके कारण मेजबान टीम को विशाल लक्ष्य मिला। इसका पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी मानसिक और शारीरिक रूप से थक गये। वॉन ने कहा कि भातरीय टीम एक बार आत्मविश्वास महसूस करने के बाद बेहद खतरनाक हो जाती है और यह पर्थ में दिखाई दिया क्योंकि उनकी बॉडी लैंग्वेज और खेलने का तरीका आक्रामक था। वॉन ने कहा, भारतीय टीम एक बहुत ही खतरनाक टीम है, खासकर जब उन्हें आत्मविश्वास मिलना शुरू होता है और मुझे लगता है कि हमने पर्थ में यह देखा था। उनके पास वह ऊर्जा और वह आक्रामक स्वभाव है, और यही एक चीज है जिसने मुझे पर्थ में हैरान कर दिया। मुझे पता है कि भारत शीर्ष पर था, लेकिन भारत एक अधिक आक्रामक टीम की तरह लग रहा था। वहीं ऑस्ट्रेलिया एक ऐसी टीम की तरह लग रहा था जो बस खेल रही थी। उन्होंने कहा, मैंने कोई आक्रामकता नहीं देखी। यशस्वी के खिलाफ बाउंसर थ्योरी नहीं देखी। मैंने मैदान पर किसी तरह का टकराव नहीं देखा। वॉन ने कहा कि शायद ऑस्ट्रेलियाई टीम को रिटायर्ड बल्लेबाज डेविड वार्नर की कमी खली जिन्होंने अपनी बल्लेबाजी और मैदान पर टकराव, स्लेजिंग और मजाक के माध्यम से बहुत ऊर्जा और आक्रामकता दिखाई।

बुमराह , जेनसन और राउफ आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड के लिए चयनित

नई दिल्ली (एजेंसी) अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, दक्षिण अफ्रीका के मार्को जेनसन और पाकिस्तान के हारिस राउफ को खेल के अलग-अलग प्रारूपों में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए नवंबर माह के प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड के लिए चयनित किया है।

बुमराह को पर्थ में पहले बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आठ विकेट लेने के लिए नामांकित किया गया है।

बुमराह ने इस मैच में पहली पारी में तीन जबकि दूसरी पारी में पांच विकेट के साथ ही कुल आठ विकेट लिए।

वहीं जेनसन ने टी20 और टेस्ट में अपनी टीम को सफलताएं दिलायी हैं। सेंचुरियन में विकेट लेने के अलावा, जेनसन ने सिर्फ 17 गेंदों पर 54 रनों की तूफानी पारी भी खेली। टेस्ट में जेनसन ने श्रीलंका के खिलाफ 11 विकेट लिए। जिसमें पहली पारी में 7-13 विकेट शामिल थे।

इसके अलावा राउफ ने पाकिस्तान के लिए छह एकदिवसीय और तीन टी20 मैच खेलते हुए अपने बेहतरीन फॉर्म में वापसी की। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया दौरे की शुरुआत मेलबर्न में तीन विकेट लेकर की और सीरीज में बराबरी के लिए अहम पांच विकेट लेकर एक नया रिकॉर्ड बनाया। पर्थ में सीरीज के निर्णायक मैच में राउफ ने दो और विकेट लिए और सीरीज में शीर्ष 10 विकेट लेकर पांच की इकॉनमी रेट से पाकिस्तान को 2-1 से सीरीज जीतने में मदद की। राउफ ने इसके बाद की टी20 सीरीज में भी अपना फॉर्म जारी रखा और दूसरे मैच में चार विकेट सहित पांच विकेट लिए। इसके अलावा जिम्बाब्वे के खिलाफ एकदिवसीय में भी तीन विकेट लिए।

संक्षिप्त समाचार

जर्मनी- बांग्लादेश के बीच करोड़ों की डील, तकनीकी और वित्तीय क्षेत्र में मिल कर करेंगे काम

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश और जर्मनी के बीच 180 मिलियन यूरो (190.8 डॉलर) से अधिक के दो वित्तीय और तकनीकी समझौते हुए हैं। जिसका लक्ष्य विकास कार्यों में सहयोग करना है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने एक प्रेस विज्ञप्ति के हवाले से बताया कि बांग्लादेश के वित्त मंत्रालय में आर्थिक संबंध प्रभाग के सचिव मोहम्मद शहरियार कादर सिद्दीकी और बांग्लादेश में जर्मनी के राजदूत अचिम ट्रॉस्टर ने अपने-अपने पक्षों की ओर से समझौतों पर हस्ताक्षर किए। कुल राशि में से 45.8 मिलियन यूरो का उपयोग तकनीकी सहयोग के लिए तथा 135 मिलियन यूरो का उपयोग वित्तीय मामलों में सहयोग के लिए किया जाएगा। समझौते के तहत नवीकरणीय ऊर्जा, सतत शहरी विकास, तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण, सामाजिक और पर्यावरणीय आपूर्ति श्रृंखला, महिलाओं और बच्चों के खिलाफ घरेलू हिंसा से निपटने जैसे विभिन्न क्षेत्रों में मिल कर काम किया जाएगा।

उत्तर कोरिया ने कूड़े से भरे लगभग 40 गुब्बारे दक्षिण कोरिया की ओर भेजे : जेसीएस

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया की सेना ने शुक्रवार को कहा कि उत्तर कोरिया ने पिछली रात से सीमा पार दक्षिण कोरिया में कचरे से भरे लगभग 40 गुब्बारे भेजे हैं, जिनमें से अधिकांश राजधानी के बड़े क्षेत्र में गिरे हैं। योनहाप समाचार एजेंसी के अनुसार, संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ ने कहा कि उन्होंने गुरुवार रात से शुक्रवार सुबह तक राजधानी क्षेत्र में उत्तर कोरिया द्वारा छोड़े गए लगभग 30 गुब्बारे देखे, जिनमें सियोल के आसपास का ग्योंगगी प्रांत भी शामिल है। सेना ने कहा, (गुब्बारों से) जो सामग्री मिली, उसमें दक्षिण कोरिया के खिलाफ दुष्प्रचार संबंधी पर्चे थे। उसमें ऐसा कुछ भी नहीं था, जिससे सुरक्षा को खतरा हो। मई के अंत से अब तक उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया में 32 बार ऐसे गुब्बारे भेजे हैं, जिनमें यह ताजा घटना भी शामिल है, जो दक्षिण कोरिया के द्वारा सीमा पार भेजे गए प्योंगयांग विरोधी प्रचार पत्रकों के जवाब में की गई है।

बेल्जियम में सेक्स वर्कर्स को भी मिलेगी पेंशन और छुट्टियां, बनाए गए नौकरी जैसे नियम

ब्रसेल्स, एजेंसी। बेल्जियम ऐसा पहला देश है जिसने सेक्स वर्कर्स को भी सामान्य नौकरी पेशा लोगों की तरह सुविधाएं देने के लिए कानून बना दिया है। बेल्जियम के नए कानून के तहत सेक्स वर्कर्स भी अनुबंध के तहत कार्य करेंगी जिसमें स्वास्थ्य बीमा, पेंशन, सिक लीव और मैटरनिटी लीव जैसी सुविधाएं शामिल होंगी। यानी इसे नौकरी की तरह मान्यता दी जाएगी। 2022 में ही बेल्जियम ने इस पेशे को क्राइम कैटिगरी से बाहर कर दिया था। बेल्जियम के अलावा पेरू और तुर्की में भी इस पेशे को वैध करार दिया गया है। इससे पहले बार, इरोटिक मसाज पार्लर और अन्य जगहों पर अवैध तरीके से ही सेक्स वर्कर्स को काम करना पड़ता था। इसके बदले उन्हें कैश में रुपये मिलते थे। यह शोषण का एक खुला हुआ दरवाजा था। इस नए कानून में कहा गया है कि सेक्स वर्कर्स की भर्ती करते वक्त उनके क्रिमिनल रिकॉर्ड भी चेक किए जाने जरूरी हैं। इसके अलावा अपने कर्मचारियों को सम्मान दिलवाना भी रिक्रूटर की जिम्मेदारी है। कई संगठनों ने इस नए कानून की आलोचना भी की है। उनका कहना है कि इस तरह से वेश्यावृत्ति को बढ़ावा मिलेगा और ह्यूमन ट्रैफिकिंग भी तेज हो जाएगी। वहीं अन्य लोगों का कहना है कि यह समाज की सच्चाई है कि यहां सेक्स वर्कर होते हैं। यह खुला हो या फिर छिपा हुआ। ऐसे में सेक्स वर्कर्स को भी सम्मान और सुरक्षा का जीवन जीने का अधिकार है। सेक्स वर्कर्स का मानना है कि कई बार उन्हें इच्छा के खिलाफ भी शोषण का शिकार होना पड़ता है। अगर कानून उनके पक्ष में हो तो वे आसानी से विरोध कर सकती हैं। इसके अलावा अगर काम देने वाला शख्स भी बुरा बर्ताव करता है तो उसके खिलाफ एक्शन लिया जा सकता है। बता दें कि कोरोना महामारी के वक्त काम की कमी की वजह से सेक्स वर्कर्स सड़कों पर उतर चुके थे। इसके बाद देशव्यापी प्रदर्शन हुए और सरकार ने इसे वैध घोषित कर दिया।

सीरिया के दूसरे सबसे बड़े शहर पर विद्रोहियों का कब्जा: 250 की मौत

अलेप्पो में एयरपोर्ट-अस्पताल बंद; सरकार की मदद के लिए पहुंची रूसी सेना

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया में विद्रोही गुट ने देश के दूसरे सबसे बड़े शहर अलेप्पो और इदलिब के आधे से ज्यादा इलाके पर कब्जा कर लिया है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक विद्रोही गुट में हयात तहरीर अल-शम और उसके सहयोगी संगठन शामिल हैं। इन्हें अलकायदा का समर्थन हासिल है। साल 2016 में सीरियाई सेना ने विद्रोहियों को खदेड़ दिया था। 8 साल बाद ऐसा फिर हो रहा है जब विद्रोही गुटों ने अलेप्पो पर कब्जा करने जा रहे हैं। ॥ञ्जस् ने 27 नवंबर को हमला किया था और शहर के अंदर घुस कर कई मिलिट्री ठिकानों पर कब्जा कर लिया था। सीरिया सरकार ने शनिवार को अलेप्पो एयरपोर्ट, हॉस्पिटल और शहर से जुड़ी सभी सड़कों को बंद कर दिया है। इस बीच रूस, सीरियाई सरकार की मदद में जुट गया है। मॉस्को टाइम्स के मुताबिक रूसी सेना ने शुक्रवार को विद्रोहियों और उनके हथियार गोदामों पर घातक बमबारी की। रूसी सेना ने दावा किया है कि पिछले 24 घंटे में विद्रोहियों के 23 ठिकानों पर हमला किया और 200 से ज्यादा विद्रोहियों को मार गिराया है। सीरिया में 3 दिन पहले विद्रोहियों का शुरू हुआ हमला बशर अल-असद सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। अब तक हुई झड़पों में दोनों तरफ के 250 से ज्यादा लोग मारे गए हैं।

रूस ने सहायता भेजी, ईरान भी कर सकता मदद : रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रपति असद के 3 सबसे बड़े सहयोगी ईरान, हिजबुल्लाह और रूस घरेलू मामले में उलझे हैं। रूस, यूक्रेन से जंग लड़ रहा है, वहीं, ईरान और हिजबुल्लाह का इजराइल के साथ विवाद चल रहा है। इन तीनों ने असद सरकार को गृह युद्ध से निपटने में अहम भूमिका निभाई थी। सीरिया, ईरान के लिए जरूरी है, क्योंकि हिजबुल्लाह और हमास तक हथियार पहुंचाने के लिए ईरान, सीरिया का इस्तेमाल करता है। ऐसे में जल्द ही ईरान, सीरिया को हथियार मुहैया करा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान समर्थक इराकी मिलिशिया सीरिया जा सकते हैं। इन मिलिशिया में कताइब हिजबुल्लाह, असाइब अहल अल हक, हरकत अल नुजबाह शामिल हैं। सीरिया में 2011 में शुरू हुआ गृह युद्ध 2011 में अरब क्रांति के साथ ही सीरिया में गृह युद्ध की शुरुआत हुई थी। सीरिया के लोगों ने 10 साल से सत्ता में काबिज बशर अल-असद सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिए। इसके बाद फ्री सीरियन आर्मी के नाम से एक विद्रोही गुट तैयार हुआ। विद्रोही गुट के बनने के साथ ही सीरिया में गृह युद्ध की शुरुआत हो गई थी। इसमें अमेरिका, रूस, ईरान और सऊदी अरब के शामिल होने के बाद ये संघर्ष और बढ़ता गया। इस बीच, सीरिया में आतंकवादी संगठन ढ्ढस्ढ्ढस् ने भी पैर पसार लिए थे। 2020 के सीजफायर समझौते के बाद यहां सिर्फ छिटपुट झड़प ही हुई हैं। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक, एक दशक तक चले गृहयुद्ध में 3 लाख से ज्यादा लोग मारे गए थे। इसके अलावा लाखों लोगों को विस्थापित होना पड़ा था।

सीरिया के गृहयुद्ध में तबाह हो गया अलेप्पो शहर : 1986 में यूनेस्को से वैश्विक धरोहर का दर्जा हासिल करने वाला और दुनिया के सबसे पुराने शहरों में से एक अलप्पो शहर 2012 के आते-आते सीरिया के गृह युद्ध की अहम जगह बन गया था। सीरिया का अलेप्पो शहर न सिर्फ वैश्विक धरोहर बल्कि देश की अर्थव्यवस्था का केंद्र भी था, खूबसूरत मस्जिदों और कलाकृतियों से सजा हुआ यह शहर देखते ही देखते अपनों के हाथों ही तबाह हो गया। जुलाई 2012 तक अलेप्पो दो हिस्सों में बंट चुका था, जिसका एक हिस्सा फ्री सीरियन आर्मी के पास था और दूसरा बशर अल-असद के कब्जे में। सरकार की मदद करने वाले देशों में रूस, ईरान, इराक, अफगानिस्तान, लेबनान और पाकिस्तान शामिल था। वहीं विद्रोहियों को अमेरिका, सऊदी अरब और तुर्किये से मदद मिल रही थी। सरकार के हवाई हमलों में वह सारी खूबसूरत कलाकृतियां मस्जिद और सांस्कृतिक धरोहर खो गईं।

बांग्लादेश में इस्कॉन पर बैन के लिए सड़कों पर कट्टरपंथी:जुमे की नमाज के बाद प्रदर्शन

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में ढाका हाईकोर्ट के इस्कॉन पर बैन लगाने से इनकार करने के बाद कट्टरपंथी समूहों ने शुक्रवार को भारी हंगामा किया। जुम्मे की नमाज के बाद देशभर की मस्जिदों में लाखों मुसलमानों ने प्रदर्शन किया। सबसे बड़े प्रदर्शन राजधानी ढाका और चटगांव में हुए। प्रदर्शनकारियों ने इस्कॉन को 'हिंदू उग्रवादी संगठन' और 'कट्टरपंथी व राष्ट्र-विरोधी समूह' बताते हुए इस संगठन पर तत्काल प्रतिबंध लगाने की मांग की। इन रैलियों में कट्टरपंथी संगठन हिफाजत-ए-इस्लाम, खिलाफत मजलिस और इस्लामिक आंदोलन सहित कई धार्मिक-आधारित संगठनों और राजनीतिक दलों ने हिस्सा लिया। हिफाजत ने कहा कि देश की पराजित ताकतें हिंदुओं का इस्तेमाल अराजकता फैलाने के लिए कर रही हैं। पिछले मंगलवार को चटगांव कोर्ट परिसर में जिस तरह से वकील सैफुल इस्लाम अलिफ की हत्या की गई, वह गृहयुद्ध भड़काने की कोशिश थी। वहीं, चिन्मय कृष्ण दास की रिहाई के लिए इस्कॉन ने कोलकाता में विरोध कीर्तन आयोजित किया। इस्कॉन ने घोषणा की है कि रविवार को दुनिया भर के सभी इस्कॉन मंदिरों में वैश्विक प्रार्थना सभा का आयोजन किया जाएगा। इसमें बांग्लादेश में हिंदू भक्तों और धार्मिक अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए प्रार्थना की जाएगी। मौजूदा सरकार को मुश्किल में डालने की कोशिश में एक स्थानीय और विदेशी समूह बहुत सक्रिय है। हमें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि हमारी आंतरिक सद्भावना और शांति व्यवस्था किसी भी तरह से नष्ट न हो। खालिद हुसैन ने ये भी कहा कि वकील की हत्या में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। चटगांव में 26 नवंबर को चिन्मय प्रभु के समर्थन में प्रदर्शन के दौरान एक वकील की मौत हो गई थी। मारे गए वकील का नाम सैफुल इस्लाम ऊर्फ आलिफ (35) था।

वेटिकन में विश्व धर्म संसद की शुरुआत, सम्मेलन में विभिन्न देशों के प्रतिनिधि होते हैं सम्मिलित

वेटिकन, एजेंसी। वेटिकन में शिवगिरि मठ द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अंतरधार्मिक सम्मेलन शुक्रवार को शुरू हुआ. यह कार्यक्रम 100 साल पहले अलुवा में श्री नारायणगुरु की ओर से आयोजित अंतरधार्मिक सम्मेलन के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित हो रहा है. सर्वधर्म सम्मेलन एवं विश्व धर्म संसद आज शाम 7 बजे स्नेह संगम के साथ प्रारंभ हुई. सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य धार्मिक सद्भावना फैलाना है. विश्व धर्म संसद 29, 30 नवंबर और 1 दिसंबर को आयोजित की जाएगी. पोप फ्रांसिस कल (30 नवंबर) महासभा में एक उपदेश देंगे. सम्मेलन में विभिन्न देशों के 100 प्रतिनिधि, भारत के जन प्रतिनिधि और भिक्षु भाग लेंगे. सच्चिदानंद स्वामी, मठ के महासचिव स्वामी सुभंगानंद, पूर्व महासचिव स्वामी ऋतंबरानंद, पूर्व कोषाध्यक्ष स्वामी विशालानंद, गुरु धर्म प्रचार सभा के सचिव स्वामी असंगानंदगिरि, स्वामी हंसतीर्थ, अलुवा अद्वैत आश्रम के सचिव स्वामी धर्मचैतन्य और स्वामिनी आर्यानंद देवी शिवगिरि मठ के सदस्य हैं. सम्मेलन में प्रतिनिधित्व करना और भाग लेना. सच्चिदानंद स्वामी की ओर से तैयार की गई पुस्तक सर्वमाता सम्मेलनम का इतालवी अनुवाद और गुरु एंड वर्ल्ड पीस पुस्तक का अंग्रेजी अनुवाद का विमोचन किया जाएगा।

बांग्लादेश में चिन्मय कृष्ण दास समेत इस्कॉन से जुड़े 17 लोगों के बैंक खाते फ्रीज

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश को चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी और जेल में डाले जाने पर दुनिया भर के हिंदुओं से कड़ी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ रहा है। इसके बावजूद, मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश सरकार ने कथित तौर पर देश के बैंकों को बांग्लादेश में अंतर्राष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) से जुड़े 17 लोगों के खातों को फ्रीज करने का आदेश दिया है।

ढाका में स्थानीय मीडिया ने शुक्रवार को बताया कि बांग्लादेश वित्तीय खुफिया इकाई (बीएफआईयू) ने इस्कॉन बांग्लादेश से जुड़े 17 व्यक्तियों के बैंक खातों को 30 दिनों के लिए फ्रीज करने का आदेश दिया है। इसमें जेल में बंद इसके नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी भी शामिल हैं। रिपोर्टों से पता चला है कि देश के कई बैंकों और वित्तीय संस्थानों को खातों से एक महीने के लिए सभी लेन-देन को निलंबित करने का सरकारी निर्देश भेजा गया है। दास को सोमवार को ढाका मेट्रोपोलिटन पुलिस की डिटेक्टिव ब्रांच (डीबी) ने हजरत शाहजलाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हिरासत में लिया था और एक दिन बाद जेल भेज दिया गया था। दास के अलावा बांग्लादेश सरकार द्वारा निशाना बनाए गए अन्य 16 हिंदुओं में कार्तिक चंद्र डे, अनिक पाल, सरोज रॉय, सुशांत दास, विश्व कुमार सिंघा, चंदिदास बाला, जयदेव करमाकर, लिपि रानी करमाकर, सुधामा गौर दास, लक्ष्मण कांति दास, प्रियतोष दास, रूपन

दास, रूपन कुमार धर, आशीष पुरोहित, जगदीश चंद्र अधिकारी और साजल दास शामिल हैं। बांग्लादेश के एक प्रमुख बंगाली अखबार प्रोथोम अलो की रिपोर्ट के अनुसार, बीएफआईयू के पत्र में कहा गया है कि धन शोधन निवारण अधिनियम-2012 की धारा 23(1)(सी) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के तहत इस्कॉन और उसके संबंधित पक्षों तथा उनके स्वामित्व वाली संस्थाओं के नाम पर रखे गए खातों (आयात और निर्यात कंपनियों के खातों को छोड़कर) के लेनदेन को 30 दिनों के लिए निलंबित करने का आदेश दिया गया है। साथ ही, बीएफआईयू ने सभी खातों की लेखा संबंधी जानकारी, जैसे खाता खोलने का फॉर्म, केवाईसी फॉर्म, अप-टू-डेट लेन-देन विवरण आदि, अगले तीन कार्य दिनों के अंदर भेजने को कहा है।

सनातन जागरण जोत के प्रवक्ता चिन्मय कृष्ण दास पर पिछले महीने चटगांव में भगवा झंडा फहराने के लिए देश के झंडे का कथित रूप से अपमान करने के लिए बांग्लादेशी अधिकारियों द्वारा देशद्रोह का आरोप लगाया गया है। देश में बांग्लादेशी हिंदुओं के सड़कों पर उतरने के बाद दास को मंगलवार को चटगांव की एक अदालत में पेश किया गया और बाद में जेल भेज दिया गया। इसी समय, न्यायालय भवन में हिंसा भड़क उठी, जिसके कारण 32 वर्षीय अधिवक्ता सैफुल इस्लाम अलिफ की मृत्यु हो गई। बांग्लादेश में कट्टरपंथी अब दास के समर्थकों को अधिवक्ता की मृत्यु के लिए दोषी ठहरा रहे हैं, जबकि इस्कॉन और अन्य हिंदू संगठनों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि न्यायालय परिसर में उस दिन हुए उपद्रव में कोई हिंदू शामिल नहीं था।

चीनी पत्रकार को जासूसी के आरोप में सात साल जेल की सजा

जापानी राजदूत से मिलते समय हिरासत में लिए गए थे

बीजिंग, एजेंसी। चीन में एक पत्रकार को जासूसी के आरोप में सात साल जेल की सजा सुनाई गई है। आरोपी पत्रकार डोंग युयु चीन की सरकारी मीडिया में भी काम कर चुके थे। डोंग के परिजनों ने इसकी पुष्टि की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, डोंग युयु 62 साल के हैं और उन्हें दो साल पहले साल 2022 में फरवरी माह में जासूसी के आरोप में हिरासत में लिया गया था, तब से वह जेल में ही हैं। जब पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया था उस समय वह गुआंगमिंग डेली में काम करते थे। एक रेस्तरां में जापानी राजनयिक से मिलते वक्त पुलिस ने उन्हें पकड़ा था। पुलिस ने दावा किया था कि वे उस रेस्तरा में अक्सर अपने विदेशी मित्रों से मिलते रहते थे। पत्रकार के परिजनों ने बताया कि बीजिंग नंबर 2 इंटरमीडिएट पीपुल्स कोर्ट ने जब यह फैसला सुनाया उस वक्त सभी को अदालत से बाहर कर दिया गया था। इतना ही नहीं फैसले की प्रति भी न तो उन्हें और न ही डोंग के वकील को साझा की गई। इसके अलावा, अदालत की वेबसाइट पर भी फैसले को नहीं शेयर किया गया है। डोंग के परिवारीजनों ने यह भी बताया कि फैसले में

तत्कालीन जापानी राजदूत हिदेओ तारुमी और शंघाई स्थित मुख्य राजनयिक मासारू ओकाडा को जासूसी संगठन से संबंधित एजेंट बताया गया है।

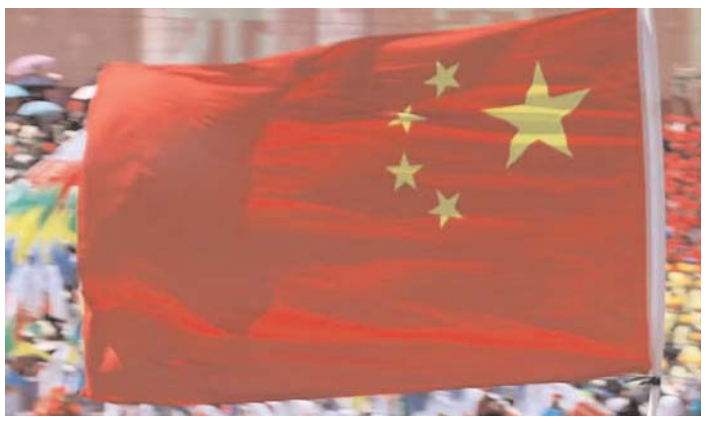

कम्युनिस्ट पार्टी के रुख के विरुद्ध लेख लिखते रहे हैं डोंग युयु : बता दें कि डोंग गुआंगमिंग डेली के संपादकीय विभाग के काम करते थे। इस अखबार को एक समय में अन्य सरकार समर्थित अखबारों की तुलना में अधिक उदार माना जाता था। डोंग ने न्यूयॉर्क टाइम्स के चीनी संस्करण में भी काम किया था। अपने लेखों में डोंग ने संवैधानिक लोकतंत्र और राजनीतिक सुधार के लिए अपना समर्थन जताया था। हालांकि बाद में इन लेखों को कम्युनिस्ट पार्टी के रुख के विरुद्ध माना गया। वहीं, चीन में अमेरिकी राजदूत निकोलस बर्न्स ने डोंग की सज़ा की निंदा की। उन्होंने कहा कि डोंग को अभिव्यक्ति और प्रेस की स्वतंत्रता का प्रयोग करने के लिए दंडित करना अन्यायपूर्ण है।

वजन घटाने वाली दवाओं के रिमोट प्रिस्क्रिप्शन पर रोक लगाएगा दक्षिण कोरिया

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के स्वास्थ्य मंत्रालय ने अपने एक निर्णय में कहा कि वजन कम करने वाली दवाओं के संभावित दुरुपयोग को रोकने के लिए वह इनके रिमोट प्रिस्क्रिप्शन पर प्रतिबंध लगाएगा। योनहाप समाचार एजेंसी ने बताया कि स्वास्थ्य और कल्याण मंत्रालय के अनुसार वजन घटाने वाली दवाओं के रिमोट प्रिस्क्रिप्शन पर प्रतिबंध लगाने का यह निर्णय सोमवार से प्रभावी होगा, जिसमें दो सप्ताह की छूट दी जाएगी। डेनमार्क स्थित नोवो नॉर्डिस्क द्वारा विकसित की गई वेगोवी की बढ़ती लोकप्रियता के कारण यह कदम ऐसी दवाओं के दुरुपयोग और अवैध बिक्री पर बढ़ती चिंताओं के बीच उठाया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि सरकार 2025 की पहली छमाही के भीतर ऐसी दवाओं के संबंध में टेलीमेडिसिन परामर्श के लिए दिशानिर्देश स्थापित करने की भी योजना बना रही है। दक्षिण कोरिया ने सामान्य अस्पतालों में प्रशिक्षु डॉक्टरों की चल रही हड़ताल के बीच अस्थायी रूप से टेलीमेडिसिन परामर्श की अनुमति दी है। यह हड़ताल फरवरी से शुरू हुई थी। वेगोवी को दक्षिण कोरिया में 15 नवंबर को लॉन्च किया गया था। यह एक वजन घटाने वाली दवा है, जो मोटापे का इलाज कर सकती है और इसने चमत्कारी वजन घटाने वाली दवा के रूप में अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया है। स्वास्थ्य

मंत्रालय ने इस बात पर जोर दिया कि चिकित्सा संस्थानों को इस दवा को इस तरह से बढ़ावा देने से बचना चाहिए, जिससे मरीजों को यह विश्वास हो जाए कि इसे सामान्य वजन घटाने के लिए आसानी से दिया जा सकता है, तथा टेलीमेडिसिन के माध्यम से दवा लिखते समय दुरुपयोग को रोकने के लिए विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। मौजूदा नियमों के अनुसार, वेगोवी को केवल 30 या उससे ज्यादा बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) वाले रोगियों को ही दिया जाना चाहिए। 27 से 30 के बीच बीएमआई वाले वयस्क जिन्हें उच्च रक्तचाप या डिस्लिपिडेमिया जैसी समस्याएं हैं, उन्हें भी यह दवा दी जा सकती है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने चिकित्सा संस्थानों से खाद्य एवं औषधि सुरक्षा प्रशासन की स्वीकृति शर्तों का अनुपालन करने का भी अनुरोध किया है।

चीन के हुनान प्रांत में मिला दुनिया का सबसे बड़ा स्वर्ण भंडार, कीमत 83 अरब डॉलर

हुनान, एजेंसी। चीन के हुनान प्रांत में दुनिया का सबसे बड़ा स्वर्ण भंडार खोजा गया है। इस भंडार का आकार करीब 1,000 मीट्रिक टन है और इसकी अनुमानित कीमत 83 अरब डॉलर (करीब 7 लाख करोड़ रुपये) बताई जा रही है। यह खदान दक्षिण अफ्रीका की साउथ डीप खदान से भी बड़ी है, जहां 900 मीट्रिक टन स्वर्ण अयस्क है।

पिंगजियांग काउंटी में खजाना : यह भंडार हुनान प्रांत के पिंगजियांग काउंटी में पाया गया है। भूवैज्ञानिकों के मुताबिक, वहां दो किलोमीटर की गहराई पर 40 स्वर्ण शिराओं का पता चला है। इन शिराओं में स्वर्ण अयस्क जमा है और कई ड्रिलिंग के बाद चट्टानों के कोर में सोना पाया गया। 3डी मॉडलिंग से यह भी पता चला है कि खदान की गहराई में 3 किमी तक और स्वर्ण अयस्क हो सकते हैं।

स्वर्ण अयस्क से सोने की संभावना : हर मीट्रिक टन अयस्क से 138 ग्राम तक सोना निकाला जा सकता है। इससे चीन के सोने के कारोबार को बड़े फायदे की उम्मीद है। यह खोज चीन को वैश्विक स्वर्ण कारोबार में और मजबूत कर सकती है।

सोने के कारोबार में चीन की बढ़ती ताकत : चीन पहले से ही दुनिया के स्वर्ण उत्पादन में एक प्रमुख भूमिका निभा रहा है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के आंकड़ों के अनुसार, चीन दुनिया के कुल स्वर्ण उत्पादन का 10त्न करता है। इस साल की शुरुआत में आई एक रिपोर्ट के अनुसार, चीन के पास 2,000 टन से ज्यादा सोना है, जो इसे दुनिया के सबसे बड़े सोने के भंडार वाले देशों में शामिल करता है।

इसके बाद रूस और ऑस्ट्रेलिया का नंबर आता है।

स्वर्ण अयस्क बनने की प्रक्रिया : स्वर्ण अयस्क कई भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं के तहत बनता है, जो लाखों सालों में पूरी होती है। इसमें गर्म और खनिज युक्त तरल पदार्थ पृथ्वी की अंदरूनी दरारों में घूमते रहते हैं। इन तरल पदार्थों में आसपास की चट्टानों का सोना घुलता है, जब तापमान में बदलाव होता है, तो ये तरल पदार्थ जम जाते हैं और इनकी सतह पर स्वर्ण अयस्क जमा हो जाता है।

चीन की स्वर्ण शक्ति : इस खोज से चीन को न केवल सोने के भंडार में वृद्धि होगी, बल्कि इसकी आर्थिक ताकत भी और बढ़ेगी, जिससे वैश्विक बाजार में चीन का दबदबा और मजबूत होगा।

दिल्ली मेट्रो की केबल चोर काटकर ले गए, ब्लू लाइन पर सेवाएं हुईं बाधित

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो की ब्लू लाइन पर गुरुवार को केबल चोरी की वजह से सेवाएं प्रभावित हुई हैं। मोती नगर और कीर्ति नगर के बीच इस घटना के कारण मेट्रो ट्रेनों की गति धीमी कर दी गई, जिससे यात्रियों को देरी का सामना करना पड़ा। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने इस घटना पर खेद व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि प्रभावित खंड पर मरम्मत कार्य आज रात परिचालन घंटों के बाद पूरा किया जाएगा। डीएमआरसी ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे यात्रा के लिए अतिरिक्त समय का प्रावधान रखें। दिल्ली मेट्रो प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे अपनी यात्रा की योजना विलंब को ध्यान में रखकर बनाएं। प्रभावित खंड पर मेट्रो सेवाएं सीमित गति से जारी रहेंगी। इस तरह की घटनाओं से न केवल मेट्रो सेवाएं प्रभावित होती हैं, बल्कि यात्रियों को भी काफी असुविधा होती है।

पहले भी हो चुकी हैं ऐसी घटनाएं

यह पहली बार नहीं है जबकि केबल चोरी से सेवाएं प्रभावित हुई हैं। अगस्त में भी रेड लाइन पर झिलमिल और मानसरोवर पार्क स्टेशनों के बीच सिग्नल केबल चोरी हुई थी, जिससे दिलशाद गार्डन से शाहदरा मार्ग पर ट्रेनों की रफ्तार घटाकर 25 किलोमीटर प्रति घंटा कर दी गई थी।

जब अभिनेता सलमान खान के शूटिंग सेट पर घुसा अनजान युवक

- गैंगस्टर का नाम लेते ही मुंबई पुलिस ने लिया हिरासत में

मुंबई। मुंबई के दादर इलाके में बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के शूटिंग सेट पर एक शख्स अवैध रूप से घुस गया। शक होने पर जब उससे पूछताछ की गई तो उसने कहा कि मैं लॉरेंस बिश्नोई को कहूं क्या ? इसके बाद संदिग्ध को पूछताछ के लिए शिवाजी पार्क पुलिस स्टेशन ले जाया गया। मिली जानकारी के मुताबिक ये घटना मुंबई के परिमंडल-5 में हुई। संदिग्ध ने कथित तौर पर गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नाम का इस्तेमाल किया। पुलिस उसकी जांच कर रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार जब यह अज्ञात व्यक्ति अंदर आया तो सलमान खान शूटिंग स्थल पर मौजूद थे। जब उसने लॉरेंस बिश्नोई का नाम लिया तो क्रू में से कुछ लोगों ने उसे देख लिया। फिर इसकी सूचना पुलिस को दी गई। फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। आपको बता दें कि पिछले कुछ समय से सलमान खान लॉरेंस बिश्नोई के निशाने पर हैं और सलमान खान को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नाम पर कई बार धमकी भी मिल चुकी है। हाल ही में उनसे 5 करोड़ रुपये की फिरौती भी मांगी गई थी। कुछ महीने पहले सलमान के बांद्रा स्थित घर के बाहर फायरिंग भी हुई थी। इसमें लॉरेंस गैंग का नाम सामने आया था। कुछ दिनों पहले सलमान खान के सबसे अच्छे दोस्त और राज्य के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद से सलमान की सुरक्षा का ख्याल और भी सजगता से रखा जाने लगा है।

मणिपुर हिंसा : थौबल में भारी मात्रा में मिले हथियार,दुष्कर्मी उप सरपंच भी गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर के थौबल जिले में तलाशी अभियान के दौरान 16 आग्नेयास्त्र, छह 36 एचई ग्रेनेड, दो डेटोनेटर, गोला-बारूद और एक वॉकी-टॉकी सेट के साथ एक चार्जर बरामद हुआ है। पुलिस ने बताया कि यह बरामदगी बुधवार को फुंगी चिंग न्गामुखोंग इलाके में तलाशी के दौरान की गई और इस संबंध में किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। पुलिस के बयान में कहा गया कि पहाड़ी और इंफाल घाटी दोनों में राज्य के विभिन्न जिलों में कुल मिलाकर 107 जांच चौकियां स्थापित की गई हैं और कानूनों के किसी भी उल्लंघन के संबंध में किसी को हिरासत में नहीं लिया गया। इंफाल घाटी स्थित मैतेई और आसपास के पहाड़ी क्षेत्र कुकी-जो समूहों के बीच पिछले साल मई से जातीय हिंसा में 250 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों बेघर हो गए हैं। मणिपुर हिंसा के दौरान लापता मैतेई व्यक्ति को ढूंढने के लिए और अरंबाई टेंगोल के नेता कोरोंगनबा खुमान के खिलाफ एनआईए के मामलों को वापस लेने की मांग की गई। जिसको लेकर बुधवार को इंफाल घाटी के विभिन्न हिस्सों में प्रदर्शन हुए। पुलिस ने बताया कि सेना ने सिंह की खोज के लिए ड्रोन, ट्रैकर कुत्तों और 2,000 से अधिक कर्मियों को तैनात किया है। इम्फाल पश्चिम के लाफुपत तेरा, वांगोई और काकचिंग जिले के वबागई तथा काकचिंग खुनौ में प्रदर्शनकारियों ने खुमान के खिलाफ एनआईए के मामलों का विरोध किया। खुमान और कुकी उग्रवादियों पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मामले दर्ज किए हैं, जिनमें सुरक्षा बलों पर हमले और आईईडी विस्फोट के मामले शामिल हैं। वहीं इस बीच, टेंग्नौपाल के लीथाओ और मोलथम खुन में मारे गए 13 मैतेई लोगों की पहली पुण्यतिथि इम्फाल पूर्वी जिले के एंड्रो खुनौ तोरोंगथेल कामू कोइरेंग इंटीग्रिटी पार्क में मनाई गई।

गांधीधाम में फर्जी ईडी टीम का पर्दाफाश, महिला समेत 12 आरोपी गिरफ्तार

कच्छ। गुजरात में अब तक फर्जी डॉक्टर, फर्जी हॉस्पिटल, फर्जी पुलिस, फर्जी जज पकड़े जाने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। अब गुजरात में फर्जी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम कानून के हत्थे चढ़ गई है। चौंकाने वाली बात यह है कि फर्जी ईडी की टीम में एक महिला भी शामिल है। पुलिस ने महिला समेत 12 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही नकद समेत 45.82 लाख रुपए का माल-सामान भी जब्त कर लिया। दरअसल फर्जी ईडी अधिकारी बनकर 2 दिसंबर को कच्छ के गांधीधाम इलाके में राधिका ज्वैलर्स और उनके आवासीय घर में एक गिरोह ने हाथ साफ कर दिया था। गिरोह ने खुद को ईडी का अधिकारी बताते हुए सोना, चांदी और नकदी सहित रु. 25,25,225 मूल्य की कीमती चीजें चुरा लीं। घटना के बाद राधिका ज्वैलर्स के मालिक ने गांधीधाम ए डिवीजन पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। जिसके आधार पर पुलिस की अलग-अलग टीमों को भुज, गांधीधाम और अहमदाबाद समेत अन्य जगहों पर जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान फर्जी ईडी टीम के कुल 12 आरोपियों के खिलाफ सबूत मिले।

चंद राज्यों में बची कांग्रेस के भीतर सिर फुटव्वल, कर्नाटक में सीएम के पद को लेकर फिर शुरु हो सकती है रार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस का ग्राफ बढ़ाने के हो रहे प्रयास उस वक्त धरे के धरे रह जाते हैं जब पार्टी के भीतर ही असंतोष झलकने लगता है। लोकसभा चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन से थोड़ी उम्मीद जगी थी लेकिन उसके बाद के विधानसभा चुनावों में पार्टी लगातार विफल साबित हो रही है। हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, झारखंड और महाराष्ट्र चारों राज्यों में हाल में हुए विधानसभा चुनाव में उसकी हालत पतली देखी गई। वह देश के गिने-चुने राज्यों में अपने दम पर सरकार में है। लेकिन वहां भी उसके भीतर का क्लेश थमने का नाम ले रहा है।

कांग्रेस पार्टी इस वक्त देश के तीन राज्यों कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश में अपने दम पर सत्ता में है। इसमें सबसे बड़ा राज्य कर्नाटक है। लेकिन, यहां पार्टी के भीतर ही सिर फुटव्वल हो रहा है। सीएम पद की लड़ाई राज्य के दो बड़े नेताओं में जारी है। यह लड़ाई एक बार फिर सामने आ गई है। बुधवार को राज्य के सीएम सिद्दारमैया ने उन बयानों को खारिज कर दिया जिसमें डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा था कि पार्टी आलाकमान ने राज्य में पावर शेयरिंग का एक फॉर्मूला तैयार करवाया था। और अब पार्टी हाईकमान राज्य के सीएम पद को लेकर फैसला लेगा। एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने ये बाते कही थी। दरअसल, 2023 में कर्नाटक में कांग्रेस की जीत के बाद सीएम पद को लेकर लंबे समय तक विवाद चला था। सिद्दारमैया और डीके शिवकुमार दोनों बड़े दावेदार थे। फिर केंद्रीय नेतृत्व के हस्तक्षेप के बाद दोनों के बीच पावर शेयरिंग का फॉर्मूला तय किया गया। डीके शिवकुमार को उपमुख्यमंत्री के पद के साथ प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष पद भी दिया गया था। इंटरव्यू में शिवकुमार ने स्पष्ट तौर पर कहा कि 2023 में नई सरकार के गठन से पहले ही उनके और सिद्दारमैया के बीच सीएम पद को लेकर एक समझौता हुआ था।

लेकिन, अब सिद्दारमैया के बयान के बाद शिवकुमार अपने बयान से पलट गए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का बयान अंतिम है। हम सीएम और पार्टी के प्रति वफादार हैं। शिवकुमार ने आगे कहा कि अब कोई बहस नहीं है। उधर, कर्नाटक में मंत्रिमंडल के विस्तार या उसमें बदलाव के बारे में पूछे जाने पर सिद्दारमैया ने कहा कि ऐसी कोई योजना नहीं है। मीडिया से सवालिया लहजे में उन्होंने कहा कि यह मेरा विशेषाधिकार है। क्या मैंने आपसे कुछ कहा है? तो फिर क्यों ऐसी बातें कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो भी फैसला होगा हाईकमान करेगा। गुरुवार को हासन में कांग्रेस की एक रैली है। इस रैली के नाम को लेकर भी विवाद है। पहले इस रैली का नाम 'जन कल्याण समावेश' था। लेकिन इसका नाम बदल दिया गया है। इस बारे में पूछे जाने पर सिद्दारमैया ने कहा कि उनके समर्थन यह रैली कर रहे हैं। इसका नाम स्वाभिमानी ओक्कुटा रखा गया है। कांग्रेस पार्टी इस रैली का समर्थन कर रही है।

असम में 7 दिसंबर को होगा कैबिनेट विस्तार, चार नए मंत्री होंगे शामिल

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने गुरुवार (5 दिसंबर) को कहा कि कैबिनेट 7 दिसंबर को चार मंत्रियों को शामिल करके होगी। विस्तार से मंत्रिपरिषद में सदस्यों की कुल संख्या 20 हो जायेगी। परिषद के सभी सदस्य भाजपा विधायक हैं। मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाले वर्तमान मंत्रिमंडल में 16 सदस्यीय मंत्रिपरिषद शामिल है। मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि विधायकों को 7 दिसंबर को दोपहर 12 बजे कैबिनेट में मंत्री पद की शपथ दिलाई जाएगी। हिमंत बिस्वा सरमा ने एक्स पर लिखा कि यह बताते हुए खुशी हो रही है कि निम्नलिखित सहयोगी 7 दिसंबर को दोपहर 12 बजे हमारे मंत्रिमंडल में मंत्री के रूप में शपथ लेंगे। 1. श्री प्रशांत फूकन, विधायक 2. श्री कौशिक राय, विधायक 3. श्री कृष्णेंदु पॉल, विधायक 4. श्री रूपेश गोला, विधायक। उनमें से प्रत्येक को मेरी शुभकामनाएँ! इससे पहले असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को घोषणा की कि राज्य सरकार ने रेस्तराओं, होटलों एवं सार्वजनिक स्थलों पर गोमांस परोसे जाने और खाने पर रोक लगाने का फैसला किया है। राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में गोमांस सेवन पर मौजूदा कानून में संशोधन कर नए प्रावधानों को शामिल करने का निर्णय लिया गया। शर्मा ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हमने रेस्तराओं, होटलों एवं सार्वजनिक स्थलों पर गोमांस परोसे जाने तथा खाने पर रोक लगाने का फैसला किया है।

वायनाड सांसद प्रियंका गांधी ने अमित शाह से मुलाकात की

*** वायनाड में हुए भूस्खलन के बाद प्रियंका ने केंद्र सरकार से प्रभावित इलाके के लिए मदद मांगी**

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और वायनाड सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने हाल ही में भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण मुलाकात की घोषणा की है। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से वायनाड के लिए विशेष पैकेज की मांग को लेकर मुलाकात की। 30 जुलाई को केरल के वायनाड में हुए भूस्खलन के बाद प्रियंका गांधी वाड्रा ने केंद्र सरकार से प्रभावित इलाके के लिए मदद की अपील की है। भूस्खलन से हुए तबाही में हजारों लोग प्रभावित हुए और बड़े नुकसान में पहुंचे। प्रियंका गांधी ने कहा कि वायनाड के लिए सकारात्मक दिशा में कदम उठाने की जरुरत है। उन्होंने अमित शाह से वायनाड के लोगों की मदद को लेकर सहायता की अपील की है। इस मुलाकात के बाद प्रियंका गांधी ने बताया कि भूस्खलन और बाढ़ से वायनाड को काफी नुकसान हुआ है और वहां के लोगों को राहत फंड की आवश्यकता है। प्रियंका गांधी ने राजनीति को परे रखते हुए अपील की है कि वायनाड के लोगों को हर संभव मदद मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने भी वायनाड के पीड़ित लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं को सुना था। अब उन लोगों को उम्मीद है कि वे मदद पा सकेंगे। थिम्नेंटजे उपचुनाव में जीत हासिल कर सांसद बनने के बाद प्रियंका गांधी वाड्रा ने वायनाड के लिए उचित मदद की मांग की थी। उनके प्रयासों का सामर्थन करने के लिए वायनाड के लोग उन्हें पूरी तरह से समर्थन दे रहे हैं।

महाराष्ट्र में महायुति को सत्ता तक पहुंचाने वाली लड़की बहन योजना की होगी जांच

*** खंगाले जाएंगे ढाई लाख आवेदन**

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में महायुति को सत्ता के शिखर तक पहुंचाने में लड़की बहन योजना का बड़ा योगदान माना जा रहा है। इसी के दम पर महाराष्ट्र चुनाव जीतने का दावा किया गया। अब देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र के नए सीएम बनने जा रहे हैं। इसी बीच अब लड़की बहन योजनाओं में खामियों की बात सामने आ रही है। ढाई लाख लाभार्थियों की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। इस संबंध में मीडिया रिपोर्ट्स के बाद महाराष्ट्र के महिला एंव बाल विकास मंत्रालय की तरफ से सफाई दी गई। रिपोर्ट के अनुसार नई सरकार लड़की बहन के सभी आवेदनों में से 1 प्रतिशत की फिर से जांच करेगी।

विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कि लड़की बहन योजना के कुल 2.5 करोड़ लाभार्थी हैं। फिलहाल कमियों को दूर करने के लिए आवेदनों में से 1 प्रतिशत का ऑडिट करने की योजना है। बाद में चरणबद्ध तरीके से सैंपल की जांच की जाएगी। लड़की बहन योजना के तहत महाराष्ट्र सरकार मौजूदा समय में महाराष्ट्र की महिलाओं को 1,500 रुपये हर महीने दे रही है। सरकार का प्लान इसे बढ़ाकर 2,100 रुपये करने का है। बताया जा रहा है कि दिसंबर में नई सरकार के तहत योजना को आगे बढ़ाने से पहले ऑडिट पूरा हो जाने की संभावना है।

यह सुनिश्चित किया जाएगा कि टैक्स-पेयर का पैसा केवल वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंचे। मल्टी-लेवल वैरिफिकेशन सिस्टम को अपनाया जाएगा। एक बहुस्तरीय सत्यापन प्रणाली इस प्रक्रिया को अंजाम देगी। लड़की बहन योजना की एलिजिबिलिटी के लिए भूमि स्वामित्व पर 5 एकड़ की सीमा है। साथ ही फैमिली इनकम 2.5 लाख रुपये तक होना अनिवार्य है। बताया गया कि अप्लाई करने वाली महिलाओं के आयकर प्रमाण पत्र, रिटायरमेंट पेंशन विवरण और वाहन स्वामित्व रिकॉर्ड की जांच की जाएगी। योजना में प्रति परिवार दो महिलाओं को लाभ सीमित किया गया है। सरकार की योजना डोर-टू-डोर सर्वे करने की है। अधिकारियों ने कहा कि यह जांच जरूरी थी। फाइनेंस और डब्ल्यूसीडी विभागों ने सभी आवेदनों की गहन जांच का प्रस्ताव दिया है। अबतक इस योजना के तहत पांच किस्तें दी जा चुकी हैं। दिसंबर के लिए छठी किस्त पहली कैबिनेट बैठक के बाद जमा होने की उम्मीद है। राज्य सरकार ने इस योजना के लिए 36,000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। उन्हें स्पेशल सप्लीमेंट्री बजट के जरिए बढ़ी हुई राशि के लिए अतिरिक्त पैसा जारी करना होगा। महाराष्ट्र के वित्त विभाग के अधिकारियों ने कहा कि संभावित धोखाधड़ी के दावों और पैसों के दुरुपयोग की चिंताओं को दूर करने के लिए जिला स्तर पर जांच की जाएगी।

मैं अपना डीएनए टेस्ट कराने के लिए तैयार, मुख्यमंत्री भी डीएनए की जांच कराएं : अखिलेश यादव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के डीएनए वाले बयान पर समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह अपने डीएनए की जांच करवाने के लिए तैयार हैं बशर्ते मुख्यमंत्री भी अपने डीएनए की जांच कराएं। योगी ने अयोध्या में रामायण मेले के उद्घाटन के बाद विपक्षी दलों पर समाज को बांटने का आरोप लगाया और कहा कि अयोध्या व संभल में मुगल शासक बाबर की सेना ने जो किया और आज जो बांग्लादेश में हो रहा है, उसका डीएनए एक ही है। अखिलेश ने कानपुर में संवाददाताओं से कहा, 'मुझे नहीं पता कि मुख्यमंत्री कितना विज्ञान जानते हैं और उन्होंने कितनी बायोलॉजी पढ़ी है लेकिन मैं उनसे अनुरोध करना चाहता हूं कि उन्हें डीएनए के बारे में बात नहीं करनी चाहिए।' उन्होंने कहा, 'आपके (मीडिया) जरिए मैं यह पूरी जिम्मेदारी के साथ कह रहा हूं कि उन्हें डीएनए के बारे में बात नहीं करनी चाहिए। अगर वह डीएनए के बारे में बात करते हैं तो मैं डीएनए टेस्ट कराने के लिए तैयार हूं और मुख्यमंत्री को भी अपना डीएनए टेस्ट कराना चाहिए।' अखिलेश ने कहा, 'डीएनए की बात करना उन्हें (मुख्यमंत्री योगी को) शोभा नहीं देती। एक संत, भगवा वस्त्र धारण किए एक योगी होने के नाते उन्हें डीएनए के बारे में बात नहीं करनी चाहिए।' अखिलेश यहां एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पहुंचे थे।

उमर अब्दुल्ला का आरोप, सोची समझी साजिश के तहत हमारी मस्जिदों को बनाया जा रहा निशाना

श्रीनगर (एजेंसी)। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आज पार्टी के संस्थापक शेख मुहम्मद अब्दुल्ला को उनकी 119वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अब एक सोची समझी साजिश के तहत हमारी मस्जिदों को निशाना बनाने की कोशिश की जा रही है। ये बात मैंने बार-बार कही है। उन्होंने आगे कहा कि आप कहते हैं कि आप मुसलमानों का तुष्टीकरण नहीं करेंगे, तो ऐसा न करें, हम तुष्टिकरण नहीं चाहते। लेकिन हमें निशाना मत बनाओ।

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि हमारी मस्जिदों, दरगाहों और जिस तरह हम अपने धर्म का पालन करते हैं उस पर हमला करके आप हमें प्रताड़ित कर रहे हैं और यह वह भारत नहीं है जिसका जम्मू-कश्मीर हिस्सा था। यह वह भारत नहीं है जिसकी हमारे संस्थापकों ने कल्पना की थी। पूर्व सांसद और एनसी विधायक हसनैन मसूदी ने कहा कि यह सब पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम के खिलाफ है। संभल में जो हुआ और अन्य स्थानों पर जो प्रयास किए जा रहे हैं - ये विभाजनकारी ताकतें हैं...ऐसी ताकतें हैं जो लोगों के बीच दरार पैदा करने का प्रयास कर रही हैं। यह राष्ट्रहित में नहीं है।

उमर अब्दुल्ला ने सुखबीर बादल पर हमले को लेकर भी बयान दिया। उन्होंने कहा कि कल सुखबीर बादल पर हमले के बाद मैंने उनसे बात की. हमने स्थिति के बारे में बात की, जाहिर है, कुछ चीजें जो उन्होंने मेरे साथ साझा कीं, वे सार्वजनिक उपभोग के लिए नहीं हैं। लेकिन अगर दिन के उजाले में पूर्व उपमुख्यमंत्री पर इस तरह से हमला हो सकता है तो ये चिंता की बात है। जाहिर है, इस पर गौर करने की जरूरत है. यह कैसे हुआ और यह सुनिश्चित करना है कि भविष्य में ऐसा न हो।

पाकिस्तान पहुंची अंजू दिल्ली में खरीदना चाह रही घर...नसरुल्ला भी आने को तैयार

*** सभी नियमों का किया पालन, लेकिन बना दिया गया विलेन**

भिवाड़ी (एजेंसी)। राजस्थान से पाकिस्तान पहुंची अंजू अब वापस भारत आने और दिल्ली एनसीआर में एक घर खरीदने की तैयारी में हैं। एक साक्षात्कार के दौरान अंजू ने बताया कि, उसने पाकिस्तान टूर के लिए सभी नियमों का पालन किया था, लेकिन उसे विलेन बना दिया गया।

अंजू ने अपनी बात रखते हुए कहा कि पाकिस्तान टूर को लेकर उसके परिवार को ताने दिए गए, जिससे मेरे और मेरे परिवार के बीच दूरियां बढ़ गईं। उसने कहा कि अब वो सिंगल महिला है और उसके बच्चे भी उसके पास हते हुए खुश हैं। इसके साथ ही वह भारत लौटेगी और अब सारे सवाल खत्म हो गए हैं।

यहां बताते चलें कि अंजू तब सुर्खियों में आईं थी जब वह अपने पति और बच्चों को छोड़कर पाकिस्तान में बैठे अपने फेसबुक फ्रेंड से बने प्रेमी नसरुल्ला से मिलने पाकिस्तान पहुंच गई। पाकिस्तान जाकर अंजू ने नसरुल्ला से निकाह किया और अपना नाम फातिमा रख लिया। इसके बाद अंजू जब वापस भारत आईं, तो अपने पाकिस्तान टूर को लेकर तमाम सवालों के जवाब भी दिए। इस बीच एक बातचीत में अंजू ने कहा, कि मेरे परिवार को बहुत कुछ सुनना और सहना पड़ा है, लेकिन अब सब ठीक हो गया है। मैं अब अपने बच्चों के लिए जीना चाहती हूं और उन्हें काबिल बनाना चाहती हूं। अंजू ने कहा कि खुद का घर खरीदने की योजना बना रही हूं, ताकि

किसी के अधीन न रहूं। इसके लिए काफी मेहनत करनी पड़ रही है, लेकिन अब परिवार साथ है, तो हर मुश्किल का सामना कर सकती हूं। इसी के साथ अंजू ने कहा कि नसरुल्लाह भी पाकिस्तान से भारत आने की तैयारी कर रहे हैं। बावजूद इसके दोनों को ही कई दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

एकनाथ शिंदे युग खत्म हुआ, उन्हें किनारे कर दिया गया है... फडणवीस के शपथ ग्रहण से पहले संजय राउत का तंज

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने गुरुवार को कहा कि एकनाथ शिंदे के शासन का युग खत्म हो गया है और दावा किया कि वह फिर कभी इस राज्य के सीएम नहीं बनेंगे। पत्रकारों से बात करते हुए संजय राउत ने भारतीय जनता पार्टी पर उनका इस्तेमाल करने और किनारे कर देने का आरोप लगाया. ऐसा एक दिन बाद हुआ जब भाजपा ने सर्वसम्मति से महाराष्ट्र में शीर्ष पद के लिए देवेंद्र फड़नवीस को चुना।

संजय राउत ने ने कहा शिंदे युग खत्म हो गया, वो सिर्फ़ दो साल के लिए था। उसका प्रयोग है। उन्होंने भाजपा पर अपनी राजनीतिक रणनीति का इस्तेमाल करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ये शिंदे की पार्टी भी तोड़ सकते हैं, ये तो हमेशा से बीजेपी रही है। यह सवाल करते हुए कि बहुमत होने के बावजूद महायुति गठबंधन को सरकार बनाने में 15 दिन क्यों लगे, राउत ने सत्तारूढ़ गठबंधन के भीतर संभावित दरार का संकेत दिया और कहा कि यह मुद्दा कल से दिखना शुरू हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि देवेंद्र फडणवीस आज से राज्य के सीएम होंगे। बहुमत होने के बावजूद सरकार बनाने के लिए 15 दिन का समय, राउत ने सत्तारूढ़ गठबंधन के भीतर संभावित दरार का संकेत दिया और कहा कि यह मुद्दा कल से दिखना शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि वे महाराष्ट्र या देश के हित में काम नहीं कर रहे हैं। वे अपने स्वार्थ के कारण एक साथ आए हैं...लेकिन राज्य भर में लोग चुनाव नतीजों के खिलाफ सड़कों पर उतर आए हैं, जिससे उन्हें यह मंजूर नहीं है।% फिर भी आज प्रदेश को सीएम मिल रहा है, हम उनका स्वागत करते हैं।

शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि मैं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री को शुभकामनाएं देता हूं। मुझे उम्मीद है कि वह महाराष्ट्र के लोगों से की गई अपनी सभी प्रतिबद्धताओं पर खरे उतरेंगे। सीएम का चेहरा तय करने में सरकार को 10 दिन से अधिक का समय लग गया...तीनों के बीच इतने सारे मतभेदों को देखते हुए, मुझे उम्मीद है कि महाराष्ट्र के लोगों को परेशानी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि बीजेपी की रणनीति अपने राजनीतिक सहयोगियों की पीठ में छुरा घोंपने की रही है। शिरोमणि अकाली दल, शिव सेना...वे (भाजपा) अपनी सुविधा के अनुसार इस्तेमाल करते हैं और फेंक देते हैं।